Ranchi ●Tuesday, 03 March 2026 ●Year : 05 ●Issue : 49 ●Ranchi Edition ●Page : 12 ●Price : ₹3 ●www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

रंगोत्सव कल

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में..
द फोटोन न्यूज Published From Ranchi

माह-ए-रमजान

इफ्तार 17:52

सेहरी 04:44

SHARE

सेंसेक्स	:	80,238.85
निफ्टी	:	24,865.70

SARAFA

सोना	:	15,715
चांदी	:	315.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

अवकाश की सूचना

होली पर्व के अवसर पर 'द फोटोन न्यूज' के कार्यालय में 03 और 04 मार्च 2026 को अवकाश रहेगा। अतः अखबार का अगला अंक 06 मार्च 2026 को प्रकाशित होगा। होली के मौके पर 'द फोटोन न्यूज' की ओर से पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं हॉकर बंधुओं सहित सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। इस दौरान देश-दुनिया की खबरों से अपडेट रहने के लिए देखते रहें www.thephotonnews.com

BRIEF NEWS

साल का पहला चंद्रग्रहण आज, होली कल

RANCHI : मंगलवार को इस साल का पहला चंद्र ग्रहण दिन में लगेगा। साल के पहले चंद्रग्रहण का सूतक काल सुबह से ही शुरू हो जाएगा। तीन मार्च मंगलवार को फाल्गुन की पूर्णिमा तिथि है। इसी दिन खग्रास चंद्रग्रहण लग रहा है। इसकी अवधि तीन घंटा 27 मिनट मानी जा रही है। इस दिन मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे। धार्मिक मान्यता अनुसार, ग्रहण और सूतक के समय रंगोत्सव भी नहीं होगा और न ही पूजा पाठ होगी। न ही होली का पूजन होगा। यह कार्य वर्जित माने गए हैं। ग्रहण का असर राशियों और भारत पर भी देखा जाएगा।

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर 8.25% बरकरार

NEW DELHI : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत निर्धारित की। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब ब्याज दर को अपरिवर्तित रखा गया है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। पिछले वर्ष फरवरी में, ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को बरकरार रखा था। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 2024 में ब्याज दर को मामूली रूप से बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था।

थर्ड वर्ल्ड वॉर की आहट : नतान्ज परमाणु संवर्धन स्थल को बनाया गया निशाना, लगातार बढ़ रही हताहतों की संख्या

ईरान पर अमेरिकी-इजरायली विमानों की ताबड़तोड़ बमबारी ने बढ़ाया युद्ध का दायरा

NEW DELHI @ PTI : सोमवार को संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी में ईरान के दूत ने आरोप लगाया कि अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों में ईरान के नतान्ज परमाणु संवर्धन स्थल को निशाना बनाया गया है। इजरायल और अमेरिका ने परमाणु स्थल पर हुए हमलों की बात को स्वीकार नहीं किया है। इस पर अमेरिका ने जून में ईरान और इजराक्षल के बीच हुए 12 दिवसीय युद्ध के दौरान बमबारी की थी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) में ईरान के राजदूत रजा नजाफी ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए गैरकानूनी, आपराधिक और क्रूर हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, कल उन्होंने फिर से ईरान की शांतिपूर्ण और सुरक्षित परमाणु सुविधाओं पर हमला किया। उनका यह तर्क कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करना चाहता है, सरासर झूठ है। जब उनसे पूछा गया कि वे किस परमाणु स्थल का जिक्र कर रहे हैं, तो नजाफी ने जवाब दिया- नतान्ज। स्थिति को लेकर आशंका जताई जा रही है कि कहीं थर्ड वर्ल्ड वॉर की आहट तो नहीं है। दूसरी ओर ईरान और ईरान समर्थित मिलिशिया ने इजरायल और अरब देशों पर मिसाइलें दागीं, जिनमें कुवैत में अमेरिकी दूतावास परिसर को निशाना बनाया गया। इजरायल और अमेरिका ने ईरान में लक्ष्यों पर बमबारी की, जिससे सोमवार को युद्ध का विस्तार हुआ। इसके साथ ही युद्ध में हताहतों की संख्या भी बढ़ रही है। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, अमेरिका-इजराइल अभियान में ईरान में अब तक कम से कम 555 लोग मारे जा चुके हैं और देशभर के 130 से अधिक इलाके हमलों की चपेट में आ चुके हैं।

- अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी में ईरान के राजदूत रजा नजाफी ने की हमलों की निंदा
- ईरान और ईरान समर्थित मिलिशिया ने इजरायल व कुवैत में अमेरिकी दूतावास परिसर को बनाया निशाना
- ओमान की खाड़ी में तेल टैंकर पर ड्रोन से हमला भारतीय की मौत

ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, अब तक मारे जा चुके कम से कम 555 लोग

अब तक हमलों की चपेट में आ चुके हैं ईरान के 130 से अधिक इलाके

ईरान का दावा- नेतन्याहू के कार्यालय को बनाया निशाना

- **दो दिनों में भारत में 760 से अधिक इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल**
- ईरान के खिलाफ फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने भी युद्ध में शामिल होने का किया एलान
- साइप्रस में ब्रिटिश एयरबेस पर ईरान का हमला
- अमेरिका के पूर्व एनएसए का दावा- हमले में अराफी की मौत

पश्चिम एशिया में हालत चिंताजनक : मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने इजरायल-ईरान जंग के बीच दिल्ली में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी से मुलाकात के बाद कहा- पश्चिम एशिया में हालात चिंताजनक हैं। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करेगा। हम बातचीत से समस्या का समाधान निकालने के पक्ष में हैं।

खामेनेई की पत्नी की भी मौत

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के 2 दिन बाद उनकी पत्नी मंसूरेह खोझस्तेह बघेरजादेह का भी निधन हो गया है। मंसूरेह दो दिन पहले अमेरिका और इजराइल के हमले में घायल हुई थीं। इसी हमले में खामेनेई मारे गए थे।

ईरान का 4 देशों में 6 अमेरिकी बेस पर अटैक

ईरान ने मिडिल-ईस्ट के 4 देशों में 6 अमेरिकी बेस पर हमला किया। कुवैत में अमेरिका के कई फाइटर जेट क्रैश हो गए है। जेट हवा में गोल-गोल घूमने के थोड़ी देर बाद जमीन से टकरा गए। हालांकि, इसमें किसी मौत की नहीं हुई है। कुवैत ने गलती से 3 अमेरिकी फाइटरजेट्स को दुश्मन का विमान समझकर निशाना बनाया। हादसे में सभी अमेरिकी पायलट सुरक्षित हैं।

जंग के बीच डोनाल्ड ट्रंप ब्रिटेन से नाराज

युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पुराने सहयोगी ब्रिटेन पर नाराजगी जताई है। दरअसल ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद अपना मिलिट्री बेस डिएगो गॉर्सिया देने में काफी देर लगाई है। अमेरिका जंग के पहले दिन ही इस बेस से ईरान पर हमला करना चाहता था। लेकिन ब्रिटेन ने 48 घंटे बाद इसकी इजाजत दी और कहा कि अमेरिका को यहां से सिर्फ ईरान के मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने की परमिशन होगी। इसे लेकर ट्रंप ने कहा है कि वे ब्रिटिश पीएम से बेहद निराश है।

कुवैत सिटी में कई अमेरिकी युद्धक विमान दुर्घटनाग्रस्त

कुवैत सिटी में अमेरिकी दूतावास परिसर के अंदर से आग और धुआं उठने के साथ ही, देश के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि देश में कई अमेरिकी युद्धक विमान भी दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं। मंत्रालय ने दुर्घटनाओं के कारणों या उनमें शामिल विमानों की संख्या के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी, लेकिन कहा कि पायलटों को अस्पताल ले जाया गया है और उनकी हालत स्थिर है। अमेरिकी सेना ने इस मामले पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। अमेरिकी सरकार द्वारा वहां मौजूद अमेरिकियों को सुरक्षित स्थान पर जाने और अन्य को दूर रहने की चेतावनी जारी करने के कुछ ही समय बाद दूतावास परिसर पर हमला हुआ। तत्काल किसी प्रकार के नुकसान या हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली।

नहीं करेंगे अमेरिका के साथ बातचीत : अली लारीजानी

इसी बीच अमेरिकी और इजरायली हवाई हमले जारी रहने के दौरान, ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी ने 'एक्स' पर संकल्प जताया कि हम अमेरिका के साथ बातचीत नहीं करेंगे। इराक में ईरान समर्थक मिलिशिया ने बगदाद हवाई अड्डे पर अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली, इससे एक दिन पहले ही उसने उत्तर में इरबिल शहर में एक अमेरिकी अड्डे पर गोलीबारी करने की बात कही थी, और साइप्रस ने कहा कि एक ड्रोन हमले में भूमध्यसागरीय द्वीप राष्ट्र में एक ब्रिटिश अड्डे को निशाना बनाया गया था।

बहरीन में भारत ने बंद की वीजा-पासपोर्ट सेवा

इजरायल-ईरान जंग के कारण बीते दो दिनों में भारत में 760+ इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। रविवार को भी दिल्ली एयरपोर्ट पर 87 फ्लाइट कैंसिल रहीं। दिल्ली, मुंबई, कोच्चि, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर, अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स पर हजारों यात्री फंसे हुए हैं। बहरीन में स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर जानकारी दी कि मौजूदा हालात को देखते हुए इंडियन कांसुलर एप्लीकेशन सेंटर ने भारतीय वीजा और पासपोर्ट सर्विस अगले नोटिस तक बंद करने का फैसला किया है।

पीओके में हिंसक प्रदर्शन सात मरे

सोमवार को सुबह पीओके में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया है। गिलगित-बाल्टिस्तान में प्रदर्शनकारियों ने यूनाइटेड नेशंस के ऑफिस में आग लगाई। स्कर्दू में एसपी ऑफिस और कई सरकारी इमारतों को जला दिया। इस दौरान सुरक्षाबलों की ओर से की गई फायरिंग में 7 प्रदर्शनकारी मारे गए, 12 से ज्यादा घायल हैं।

2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाएंगे भारत-कनाडा : पीएम

AGENCY NEW DELHI : सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और कनाडा 2030 तक अपना व्यापार 50 अरब डॉलर तक ले जाएंगे। दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता भी जल्द ही पूरा करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच सिविल न्यूक्लियर एनर्जी में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति का ऐतिहासिक सौदा हुआ है। देश में भारत-कनाडा ह्यपल्स प्रोटीन उत्कृष्टता केंद्रह्व की स्थापना की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं की उपस्थिति में रक्षा, शिक्षा, कृषि एवं नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर हुए समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में मेहमान नेता की दोनों देशों के संबंधों को गति देने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि जल्द होने जा रहा व्यापार समझौता दोनों देशों में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा। अति आवश्यक खनिजों को लेकर हुए समझौते से सप्लाई मजबूत होगी। अंतरिक्ष क्षेत्र में दोनों के स्टार्टअप और बिजनेस आपस में जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और कनाडा अक्षय ऊर्जा तथा ऊर्जा स्टोरेज के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देंगे और इस वर्ष इससे जुड़ा एक सम्मेलन भारत में आयोजित किया जाएगा।

- दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय प्रतिनिधिमंडल स्तर की हुई वार्ता
- सिविल न्यूक्लियर एनर्जी में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति का हुआ ऐतिहासिक सौदा

विकास के लिए झारखंड में 11 हजार करोड़ का निवेश करेगा टाटा ग्रुप

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में औद्योगिक विकास को नई गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए टाटा ग्रुप ने राज्य में लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के नए निवेश की घोषणा की है। यह निर्णय सोमवार को रांची में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद सामने आया। इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के बीच विस्तृत वार्ता हुई। बैठक में राज्य में औद्योगिक विस्तार, नई प्रौद्योगिकी आधारित निवेश और दीर्घकालिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ज्ञान-आधारित उद्योगों और हरित तकनीक में निवेश को झारखंड के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया।

वार्ता के बाद मीडिया से बातचीत में चंद्रशेखरन ने कहा कि झारखंड से टाटा समूह का ऐतिहासिक संबंध रहा है और यहीं से कंपनी ने वैश्विक पहचान की नींव रखी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ हुई बातचीत सकारात्मक और दूरदर्शी रही।घोषित निवेश के तहत टाटा स्टील जमशेदपुर स्थित अपने संयंत्र में उन्नत तकनीक आधारित स्टील उत्पादन को बढ़ावा देगी। इस परियोजना का उद्देश्य उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में सुधार के साथ कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना है।

- सीएम हेमंत सोरेन और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के बीच हुई विस्तृत वार्ता
- राज्य सरकार उद्योगों के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

फोटोन एक्सक्लूसिव

सीएनटी-एसपीटी एक्ट का उल्लंघन कर बनाए गए मकान नहीं किए जाएंगे रेगुलर

NIKHIL KUMAR, RANCHI : हेमंत सरकार ने झारखंड रेगुलराइजेशन ऑफ अनऑथराइज्डली कंस्ट्रक्टेड बिल्डिंग रूल्स- 2026 का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्तावित नियमावली के तहत शहरी निकाय क्षेत्रों में वैध भवन प्लान बिना निर्मित या अनधिकृत रूप से निर्मित भवनों और आवासों के लिए उचित शुल्क दर वसूल कर नियमितीकरण की एकमुश्त व्यवस्था की जाएगी। हालांकि, नियमों में स्पष्ट किया गया है कि छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम-1908 और संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम-1949 का उल्लंघन कर हस्तांतरित जमीन तथा सरकारी भूमि पर बने भवनों का नियमितीकरण नहीं किया जाएगा। नगर विकास विभाग के प्रस्ताव पर जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी ली जाएगी। सरकार के अनुसार, यह नीति शहरी निकाय क्षेत्रों में लंबित अनधिकृत निर्माण मामलों के निपटारे और नियोजित शहरी विकास को गति देने के उद्देश्य से लाई जा रही है।

नियमों के तहत प्राप्त आवेदनों की विस्तृत जांच की जाएगी। यदि जांच में अतिरिक्त निर्माण, तथ्य छिपाने या गलत जानकारी देने की पुष्टि होती है, तो आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। स्वामित्व की भी जांच की जाएगी। ऐसी स्थिति में जमा की गई नियमितीकरण राशि जब्त कर ली जाएगी और अवैध निर्माण के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई, जिसमें तोड़-फोड़ भी शामिल है, की जाएगी।

ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट और अपील : आवेदन स्वीकृत होने पर संबंधित प्राधिकरण पूर्व में की गई प्रवर्तन कार्रवाई वापस लेगा तथा ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट जारी करेगा। आदेश से असंतुष्ट आवेदक 30 दिनों के भीतर राज्य सरकार द्वारा गठित अपीलीय ट्रिब्यूनल में अपील कर सकेंगे। अपीलों के निपटारे के लिए तीन महीने की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

- सरकारी जमीन पर भी बनाए गए भवन नहीं हो सकेंगे नियमित
- झारखंड रेगुलराइजेशन ऑफ अनऑथराइज्डली कंस्ट्रक्टेड बिल्डिंग रूल्स-2026 में स्पष्ट प्रावधान
- वेरिफिकेशन में गड़बड़ी होने से निरस्त होगा आवेदन, अवैध निर्माण पर चलेगा बुलडोजर

इन स्थितियों में नहीं होगा नियमितीकरण

- सरकारी भूमि या किसी सार्वजनिक उपक्रम, हाउसिंग बोर्ड, अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी, वक्फ बोर्ड अथवा अन्य सार्वजनिक संस्थाओं की जमीन पर अतिक्रमण।
- वैध स्वामित्व दस्तावेजों का अभाव।
- मास्टर प्लान, जोनल डेवलपमेंट प्लान, रोड अलाइनमेंट या प्रस्तावित सड़क परियोजना क्षेत्र में आने वाले निर्माण।
- टैंक बेड, जलग्रहण क्षेत्र या मास्टर प्लान में चिह्नित ओपन स्पेस पर निर्माण।
- स्वीकृत भूमि उपयोग और जोनिंग नियमों के विपरीत निर्माण।
- स्वामित्व विवादित या न्यायालय में लंबित मामले।
- असुरक्षित घोषित भवन।

चिंताजनक **वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न होने की बनी स्थिति**

चुपचाप अब खेतों की मिट्टी से नमी छीनने लगा बढ़ता तापमान

PHOTON NEWS, RESEARCH DESK : विकास को केंद्र में रखकर बीते दशकों से जारी मानव गतिविधियों आज खुद उसके लिए कई परेशानियों का सबब बन रही हैं। जलवायु परिवर्तन की स्थिति विकराल समस्या का रूप ले रही है। लंबे समय तक किए गए रिसर्च के बाद हाल में वैज्ञानिकों ने बताया है कि अब धरती का बढ़ता तापमान केवल मौसम की चरम घटनाओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह चुपचाप खेतों की मिट्टी से नमी छीनकर कृषि व्यवस्था की जड़ों को कमजोर कर रहा है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि बसंत ऋतु में मिट्टी के जल्दी सूखने की प्रवृत्ति के कारण यूरोप, अमेरिका और भारत समेत दुनिया के कई प्रमुख कृषि क्षेत्रों में भीषण सूखे की आशंका बढ़ रही है। इसका सीधा असर फसल उत्पादन और वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर पड़ सकता है। सालाना बारिश के आंकड़े पहले जैसे या उससे अधिक होने के बावजूद हालात विकट बना रहे हैं।

इस परिस्थिति का लंबे समय तक ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के वैज्ञानिकों ने अध्ययन किया है। अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचर जियोसाइंस में शोध के नतीजोंको विस्तार से विश्लेषण के साथ प्रकाशित किया गया है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसका एक कम चर्चित लेकिन गंभीर परिणाम यह है कि मिट्टी और पौधों से पानी कहीं तेजी से वाष्पित हो रहा है। अब सूखा केवल कम बारिश का परिणाम नहीं रह गया है।

सिर्फ मौसम की चरम घटनाओं तक सीमित नहीं रह गया है जलवायु परिवर्तन

- बसंत ऋतु में भी मिट्टी के जल्दी सूखने की प्रवृत्ति ने खड़े किए शोधकर्ताओं के कान
- यूरोप, अमेरिका और भारत समेत कई प्रमुख कृषि क्षेत्रों में सूखे की बढ़ रही आशंका
- सालाना बारिश के आंकड़े पहले जैसे या उससे अधिक होने पर भी हालात विकट
- ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक किया अध्ययन

- अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'नेचर जियोसाइंस' में विश्लेषण के साथ प्रकाशित की गई है रिपोर्ट

फसलों की शुरुआती वृद्धि और पैदावार

वैज्ञानिकों ने यह स्पष्ट किया गया है कि बसंत ऋतु में मिट्टी की नमी का स्तर भविष्य के सूखे की गंभीरता तय करने में अहम भूमिका निभाता है। शोध के मुताबिक, अगर बसंत में मिट्टी पहले ही सूखी हो, तो गर्मियों में कृषि सूखा कहीं अधिक तीव्र रूप ले लेता है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि फसलों की शुरुआती वृद्धि इसी अवधि में होती है और पानी की कमी का असर पूरे मौसम की पैदावार पर पड़ता है। यूरोप में 2003, 2010 और 2018 के भीषण सूखे इस बात की मिसाल हैं कि बसंत और प्रारंभिक गर्मियों में मिट्टी की नमी की कमी किस तरह पूरे मौसम को प्रभावित कर सकती है।

कृषि व किसानों पर दबाव

बढ़ते तापमान और सूखती मिट्टी के कारण किसानों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भले ही बारिश के पैटर्न में बड़ा बदलाव न दिखे, लेकिन खेतों में नमी बनाए रखना कठिन होता जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले वर्षों में कृषि को सुरक्षित रखने के लिए सूखा सहिष्णु फसलों को अपनाना, सिंचाई के तरीकों में सुधार करना और जल प्रबंधन को अधिक वैज्ञानिक बनाना अनिवार्य होगा। यह केवल तकनीकी बदलाव का नहीं, बल्कि कृषि नीति और निवेश के पुनर्विचार का भी सवाल है।

धराशायी हुआ सेंसेक्स, 1048 अंक गिरा, 80239 पर बंद

MUMBAI : अमेरिका-इजरायल और ईरान जंग के चलते भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट रही। सेंसेक्स 1048 अंक (1.29%) गिरावट के साथ 80,239 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी करीब 313 अंकों (1.24%) की गिरावट रही, ये 24,866 के स्तर पर आ गया। जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक उनके शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और इसे सोने-चांदी जैसी सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है। कच्चे तेज की कीमतों में तेजी के चलते आज एनर्जी और ऑटो शेयरों में ज्यादा गिरावट है।

BRIEF NEWS

बरमसिया के कचरा गोदाम में लगी आग

DHANBAD : एफसीआई गोदाम के पास सोमवार को एक कचरा गोदाम में अचानक आग लग गई। इसका धुआं काफी ऊंचाई तक फैल गया था, जिससे आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। लोगों ने तत्काल इसकी सूचना अग्निशमन और धनसार थाना को दी। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने करीब तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस घटना में जान-माल की कोई क्षति नहीं हुई। आग भी रिहायशी इलाकों तक नहीं पहुंच सकी। घटना की सूचना मिलने पर झामुमो के महानगर अध्यक्ष मंटू चौहान ने कहा कि इस इलाके में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जिसके कारण इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

बीएल नेवटिया क्रिकेट में टॉउन क्लब बना चैंपियन

CHAIBASA : कृपा सिंधु चंदन की शानदार बल्लेबाजी (74 नाबाद) की बदौलत टॉउन क्लब चाईबासा, फ्रेंडस क्लब चाईबासा को 6 विकेट से पराजित कर 33वीं बीएल नेवटिया टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का चैंपियन बन गया। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को खेले आज खेले गए फाइनल मैच में टॉस टॉउन क्लब के कप्तान प्रणय कुमार ने जीता तथा फ्रेंडस क्लब को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंडस क्लब की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान 161 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी टॉउन क्लब की टीम ने 18.4 ओवर में 164 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार टॉउन क्लब चाईबासा के कृपा सिंधु चंदन को, सर्वश्रेष्ठ बैट्समैन का पुरस्कार फ्रेंड्स क्लब चाईबासा के शिवम पटेल को, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार टॉउन क्लब के आदित्य राज को तथा पूरे प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार टॉउन क्लब के कप्तान प्रणय कुमार को दिया गया।

खदेड़ने के दौरान कुएं में गिरा हाथी

KHUNTI : आम तौर पर जंगली हाथी का आतंक गांव देहात और खेत खलिहानों में ही देखने सुनने को मिलता रहा है, पर अब हाथी की इंट्री शहरों में हो गई। एक जंगली हाथी सोमवार को खूंटी शहरी क्षेत्र में घुस गया, पर गनीमत रही कि गजराज ने कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। लोगों और वन विभाग की ओर से खदेड़े जाने पर हाथी सेरेंग डीह के एक कुंआ में गिर गया। प्रशासन और वन विभाग की टीम हाथी को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास में जुट गई है। सोमवार को सुबह लगभग पौने दस बजे एक जंगली हाथी को दतिया गांव से खूंटी के नेताजी चौक की ओर आता देख लोगों ने अफरातफरी मच गई। हाथी को देखकर लोग हाथी के पीछे हल्ला मचाते हुए दौड़ने लगे। इस स्थिति में हाथी नेताजी चौक के समीप महात्मा गांधी धर्मशाला परिसर में घुस गया। इसके बाद धर्मशाला के बगल में स्थित अधिवक्ता प्रदीप गौंझू के आवास परिसर से होता हुआ नगर भवन परिसर में जा घुसा। शहर में जंगली हाथी के प्रवेश करने की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को हाथी से दूर रहने की अपील करने लगे। थोड़ी देर बाद नगर भवन परिसर से हाथी बाहर निकला फिर उसे सुरक्षित मारंगहादा की ओर जंगली क्षेत्र में खदेड़ने लगे। उसी दौरान हाथी कुआं में गिर गया।

इटली के दंपती ने अनाथ बच्ची को लिया गोद

RAMGARH : इटली के दंपति ने एक अनाथ बच्ची को गोद लेकर उसकी दुनिया बदल डाली। रामगढ़ जिला बाल संरक्षण इकाई के माध्यम से सोमवार

को गैर सरकारी संस्था डिवाइन ओंकार मिशन के बालिका गृह से 12 वर्षीय बालिका ज्योति कुमारी को इटली निवासी दंपत्ति क्लाउडिया पेद्रिनी एवं उनकी धर्मपत्नी डोमिंगा सेल्विनी द्वारा विधिवत गोद लिया गया। इस अवसर पर डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने बालिका को दंपत्ति को सौंपते हुए उनसे एवं बालिका से आत्मीय बातचीत की।

बोकारो स्टील के रिटायर्ड कर्मियों ने प्रबंधन को दी आत्मदाह की चेतावनी

भूख हड़ताल पर बैठे सेवानिवृत्त कर्मचारी, मैनेजमेंट पर लगाया साजिश का आरोप

PHOTON NEWS BOKARO : आवास बचाओ संघर्ष समिति बोकारो के बैनर तले बोकारो स्टील कंपनी के रिटायर्ड कर्मचारी सोमवार को सामूहिक एक दिवसीय भूख हड़ताल पर बैठे। इस दौरान कर्मचारियों ने कहा कि कंपनी प्रबंधन उनकी मांगों को पूरा नहीं करेगा, तो वे आत्मदाह कर लें। सेक्टर-12 निवासी रिटायर्ड बीएसएल कर्मियों ने कहा कि बोकारो स्टील प्रबंधन ने उनके सेक्टर में जर्जर घोषित किए गए क्वार्टरों से लोगों को निकालने का निर्देश जारी किया है।

धरना के दौरान नारेबाजी करते सेवानिवृत्त कंपनी कर्मचारी • फोटोन न्यूज

संघर्ष समिति के सदस्यों का कहना है कि यह बोकारो स्टील प्रबंधन का हमारे साथ भेदभाव वाला रवैया है। कंपनी प्रबंधन ने अन्य सेक्टरों में आवास मरम्मत का काम पूरा लिया है, लेकिन हमारे सेक्टर में मरम्मत कराने की बजाए हमें क्वार्टर से निकालने की साजिश रच रहा है। धरना पर बैठे सेवानिवृत्त कर्मचारी यमुना राम ने कहा कि हम किसी कीमत पर अपने क्वार्टर से नहीं निकलेंगे। यदि हमें बाध्य किया गया, तो आत्मदाह कर लेंगे। हम लोग प्रबंधन की साजिश का शिकार नहीं बनेंगे। हमलोगों के साथ आखिर भेदभाव क्यों किया जा रहा है, सह समझ से परे हैं। यदि कंपनी प्रबंधन हमारी मांगों को नहीं मानेगा तो हमलोग अधिकारियों के घर का घेराव करेंगे। हम भी देखेंगे कि कंपनी प्रबंधन क्या करता है। उसके सुरक्षाबल हम पर कितना जुल्म करेंगे, हम सामना करने के लिए तैयार हैं।

जर्जर आवासों को गिराया जाएगा : प्रबंधन

इस संबंध में बोकारो स्टील कंपनी प्रबंधन के सूचना प्रमुख देव कुमार धान ने कहा कि प्रबंधन द्वारा जितने भी जर्जर क्वार्टर हैं, उनको गिराया जाएगा। इसीलिए उन क्वार्टरों में रहने वालों को खाली करने का नोटिस दिया गया था। कंपनी प्रबंधन उनसे आग्रह कर रहा है कि वे जल्द से जल्द आवास खाली कर प्रबंधन का सहयोग करें।

अपराधियों ने बैंक में डकैती के लिए गार्ड पर की फायरिंग

GODDA : बैंक ऑफ इंडिया की केंचुआ चौक, महागामा शाखा में सोमवार को दिनदहाड़े हथियारबंद अपराधियों ने डकैती का प्रयास किया गया। हालांकि बैंक के निजी सुरक्षा गार्ड की सतर्कता के कारण अपराधी अपने मंसूबे में सफल नहीं हो सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना लगभग सुबह 11.30 बजे की है। हेलमेट और मास्क पहने करीब पांच से छह अपराधी बैंक परिसर में पहुंचे। एक व्यक्ति हेलमेट पहनकर बैंक के अंदर प्रवेश किया। गेट पर तैनात निजी सुरक्षा गार्ड विनोद सिंह ने उससे हेलमेट हटाने को कहा, जिस पर वह उलझ गया। देखते ही देखते दोनों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसी दौरान अपराधी ने गार्ड पर गोली चला दी, जो उनके बाएं कंधे में जा लगी। गोली लगते ही गार्ड जमीन पर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज से बैंक परिसर में अफरा-तफरी मच गई और ग्राहक सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। स्थिति बिगड़ती देख अपराधी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही महागामा थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। बाद में एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद भी पहुंचे और घायल गार्ड को तत्काल रेफरल अस्पताल, महागामा पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने एक्स-रे जांच कराई, जिसमें गोली बाएं कंधे में फंसी पाई गई।

पलामू में बुजुर्ग की धारदार हथियार से कर दी हत्या, जांच में जुटी पुलिस

AGENCY PALAMU : श्राद्ध का भोज खाने गए एक बुजुर्ग की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। उसका शव दो दिन बाद सोमवार को जंगल से बरामद किया गया। घटना पलामू जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के सेवती डाक बंगला के समीप पदमा जाने वाली सड़क से सटे कुसुमटाड़ जंगल में हुई। शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक की पहचान आर्का पंचायत के काजी पकरी निवासी राजदेव महतो (70) के रूप में हुई है। इस संबंध में पत्नी दुलारी देवी के बयान पर अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। थाना प्रभारी आनंद राम ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पुलिस जांच तेज है।

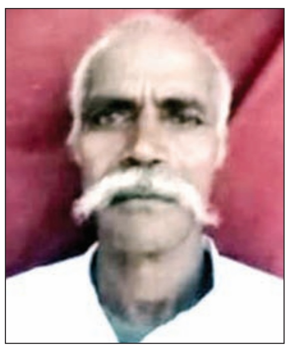

पत्नी के अनुसार 27 फरवरी की रात में गांव में गोतिया के यहां श्राद्ध का भोज खाने के लिए पति-पत्नी दोनों गए थे। राजदेव ने शराब पी रखी थी। रात को पत्नी घर आ गई। उसे लगा कि कुछ देर बाद राजदेव भी लौट जाएंगे, लेकिन वे नहीं लौटे। उनकी खोजबीन शुरू की गई, लेकिन कहीं कोई अता-पता नहीं चल पा रहा था। सोमवार को इस संबंध में थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने की तैयारी थी। इसी बीच सुबह में घर से कुछ दूर आगे कुसुमटाड़ जंगल में दुर्गंध आने पर लोगों ने देखा कि एक शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। राजदेव के परिजन भी ढूंढते हुए मौके पर आए। शव की पहचान की गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। राजदेव के चेहरे पर तेज धारदार हथियार से वार करने के निशान मिले हैं। पुलिस हत्या मानकर अनुसंधान कर रही है। थाना प्रभारी आनंद राम ने बताया कि मृतक की पत्नी ने अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया है। अनुसंधान कर मामले को स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। हत्या का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हुआ है।

रामगढ़ में ट्रांसफॉर्मर से टकराए सांड, चिंगारी से कई दुकानों में लगी आग

RAMGARH : शहर में आवारा घूमते सांड लगातार आफत मचा रहे हैं। सोमवार को होलिका दहन मैदान में दो सांड आपस में लड़ते हुए बिजली के ट्रांसफार्मर से टकरा गए, जिससे निकली चिंगारी पास की झोपड़ी नुमा दुकानों में आग लग गई। घटना में कई दुकानें जलकर खाक हो गईं और हजारों रुपए का नुकसान हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो सांड मैदान में लड़ रहे थे और इस दौरान ट्रांसफार्मर के पोल से टकरा गए। टकराव के कारण ट्रांसफार्मर में तेज आवाज हुई और चिंगारी झोपड़ीनुमा दुकानों पर गिर गई। आग ने मुंशी होटल, रोशन ढुसका और आसपास की कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत आग पर काबू पाने का प्रयास किया। हालांकि, आग लगने से कई दुकानों का सामान जलकर नष्ट हो गया और दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

बच्चा चोर के शक में ग्रामीणों ने कर दी युवक की पिटाई

KODERMA : जिले में इन दिनों बच्चा चोर की शक में अज्ञात लोगों को पड़कर पिटाई करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। ऐसा ही एक मामला सोमवार की तड़के सुबह तिलैया थाना क्षेत्र के मोरियावां गांव से सामने आया है। जहां ग्रामीणों ने बच्चा चोर समझकर एक युवक को बांधकर उसकी पिटाई कर दी। घटना की जानकारी देते हुए मोरियावां के पूर्व वार्ड पार्षद बलराम यादव ने बताया कि सोमवार की सुबह जब गांव के लोग टहलने निकले थे, तो देखा कि एक अज्ञात युवक अलग-अलग घरों में ताक झांक कर रहा है। जिस पर उन्हें संदेह हुआ और उन्होंने शोर मचाकर ग्रामीणों को वहां इकट्ठा कर लिया। इसके बाद ग्रामीण उस अज्ञात युवक को पकड़ पूछताछ करने लगे। युवक ने कुछ भी साफ-साफ नहीं बताया। जिस पर ग्रामीण उग्र हो गए। ग्रामीणों ने जब उनसे कठोरता से पूछताछ की तो उक्त युवक ने बताया कि वह झुमरीतिलैया के वार्ड 1 स्थित नरेश नगर का रहने वाला है। हालांकि उसने अपना नाम नहीं बताया। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा इस मामले की जानकारी तिलैया पुलिस को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उस अज्ञात युवक को पकड़ कर अपने साथ थाना ले आई।

इधर थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि जांच में पता चला कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त है। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति को देखने पर तुरंत थाना को सूचना दें। कोई भी व्यक्ति किसी के साथ मारपीट न करें, यह कानूनन अपराध है।

प्रेस क्लब के होली मिलन में जमकर उड़े अबीर-गुलाल

CHATRA : द प्रेस क्लब, चतरा की ओर से जिला मुख्यालय के गन्दौरी मंदिर के समीप सोमवार को जलछाजन परिसर में स्थित कार्यालय में होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चतरा जिला मुख्यालय सहित विभिन्न प्रखंड से काफी संख्या में पत्रकारों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम द प्रेस क्लब, चतरा के अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह, उपाध्यक्ष परमानंद आर्य और सचिव जितेंद्र तिवारी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के बीच आपसी सौहार्द, एकजुटता और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। इसके बाद उपस्थित पत्रकार बंधुओ ने एक दूसरे को अबीर और गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। मौके पर पत्रकार नौशाद आलम, चंद्रेश शर्मा, सत्येंद्र

मित्तल, नवीन पाण्डेय समेत अन्य के होली के पारंपरिक गीत और गायन से उपस्थित लोगों को प्रभावित किया। वहीं कार्यक्रम में होली के गीतों पर मौजूद पत्रकार जमकर थिरके। पत्रकार ठाकुर धीरेंद्र प्रसाद, संजय सिंह, हरिओम, अभिमन्यु सिंह, प्रदीप कुमार वर्मा सहित अन्य ने कहा कि पत्रकारिता की चुनौतियों, जिम्मेदारियों और समाज में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अपने साथियों के साथ होली की खुशियां मनाना एक अद्भुत पल है।

झारखंड के चतरा में टायर फटने से स्लीपर बस पलटी, 12 यात्री घायल

AGENCY CHATRA : बिहार के गयाजी जिले के डुमरिया से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर जा रही एक स्लीपर बस झारखंड के चतरा जिले में अनियंत्रित होकर पलट गई। यह हादसा चतरा-डोभी मुख्य मार्ग पर मोरैंवा टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर पहले एनएच-22 पर हुआ। बस (सीजी 13 क्यू 0805) का अगला टायर अचानक फटने से दुर्घटना हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी। बस में सफर कर रहे यात्री अनुज कुमार ने बताया कि घाटी क्षेत्र में पहुंचते ही बस का अगला टायर ब्लास्ट कर गया, जिसके बाद चालक बस पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस सड़क किनारे पलट गई। हादसे में करीब 12 यात्री घायल हो गए। कई यात्रियों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर

घटनास्थल पर पलटी बस व सड़क पर यात्री

की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, इस हादसे में किसी यात्री की मौत नहीं हुई है। गंभीर रूप से घायल पांच यात्रियों को चतरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक घायल को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है। घायलों की पहचान जहानाबाद निवासी राकेश कुमार, गयाजी जिले के वजीरगंज निवासी रंधीर कुमार, डुमरिया के संजीत कुमार, चतरा के सुजीत कुमार, बगरा के कमलेश कुमार और जोरी के अमृत कुमार के रूप में हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस के जरिए चतरा सदर अस्पताल भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

हाथी प्रभावित क्षेत्र में सभी को दिए जाएंगे पक्के मकान बनेगा मल्टीपर्पस भवन

HAZARIBAG : जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के न्यास परिषद की बैठक सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें सांसद मनीष जायसवाल, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, बरकट्ठा विधायक अमित यादव, बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी, मांडू विधायक निर्मल महतो एवं उपविकास आयुक्त रिया सिंह सहित कई वरीय पदाधिकारी, मुखिया एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे। बैठक में हाथी प्रभावित क्षेत्रों में आम लोगों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक कदम उठाने को लेकर गंभीर रूप से विचार विमर्श किया गया। जिस पर उपायुक्त ने कहा कि हाथी प्रभावित क्षेत्रों में कच्चे मकानों में रहने वाले लोगों को पक्के मकान में शिफ्ट किया जाएगा। इन क्षेत्रों में मल्टीपरपस हॉल का निर्माण कराया जाएगा, जिसका इस्तेमाल लोगों को हाथियों के आक्रमण से बचाने के लिए किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि हाथी प्रभावित क्षेत्र के लोगों एवं खनन प्रभावित व्यक्ति जिन्हें आवास नहीं मिला हैं उन्हें जांचोपरांत आवास देने के लिए आवश्यक प्रक्रिया की जा रही है। शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे एवं हाईमास्ट लाइट लगाने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। एनटीपीसी द्वारा बड़कागांव प्रखंड के ढेंगा में निर्मित भवन में आवासीय विद्यालय का संचालन किए जाने का निर्णय लिया गया। इस विद्यालय में सीबीएसई बोर्ड के तहत पठन पाठन का कार्य किया जाएगा। आवासीय स्कूल में विस्थापित परिवारों के बच्चों को भी पढ़ने की अनुमति दी जाएगी। बैठक में बताया गया कि सभी प्रखंडों में बनने वाली लाइब्रेरी के लिए डीपीआर तैयार कर ली गई है। बैठक में डीएमएफटी मद द्वारा क्रियान्वित योजनाओं एवं पूर्व की न्यास परिषद के बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा और नए योजनाओं की स्वीकृति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी ने डीएमएफटी मद द्वारा विभिन्न विभागों के अंतर्गत क्रियान्वित एवं संचालित योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता को खराब पड़े चापानलो का सर्वे कराते हुए मरम्मती कराने एवं आवश्यक पेयजल सुविधा बहाल करने का निर्देश दिया गया।

प्रशासन | अधूरी रह गई बोर्ड की बैठक, सदस्यों ने कई ज्वलंत मुद्दों पर डीडीसी का आकृष्ट कराया ध्यान

सीईओ ने कहा- सीएस को हथौड़ा से मारें क्या, भड़के जिप सदस्य

PHOTON NEWS DHANBAD : जिला परिषद के बोर्ड की बैठक सोमवार को अधूरी रह गई। जिला परिषद के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी (सीईओ)- सह- उपविकास आयुक्त सन्नी राज एक जरूरी मीटिंग होने के कारण बोर्ड बैठक से चले गए। इसके बाद बैठक ही समाप्त हो गई। वहीं इससे पहले सदस्यों के सवाल पर डीडीसी ने कहा कि क्या सीएस को हथौड़ा से मारें, इस पर सदस्य काफी नाराज हो गए।

बीच बचाव करते हुए जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि मारने की बात नहीं है, लेकिन सीएस ने जो गलती की है, उसकी लिखित जानकारी दें।

उनसे जो जवाब मांगा जा रहा है, उसे जिला परिषद को उपलब्ध कराना चाहिए। निरसा की जिला परिषद सदस्य पिंकी मरांडी ने बताया कि बेनागड़िया-1 में स्वास्थ्य केंद्र निर्माण को लेकर शिलान्यास किया गया था।

बाद में इसे दूसरे जगह स्थानांतरित कर निर्माण कार्य शुरू किया गया। जबकि इस स्थानांतरण संबंधी कोई भी जानकारी सिविल सर्जन की ओर से नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि सरकारी दस्तावेजों में कलियासोल और एगयारकुंड नए प्रखंड हैं। जबकि, स्वास्थ्य विभाग इसे अब भी निरसा प्रखंड में मानता है। इसी मामले के सवाल पर सीईओ ने गलत तरीके से बात कह दी थी।

बैठक में अपनी बात रखता जिला परिषद का सदस्य

नवजात की खुशी में मांगे जाते रुपये

टुंडी की जिला परिषद सदस्य जेबा मोनिसेंट मरांडी ने एसएनएमएमसीएच समेत सभी सरकारी अस्पतालों में अव्यवस्था का मामला उठाया। उन्होंने बताया कि एसएनएमएमसीएच में बच्चा होने पर प्रसूता से 5000 रुपये और लड़की होने पर 4000 रुपये की मांग की जाती है। यह तब है, जब अस्पताल में साफ-सफाई नहीं है। चिकित्सक नहीं बैठते और तकनीकी सामानों की घोर कमी है।

ब्लैकलिस्टेड ठेकेदार को दिया गया काम

गोविंदपुर की जिला परिषद सदस्य लक्ष्मी मुर्मू ने बताया कि घटिया सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदार को जिला परिषद की ओर से दोबारा काम दिया जा रहा है। जबकि, उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। उन्होंने सीधे तौर पर जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह पर मनमानी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष कोई कार्रवाई नहीं कर सकते, तो उन दोनों का पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है।

विधायक ने भी उठाया पेयजल का मुद्दा

बैठक में शामिल विधायक राज सिन्हा समेत तमाम सदस्यों ने गर्मी के दौरान पेयजल समस्या का मुद्दा उठाया। सिन्हा ने कहा कि मुनीडीह में गोपीनाथडीह जलापूर्ति योजना चल रही है। इसका कनेक्शन वहां कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी को दिया गया है। यह कैसे हुआ इसकी जांच होनी चाहिए। इसके अलावा गर्मी को देखते हुए चापाकल मरम्मति, नाला निर्माण के काम पर उन्होंने जोर दिया।

बांस पर झूल रहे बिजली के तार

जिला परिषद सदस्य स्वाति ने कहा कि खरनी के चुटियारो, सैंड्रीया समेत तमाम गांव में बिजली के पोल तो गाडे गए हैं, लेकिन तार नहीं लगाए गए हैं। पूरे गांव में बिजली के तार बांस पर झूल रहे हैं। घर के बगल में ही ट्रांसफर्मर लगाया गया है। इससे जान-माल का खतरा है। बड़ा पिछड़ी में डीएमएफटी फंड से पीसीसी सड़क का निर्माण हो रहा है। इसमें काफी अनियमितता बरती जा रही है। उन्होंने इन मामलों पर कार्रवाई की मांग की।

> बोर्ड की बैठक अधूरी रह गई। होली के बाद यह बैठक फिर होगी। इस बार बैठक में दुकान आवंटित करने, विवाह भवनों का रेट कम करने समेत तमाम योजनाओं पर चर्चा हुई।
>
> – शारदा सिंह, अध्यक्ष, जिला परिषद

लीज पर दी जाएगी बीएसएस कॉलेज व निरीक्षण भवन की जमीन

DHANBAD : जिला परिषद की बोर्ड बैठक में दो महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय लिया गया। बेकारबांध स्थित निरीक्षण भवन और बीएसएस कॉलेज की जमीन लीज पर देने पर सहमति बनी। इस संबंध में जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने बताया कि निरीक्षण भवन का रखरखाव नहीं हो पा रहा है। लीज पर दिए जाने के बाद इसकी स्थिति में सुधार होगा और इसका उपयोग हो सकेगा। वहीं बीएसएस कॉलेज की छात्राओं की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए जमीन को कॉलेज को लीज पर दिया जाना है। इसके लिए कॉलेज प्रबंधन के साथ बैठक कर एक न्यूनतम भाड़ा निर्धारित किया जाएगा।

BRIEF NEWS

सचिवालय में छाया होली का रंग

RANCHI : झारखंड सचिवालय में सोमवार को होली का उल्लासपूर्ण माहौल देखने को मिला। कार्यालयों में कामकाज के साथ-साथ त्योहार की खुशियां भी झलकती रहीं। कर्मचारी और पदाधिकारी एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई देते नजर आए। दोपहर बाद विभिन्न विभागों में सहकर्मियों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा। कई जगहों पर कर्मचारियों ने आपसी मेल-मिलाप के साथ त्योहार की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। माहौल पूरी तरह सकारात्मक और उत्साह से भरा रहा। शाम में कामकाज निबटा कर बिहार जाने वाले कर्मी जल्दी निकल गए।

श्याम बाबा महोत्सव में गूंजे भजन, खेली गई फूलों की होली

RANCHI : केशव कृपा छाया फाउंडेशन की ओर से बरियातू स्थित आरोग्य भवन (कोठी नंबर-13) में सोमवार को श्याम बाबा महोत्सव सह बसंतोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान फाउंडेशन के अध्यक्ष मीरा अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित भजन संध्या में श्रद्धा और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। बसंतोत्सव के अवसर पर पुष्पों और गुलाल से होली खेली गई। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया। रंगों की फुहार और भजनों की गूंज से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और उत्सवी हो गया। कार्यक्रम की शुरूआत श्याम बाबा की पूजा-अर्चना और मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक श्याम भजन प्रस्तुत किए, जिस पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। पूरा परिसर भक्ति रस में डूबा नजर आया।

मारवाड़ी सम्मेलन ने डंडा रोपण के साथ किया होलिका दहन

RANCHI : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से मारवाड़ी समाज ने सोमवार को रांची में पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ डंडा रोपण, ठंडी होली पूजन के साथ होलिका दहन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि महिलाओं ने राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा, विशेषकर रंग-बिरंगी ओढ़नी धारण कर विधि-विधानपूर्वक डंडा रोपण की रस्म निभाई। इसके बाद ठंडी होली की पूजा श्रद्धा और भक्ति भाव से की गई। पारंपरिक गीतों के साथ परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की गई। उन्होंने बताया कि तीन मार्च की सुबह लगभग पांच बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया गया। श्रद्धालुओं ने अग्नि की परिक्रमा कर सुख-शांति और सकारात्मक जीवन का संकल्प लिया।

होली पर रांची के अस्पताल अलर्ट मोड में, इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे रहेंगी चालू

अस्पताल प्रबंधन ने इमरजेंसी सेवाओं को पूरी तरह सक्रिय रखने का लिया निर्णय

- इमरजेंसी वार्ड में पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों और नर्सों की हुई है तैनाती
- ब्लड बैंक को अतिरिक्त रक्त उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि दुर्घटना या अन्य गंभीर मामलों में रक्त की कमी न हो
- होली के दौरान सड़क दुर्घटनाओं, झुलसने, आंखों में जलन, त्वचा संक्रमण और अन्य आपात स्थितियों के बढ़ सकते हैं मामले

PHOTON NEWS RANCHI : होली के दौरान संभावित दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए राजधानी रांची के अस्पताल अलर्ट मोड में हैं। अस्पताल प्रबंधन ने इमरजेंसी सेवाओं को पूरी तरह सक्रिय रखने का निर्णय लिया है, जिससे कि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तुरंत इलाज मिल सके।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इमरजेंसी वार्ड में पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों और नर्सों की तैनाती की गई है। गंभीर मामलों से निपटने के लिए आवश्यक दवाइयों और जीवनरक्षक उपकरणों की व्यवस्था पहले से कर ली गई है। साथ ही ब्लड बैंक को अतिरिक्त रक्त उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि दुर्घटना या अन्य गंभीर मामलों में रक्त की कमी न हो।

होली के दौरान रंगों के अत्यधिक उपयोग और नशापान से जुड़ी घटनाओं की आशंका को देखते हुए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई है। प्रशासन का मानना है कि इस दौरान सड़क दुर्घटनाओं, झुलसने, आंखों में जलन, त्वचा संक्रमण और अन्य आपात स्थितियों के मामले बढ़ सकते हैं।

सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने सोमवार को बताया कि होली के दिन इमरजेंसी सेवाएं पूरी तरह चालू रहेंगी, जबकि ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के डॉ. राजीव रंजन ने भी जानकारी दी कि रिम्स में होली के अवसर पर इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी, लेकिन ओपीडी को 4 मार्च के लिए बंद रखा गया है। इसी तरह सदर अस्पताल रांची में भी 4 मार्च को ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। हालांकि, मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इमरजेंसी वार्ड पूरी तरह क्रियाशील रहेगा। अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया गया है।

दरअसल,होली के दौरान कई लोग नशे की हालत में वाहन चलाते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा केमिकल युक्त रंगों के कारण त्वचा संबंधी समस्याएं, आंखों में जलन या संक्रमण की शिकायतें सामने आती हैं। वहीं, होलिका दहन के दौरान लापरवाही बरतने से झुलसने की घटनाएं भी होती हैं।

उक्त सभी संभावित खतरों को देखते हुए ही रांची के अस्पतालों ने व्यापक तैयारियां की हैं, ताकि त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में त्वरित और प्रभावी चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई जा सके।

रांची नगर निगम की ओर से जारी की गई सख्त चेतावनी

निर्माण सामग्री अवैध रूप से डंप करने पर कार्रवाई के लिए रहें तैयार

घर या प्रतिष्ठान के बाहर छोड़ा तो मालिक से वसूले जाएंगे उठाने के पैसे

एन्फोर्समेंट टीम को फाइन भी लगाने का दिया गया है आदेश

PHOTON NEWS RANCHI : अगर आप भी रांची नगर निगम क्षेत्र में रहते है और घर या प्रतिष्ठान के बाहर बिल्डिंग वेस्ट मैटेरियल रखने की आदत है तो इसे तत्काल बदल डालिए। ऐसा नहीं करने पर रांची नगर निगम आप पर कार्रवाई करेगा। इतना ही नहीं, वेस्ट उठाकर ले जाने का चार्ज भी वसूलेगा। इसके अलावा फाइन लगाई जाएगी सो अलग। रांची नगर निगम ने इसे लेकर नोटिस जारी कर दिया है। शहर के सभी बिल्डरों, ठेकेदारों और नए निर्माण कार्य कर रहे भवन मालिकों को सख्त चेतावनी दी है कि वे निर्माण कार्य के दौरान निकले सीएनडी वेस्ट (निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट) को केवल निगम द्वारा चिह्नित स्थानों पर ही डंप करें। अगर कोई व्यक्ति या संस्था इन नियमों का उल्लंघन करती है और निर्धारित स्थलों के अलावा अन्य किसी स्थान पर निर्माण सामग्री डंप करती है तो उसके खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शहर की स्वच्छता व सार्वजनिक सुविधाओं की सुरक्षा के लिए उठाया गया कदम

कहीं भी डंप करने पर प्रतिबंध

नगर निगम की ओर से जारी नोटिस में ये भी कहा गया है कि मुख्य मार्गों, सार्वजनिक स्थलों, खाली भूखंडों, नालियों, निर्माणाधीन भवनों के बाहर या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर निर्माण सामग्री डंप करना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। नोटिस में ये भी कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति, संस्था या बिल्डर इन चिन्हित स्थलों के अलावा कहीं भी सीएनडी वेस्ट डंप करता हुआ पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भारी जुमार्ना, सामग्री की जब्ती और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह कदम शहर की स्वच्छता और सार्वजनिक सुविधाओं की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि रांची नगर निगम शहर की स्वच्छता, यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक सुविधाओं को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि को सहन नहीं करेगा। उन्होंने सभी बिल्डरों और निर्माणकताओं से यह अनुरोध किया कि वे निगम द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही अपशिष्ट डंप करने का पालन करें और शहर की सुंदरता और सफाई को बनाए रखने में मदद करें।

शहर में दो जगहों को किया गया चिह्नित : रांची नगर निगम ने शहर में दो स्थानों को चिन्हित किया है। जहां पर सीएनडी वेस्ट को डंप करना वैध होगा। ऐसे में लोग खुद से वहां गाड़ियों के माध्यम से सीएनजी वेस्ट को लाकर जमा कर सकते है। इसमें एक जगह नागा बाबा खटाल के पास स्थित एमआरएफ केंद्र के समक्ष और दूसरी जगह ट्रेकर स्टैंड के पास स्थित एमआरएफ केंद्र के समक्ष है। अगर आप चाहें तो इसकी सूचना निगम को भी दे सकते हैं। इसके बाद सीएनडी वेस्ट का उठाव कर लिया जाएगा। लेकिन, गाड़ी का खर्च मालिक को वहन करना होगा। इससे कि निगम की कार्रवाई से बच सकते हैं।

रांची में फोरलेन समेत चार बड़ी सड़क परियोजनाएं समय-सीमा से पीछे, काम में तेजी लाने का निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में राज्य योजना मद से संचालित चार अहम सड़क परियोजनाओं की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। तय समय-सीमा के मुकाबले कार्य प्रगति काफी पीछे रहने पर विभाग ने सख्ती दिखाते हुए एजेंसियों को काम में तेजी लाने का निर्देश दिया है। साथ ही नियमित मॉनिटरिंग और जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। नेवरी स्थित विकास विद्यालय (रांची रिंग रोड) से बूटी मोड़, कोकर चौक, कांटाटोली होते हुए नामकुम आरओबी तक प्रस्तावित 15.214 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण और फोर लेन निर्माण का कार्य अब तक करीब 79 प्रतिशत ही पूरा हो पाया है। पुल निर्माण और चौड़ीकरण का काम जारी है, लेकिन, निर्धारित समयसीमा की तुलना में प्रगति धीमी मानी जा रही है। इस मार्ग पर रोजाना हजारों वाहनों की आवाजाही होती है, जिससे अधूरे कार्य के कारण जाम और धूल की समस्या बनी हुई है।

बरियातु-बोरिया मार्ग पर केवल 28% कार्य : बरियातु (एमडीआर-004) से लेम, बरगाईं और बोरिया तक 3.750 किलोमीटर सड़क परियोजना में महज 28 प्रतिशत कार्य ही पूरा हुआ है। योजना की समयसीमा पहले ही समाप्त हो चुकी है। एप्रोच रोड और अंतिम फिनिशिंग कार्य लंबित है, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही है।

तय होगी जवाबदेही

सूत्रों के अनुसार, परियोजनाओं की सुस्त रफ्तार को लेकर विभाग ने इंजीनियरों और एजेंसियों को निर्धारित अवधि में सुधार नहीं करने का निर्देश दिया है। विभाग का कहना है कि गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा और नियमित समीक्षा बैठकों के जरिए परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है। राजधानी की यातायात व्यवस्था और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए इन सड़कों का समय पर निर्माण बेहद अहम माना जा रहा है।

दुबई में फंसे हैं रांची के 90 लोग वतन वापसी की लगा रहे गुहार

- वीडियो के माध्यम से बताई पूरी कहानी, बम के धमाकों की सुनाई दे रही आवाज

PHOTON NEWS RANCHI : इजरायल-ईरान टकराव के बीच दुबई में रांची के दर्जनों लोग फंस गए हैं। वहां से उन्हें भारत आने की फ्लाइट नहीं मिल रही है। अब वहां फंसे लोगों ने वीडियो जारी कर भारत सरकार से वतन वापसी की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि फिलहाल वे लोग एक होटल में है। जहां उनकी पूरी टीम है। बस सरकार किसी तरह उन्हें भारत लाने की व्यवस्था करे।

परिजनों को भेजा वीडियो वीडियो में सोनू नामक व्यक्ति बता रहा है कि 24 फरवरी को रांची से दुबई वे लोग गए थे। 90 लोगों की पूरी टीम थी। इसके बाद 28 फरवरी को अबुधाबी से उनकी फ्लाइट थी कोलकाता के लिए। एयरपोर्ट जा रहे थे। वहां पहुंचने के बाद बम के धमाके होने लगे। तत्काल एयरपोर्ट बंद कर दिया गया। हमलोगों को किसी तरह बस से वापस दुबई लाया गया। फिलहाल हमलोगों को एक होटल में रखा गया है। लेकिन रुक-रुक कर बम के धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है। जिससे हमें डर लग रहा है। भारत सरकार से उन्होंने गुहार लगाई है कि यहां से सुरक्षित निकालने का उपाय करे।

नयासराय मारपीट कांड में 12 गिरफ्तार पुलिस ने हथियार व वाहन किए बरामद

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के विधानसभा थाना क्षेत्र स्थित नयासराय में मारपीट और फायरिंग की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना में प्रयुक्त एक फोल्डेबल राइफल, एक देशी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, एक खाली मैगजीन, दो स्कॉर्पियो, एक फॉर्च्यूनर, एक बुलेट मोटरसाइकिल और 12 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। घटना 28 फरवरी 2026 की रात की है, जब थाना प्रभारी को गांव में लड़ाई-झगड़े की सूचना मिली। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि जाकिर अंसारी और उनके पुत्र के साथ कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के लोग मारपीट कर रहे थे। घटना में जाकिर अंसारी के पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज एस्टन हॉस्पिटल दलादली में चल रहा है। इस संबंध में जाकिर अंसारी के आवेदन पर विधानसभा थाना कांड संख्या 21/26 दर्ज किया गया था। जिसमें 30 नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

इनकी हुई गिरफ्तारी : छोटू खलखो, कुलदीप खलखो, बबलू कुजूर, शुभम प्रजापति उर्फ मित्तल प्रजापति, कमलेश महली, चंदन टोप्पो, राज किशोर उरांव, प्रदीप लोहार, सुमित कुमार सिंह, मुकेश कुमार, रवि कुमार, दिलजन मुण्डा।

होली पर्व को लेकर कांके थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को कांके थाना परिसर मे होली पर्व को लेकर कांके अंचलाधिकारी अमित भगत की अध्यक्षता मे शांति समिति की बैठक की गई। मौके पर उपस्थित सभी लोगों ने अपने अपने विचार रखे ओर होली पर्व को शांति, सौहार्द और हर्षोल्लास के साथ मनाने की बात कही। कांके उप प्रमुख अंजय बैठा ने आपसी भाईचारे को और मजबूत करने ओर किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहने एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने पर जोर दिया। थाना प्रभारी प्रकाश रजक ने बताया कि पर्व के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और शांति भंग करने वाली किसी भी गतिविधि पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। बैठक में मुख्य रूप से एसआई कफील अहमद,आमीर अंसारी,प्रवीण रजक,अरविंद कुमार,राजकुमार तिग्गा,अमित कुमार,समनूर मंसूरी, प्रभात भूषण, सज्जाद अंसारी, बीरेंद्र तिवारी, इम्तियाज अहमद सहित अन्य मौजूद थे।

एक्शन

वित्तीय पारदर्शिता को लेकर पंचम राज्य वित्त आयोग ने अपनाया सख्त रुख

मनरेगा खर्च और सोशल ऑडिट पर वित्त आयोग ने मांगी रिपोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर पंचम राज्य वित्त आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग की समीक्षा में सबसे ज्यादा फोकस महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत हुए खर्च, सामग्री आपूर्ति और कर कटौती के ब्योरे पर है। सूत्रों के अनुसार, आयोग वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक जिलावार इम्पैनल्ड मटेरियल सप्लायर्स की संख्या, उनके द्वारा की गई सामग्री आपूर्ति का कुल मूल्य और भुगतान की वास्तविक स्थिति की गहन पड़ताल कर रहा है। खास तौर पर जीएसटी और आयकर मद में की गई टीडीएस कटौती, उसकी जमा स्थिति और कहीं कोई अनियमितता तो नहीं हुई- इसे विस्तार से खंगाला जा रहा है। सोशल ऑडिट को भी समीक्षा के केंद्र में रखा गया है। आयोग यह जानना चाहता है कि अंतिम बार सोशल ऑडिट कब हुआ, उसमें किन बिंदुओं पर आपत्तियां दर्ज की गईं और उन पर विभाग ने क्या कार्रवाई की। लंबित आपत्तियों और जवाबदेही की स्थिति पर भी स्पष्ट रिपोर्ट मांगी गई है। इसके अलावा योजनाओं में नवाचार, सफलता की कहानियां और राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर मिले पुरस्कारों का ब्योरा भी तलब किया गया है। वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के तहत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी की भूमिका, उत्पादों के बाजार विस्तार और आजीविका सृजन के प्रयासों की भी समीक्षा की जा रही है।

संसाधनों का उपयोग पारदर्शी और प्रभावी तरीके से हो

आयोग का जोर इस बात पर है कि पंचायत स्तर तक संसाधनों का उपयोग पारदर्शी और प्रभावी तरीके से हो। संकेत मिल रहे हैं कि वित्तीय अनुशासन, विभागीय समन्वय और कर अनुपालना को लेकर आगे सख्त दिशा-निर्देश जारी हो सकते हैं। ग्रामीण योजनाओं में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह समीक्षा अहम मानी जा रही है।

उपायुक्त ने 18 सेवानिवृत्त शिक्षकों और दो कर्मियों को दी विदाई

RANCHI : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में पेंशन दरबार सह सेवा-निवृत्ति विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने 18 सेवानिवृत्त शिक्षकों और सदर अनुमंडल तथा जिला राजस्व शाखा के दो कर्मियों को सम्मानित कर विदाई दी। इस मौके पर उन्होंने सभी को शॉल ओढ़ाकर, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन, ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट सहित सभी पेंशनरी लाभ वितरित किए गए। उपायुक्त ने कहा कि शिक्षक समाज की नींव हैं और उनकी सम्मानजनक विदाई प्रशासन की प्राथमिकता है।

रातू के पाली इलाके में हाथी ने मचाया उत्पात, एक को कुचलकर मार डाला

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में एक बार फिर जंगल से भटका हाथी रिहायशी इलाकों में पहुंच गया है। तीन दिन पहले हटिया क्षेत्र में दिखाई देने वाला हाथी अब रातू इलाके के पाली गांव और आसपास के जंगलों में देखा गया। सुबह के समय जंगल किनारे हाथी को घूमते हुए देखा गया, जिसके बाद इसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई थी। बाद में पाली इलाके में हाथी ने जमकर उत्पात मचाना शुरू कर दिया। हाथी ने सुबोध खलखो नामक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला है, जबकि रोशन खलखो गंभीर रूप से घायल है। घायल व्यक्ति का इलाज जारी है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहू का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथी को जल्द से जल्द जंगल की ओर खदेड़ने की मांग की है।

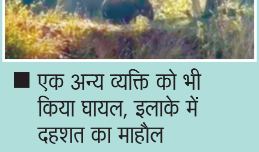

- एक अन्य व्यक्ति को भी किया घायल, इलाके में दहशत का माहौल
- ग्रामीणों ने की वन विभाग से हाथी को जल्द से जल्द जंगल की ओर खदेड़ने की मांग

भीड़ न लगाने की अपील

वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर लगातार निगरानी कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि हाथी के मूवमेंट पर नजर रखी जा रही है और उसे सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर वापस भेजने की तैयारी की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे हाथी के करीब जाने की कोशिश न करें, भीड़ न लगाएं।

परीलोक में तब्दील हुआ जुबिली पार्क एक साथ जगमगाए 20.5 लाख एलईडी

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने जुबिली पार्क में ठीक 6 बजे दबाया बटन, परीलोक में तब्दील हो गया नजारा

जुबिली पार्क में रंग-बिरंगी रोशनी से बनी खूबसूरत आकृतियां व फव्वारों के चारों तरफ बिखरी मनमोहक छटा ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने संस्थापक दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार शाम को ठीक 6 बजे जैसे ही बटन दबाया, जुबिली पार्क परीलोक में तब्दीन हो गया। इसके साथ जुबिली पार्क रिकॉर्ड 20.5 लाख एलईडी बल्बों से जगमगा उठा है। वहीं, कदमा-सोनारी लिंक रोड को सजाने में 8 लाख, जबकि शहर की हेरिटेज बिल्डिंगों और गोलचक्करों की सजावट में लगभग 80 लाख एलईडी लाइट लगाए गए हैं। जुबिली पार्क में इस वर्ष रोशनी की सजावट को खास बनाने के लिए कबूतर, तितली, हाथी, शेर, मोर, बंदर सहित विभिन्न पक्षियों के साथ-साथ कमल, गुलाब और ट्यूलिप के आकृति में लाइटों से सजावट की गई है। सतरंगी छटा के बीच कलर्ड वाटर फाउंटेन पार्क की खूबसूरती में अलग रंग रहे हैं। संस्थापक दिवस पर जुबिली पार्क की रोशनी एक बार फिर जमशेदपुर की पहचान और टाटा की परंपरा को अलग तरीके से प्रस्तुत कर रहा है। इस मौके पर चेयरमैन के साथ टाटा स्टील ग्रुप के सीईओ-सह- एमडी टीवी नरेंद्रन सहित कंपनी के वरीय पदाधिकारियों, यूनियन नेताओं और कर्मचारियों ने संस्थापक को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रतन टाटा की तस्वीर कर रही आकर्षित

इस बार रतन टाटा की तस्वीर एक लाख फूलों से तैयार की गई है, जो बरबस ही लोगों को आकर्षित कर रही है। इसके अलावा पार्क में संस्थापक जेएन टाटा के साथ रतन टाटा की तस्वीर भी विशेष रूप से डिस्प्ले की गई है। 3 से 6 मार्च तक आम लोग विद्युत सज्जा देख सकेंगे। शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक आम लोग पैदल प्रवेश करेंगे। वहीं रात 10 से 11 बजे तक चारपहिया, दोपहिया वाहनों से लोग लाइटिंग देख सकेंगे। पैदल इंट्री सीएफई, साकची व निक्को पार्क गेट से होगी। जबकि निकासी सीएफई, साकची और पारसी गेट होगी। जबकि वाहनों का प्रवेश व निकासी सिर्फ सीएफई गेट से होगा। हालांकि 4 मार्च (होली) को लाइटिंग चालू रहेगी, लेकिन पार्क में आम लोगों के प्रवेश पर रोक रहेगी।

समाचार सार

'लव इन साइलेंस' में दिखेंगे डुमरिया के मंगला मार्डी

GHATSILA : डुमरिया प्रखंड के निश्चिंतपुर गांव निवासी मंगला मार्डी को फिल्म 'लव इन साइलेंस' में अभिनय का अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों दिल्ली के प्रेस क्लब में इसका ऑडिशन हुआ था। वहां उनकी प्रतिभा देखकर तुरंत निर्देशक अभीक भानु ने साइन कर लिया। इससे पहले अभीक भानु की 2022 में चौरी-चौरा आई थी, तो इससे पहले गन पे डन रिलीज हुई थी। नई फिल्म में मंगला मार्डी के साथ योगेश सिंह, सन्नी विज, प्राची सहित दर्जनों कलाकार हैं। इस उपलब्धि पर झामुमो की डुमरिया प्रखंड कमेटी ने मंगला मार्डी को सम्मानित किया। प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन ने कहा कि मंगला मार्डी की यह उपलब्धि निश्चय ही झारखंड के युवाओं को प्रेरित करेगी।

ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमले के विरोध में हुई सभा

JAMSHEDPUR : साझा नागरिक मंच, जमशेदपुर की ओर से सोमवार को साकची गोलचक्कर स्थित बिरसा चौक पर एक नुक्कड़ प्रदर्शन सह जनसभा की गई। यह पानीपत में चल रहे मजदूर आंदोलन के समर्थन और ईरान पर हुए अमेरिकी-इजरायली हमले को लेकर था। हरियाणा के पानीपत में कई दिनों से आईओसीएल कंपनी के मजदूर 8 घंटे का कार्यदिवस लागू करने को लेकर संघर्षरत हैं। इप्टा के बच्चों ने गीत गाया, जबकि इस दौरान सियाशरण शर्मा, डॉ. रामकवींद्र सिंह, सुजय राय, अरविंद अंजुम, अर्पिता, राजश्री, अशोक शुभदर्शी, बीएन प्रसाद, बिक्रम झा, तौहीद्दुल हसन, शाहिद अख्तर, हैदर इमाम, शाहिद खान, देवाशीष, मुरारी प्रसाद, शैलेश अस्थाना, श्याम किशोर, रमन कुमार, काशीनाथ प्रजापति, केवी पाई, सुभाषचंद्र, एसके घोषाल, अंकुर शाश्वत, चैतन्य शिरोमणि, जयकिशोर प्रसाद, निशा सिंह, जिया, मंथन आदि उपस्थित रहे।

पोद्दार समाज ने किया होली मिलन

JAMSHEDPUR : पोद्दार वैश्य कल्याण समिति ने सोमवार को मानगो के टैंक रोड स्थित पोद्दार भवन में होली मिलन किया। इस मौके पर समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगा कर तिलक होली खेली। कार्यक्रम में पोद्दार समाज दरभंगा के अध्यक्ष राधेश्याम पोद्दार को समिति के संस्थापक अध्यक्ष- सह- मुख्य संरक्षक शंकर पोद्दार ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में शिवशंकर प्रसाद देव, रामलखन पोद्दार, महामंत्री श्रीकांत देव, नीरज नागेंद्र, नंदकिशोर पोद्दार, उमेश कुमार, संजीव पोद्दार, अशोक पोद्दार, मनोज पोद्दार, गणेश पोद्दार, संजय पोद्दार, सुबोध पोद्दार, रूपेश पोद्दार, जितेंद्र सेन पोद्दार, अर्जुन पोद्दार, सुरेंद्र पोद्दार, किशोर पोद्दार आदि भी शामिल हुए।

चिलगू में ध्वस्त की गईं 3 शराब भट्ठियां

SERAIKELA : होली के मद्देनजर उपायुक्त नितिश कुमार सिंह के निर्देश पर अधीक्षक उत्पाद, सरायकेलाझ्रखरसावां की देखरेख में सोमवार को चांडिल थाना अंतर्गत चिलगू के समीप चाकुलिया एवं भदौडीह ग्राम में छापेमारी की गई। इस दौरान 3 अवैध चुलाई अड्डों को ध्वस्त किया गया। घटनास्थल से लगभग 500 किलोग्राम जावा महुआ जब्त कर मौके पर ही नष्ट किया गया। 35 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया। बरामदगी के उपरांत संबंधित अभियुक्तों के विरुद्ध अभियोग दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अंधविश्वास की आड़ में तांत्रिक ने किया नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्त में आरोपी व जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में अंधविश्वास से जुड़ी एक घटना सामने आई है। एक तांत्रिक ने झाड़-फूंक के नाम पर एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के परिजनों द्वारा थाना में मामला दर्ज करते ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना के संबंध में जगन्नाथपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपने बीमार बेटे के इलाज के लिए जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के तोड़ागहातु गांव के मुंडा साईं टोला निवासी ओझा-गुनी पांडे नाग को घर बुलाया था। आरोपी लंबे समय से ओझा-गुनी और झाड़-फूंक का काम करता था। इस दौरान आरोपी ने इलाज की प्रक्रिया का हवाला देते हुए महिला और उसके बेटे को घर से बाहर भेज दिया। उसने उन्हें पास के तालाब में फेरा लगाने और पूजा संबंधी प्रक्रिया पूरी करने को कहा। उसके बाद आरोपी घर में ही रुक गया। इसी दौरान आरोपी ने महिला की नाबालिग बेटी को डरा-धमका कर दुष्कर्म किया। इसके बाद वह चला गया। बाद में मां- बेटा जब घर लौटे, तो पीड़िता ने पूरी बता बताई। इसके बाद परिजन थाना पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी वर्ष 2014 में भी दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी रह चुका है।

एमजीएम थाना क्षेत्र में पकड़ाई विदेशी शराब की अवैध फैक्ट्री

JAMSHEDPUR : होली के मद्देनजर सहायक आयुक्त उत्पाद, पूर्वी सिंहभूम के निर्देश पर सोमवार को एमजीएम थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई। यहां अवध डेंटल कॉलेज से सटी ऊंची चारदीवारी वाले राजेश कुमार शर्मा के मकान में विदेशी शराब की अवैध फैक्ट्री पकड़ाई। छापेमारी में विदेशी शराब तैयार करने एवं उसे बोतलबंद करने की सभी सामग्री जैसे स्पिरिट, तैयार तरल रंगीन शराब, भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांडों के खाली बोतल, बड़ी संख्या में ढक्कन व बोतल सीलबंद करने वाले कॉर्क, बोतलों पर चिपकाए जाने वाले विभिन्न ब्रांडों के लेबल-स्टिकर, नकली उत्पाद आसंजक, शराब को रंग व फ्लेवर देने में प्रयुक्त केरामेल लीटर, प्लास्टिक के ड्रम में तैयार रंगीन विदेशी शराब तथा करीब 80 पेटियों में, रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज, रॉयल गोल्ड कप आदि ब्रांड के बोतल बंद शराब बरामद किए गए।

युवा ही पूरा करेंगे विकसित भारत का सपना : मधु कोड़ा

कार्यक्रम को संबोधित करते मधु कोड़ा

CHAIBASA : महिला कॉलेज, चाईबासा में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 कार्यक्रम सोमवार को हुआ। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में मधु कोड़ा ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सपना तभी साकार होगा, जब युवा लोकतंत्र, संविधान और देश की एकता को समझेंगे और उसकी रक्षा करेंगे। उन्होंने आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के संदर्भ में उस दौर को याद करते हुए लोकतंत्र की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आपातकाल के 50 वर्ष विषय पर विशेष सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं ने तीन-तीन मिनट का भाषण दिया। इस विषय पर पश्चिमी सिंहभूम जिले के 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के कुल 70 युवाओं ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया। इनमें से चयनित पांच युवा रांची में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा वहां से चयन होने पर दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम में कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेंद्र भारती, सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन डॉ. परशुराम सियाल, महिला कॉलेज की प्राचार्या प्रो. संगीता टोप्पो सहित अन्य शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बहरागोड़ा में हुआ 19 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह

विवाह समारोह में शामिल परिजन व अन्य ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : बहरागोड़ा के नेताजी शिशु उद्यान से सटे शाखा मैदान में सोमवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह आशीर्वाद कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी के नेतृत्व में 19 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह हुआ। वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए कई लोग पहुंचे थे। समारोह स्थल पर एक साथ 19 मंडप में 19 पुरोहितों ने 19 जोड़ों का विवाह हिंदू रीतिरिवाज के साथ कराया। सात फेरों एवं माला बदल के साथ नव दंपतियों ने शराब और घरेलू हिंसा से दूर रहने की शपथ भी ली। बहरागोड़ा के शमशान चौक स्थित निगमानंद आश्रम से सुबह 11 बजे एक साथ 19 दूल्हों को गाजेझबाजे के साथ विवाह मंडप तक लाया गया। युवा मंडली ने आतिशबाजी करते हुए बैंड-बाजे की धुन पर डांस किया। बारातियों का स्वागत डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी व मुख्य अतिथि ओडिशा के विख्यात अभिनेता सिद्धांत महापात्र ने किया।

मातृभाषा में ही व्यक्त हो पाती हैं हृदय से निकलने वाली बातें : डॉ. अशोक

एलबीएसएम कॉलेज में छात्राओं ने सुनाई कई भाषाओं में लोककथा व कविताएं

कार्यक्रम में मंचस्थ प्राचार्य व अतिथि ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : मातृभाषा स्रोत भाषा होती है। हृदय से निकलने वाली चीजें मातृभाषा में ही व्यक्त हो पाती हैं। मातृभाषा से जो कट जाएगा, वह अपनी जड़ों से कट जाएगा। सामाजिक-सांस्कृतिक और इंसानी मूल्यों को बचाने के लिए मातृभाषाओं और उनकी विविधता को बचाना जरूरी है। हम मातृभाषा से प्रेम के बगैर न राष्ट्रीय हो सकते हैं, ना अंतरराष्ट्रीय। राष्ट्रभाषा व अंतरराष्ट्रीय भाषा को जानना-समझना जरूरी है, पर उससे भी जरूरी है मातृभाषा में खुद को व्यक्त करना, क्योंकि वह किसी भी मनुष्य के ज्ञान और अभिव्यक्ति की शक्ति के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। मातृभाषा हमें ज्ञान की समृद्ध लोकपरंपरा से जोड़ती है। वह प्रेम की भाषा होती है। बहुत पहले विद्यापति कह गए हैं- देसिल बयना सब जन मिट्ठा। वे संस्कृत के भी बड़े विद्वान थे, पर उन्होंने मातृभाषा को महत्व दिया और इसी ने उन्हें लोकप्रिय भी बनाया। मैथिली, ओड़िया, बांग्ला भाषाओं को बोलने वाले उन्हें अपनी ही भाषा का कवि मानते हैं। ये बातें सोमवार को एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा ने कहीं। करनडीह स्थित कॉलेज में हिंदी विभाग और साहित्य कला परिषद की ओर अंतरराष्टीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अशोक कुमार झा ने मातृभाषा में पढ़ाई के महत्त्व की चर्चा करते हुए कहा कि पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम कहते थे कि अपनी मातृभाषा तमिल में पढ़ाई के कारण ही यह संभव हो सका कि वे आगे चलकर एक वैज्ञानिक बन पाए। थोपी हुई कोई भाषा हमारे विकास का माध्यम नहीं बन सकती। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष और बर्सर डॉ. विजय प्रकाश ने कहा कि नई शिक्षा नीति में कई मातृभाषाओं को स्थान दिया गया है और कई भाषाएं शामिल होने की कतार में हैं। मातृभाषाओं में शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आज संकल्प लेने का दिन है कि हम सब अपनी-अपनी मातृभाषा में बात करेंगे।

शहादत दिवस कल | नक्सलियों ने घाटशिला के बाघुड़िया में फुटबॉल मैच के दौरान अचानक घेरकर कर दिया था हमला

19 वर्ष पूर्व होली के दिन ही हुई थी तत्कालीन सांसद सुनील महतो की हत्या

सुनील महतो की फाइल फोटो

RAJESH CHOUBEY @ GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत घाटशिला प्रखंड के बाघुड़िया गांव में 4 मार्च 2007 की होली आज भी लोगों के जेहन में कौंधती रहती है। उस दिन रंग और उमंग के बीच गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका दहल उठा था। तत्कालीन सांसद सुनील महतो की नक्सलियों ने फुटबॉल मैच के दौरान हत्या कर दी थी। संयोग देखिए कि इस वर्ष भी 4 मार्च को होली के दिन ही उनका शहादत दिवस मनाया जाएगा। 2007 के बाद 2026 में 4 मार्च को होली मनाई जाएगी। उस दिन होली के मौके पर बाघुड़िया गांव में फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया था। जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के तत्कालीन सांसद सुनील महतो मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। मैदान में बड़ी संख्या में ग्रामीण, खिलाड़ी और समर्थक मौजूद थे। इसी दौरान घात लगाकर पहुंचे नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने बेहद नजदीक से सांसद पर गोलियां चलाईं. हमले में सुनील महतो के साथ उनके सुरक्षाकर्मी और झामुमो नेता प्रभाकर महतो भी शहीद हो गए थे। पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। रंगों का त्योहार देखते ही देखते मातम में बदल गया था। सुनील महतो उस समय झारखंड मुक्ति मोर्चा के कद्दावर नेता बन चुके थे। शहरी व ग्रामीण, दोनों इलाकों में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती थी। उनकी हत्या को नक्सलियों द्वारा सुनियोजित हमला बताया गया। इस घटना ने न केवल पूर्वी सिंहभूम, बल्कि पूरे राज्य को झकझोर दिया था। राजनीतिक दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे। केंद्र और राज्य सरकार पर दबाव बढ़ा कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए। सीबीआई जांच हुई, लेकिन अब तक कई सवाल अनसुलझे रह गए। स्थानीय लोगों और उनकी पत्नी-सह-पूर्व सांसद सुमन महतो का भी मानना है कि इस हत्याकांड के सभी पहलुओं का पूर्ण खुलासा अब तक नहीं हो पाया है। यह सवाल आज भी उठता है कि हमले की साजिश किस स्तर पर रची गई थी और क्या सभी जिम्मेदार लोग कानून के शिकंजे में आए।

आगामी 4 मार्च 2026 को सुनील महतो की शहादत दिवस पर एक बार फिर मामले की निष्पक्ष और अंतिम रूप से खुलासा करने की मांग उठाई जाएगी। स्थानीय समर्थक, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के कार्यकताओं द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी।

न्याय की प्रतीक्षा कर रहे लोग

घाटशिला और आसपास के क्षेत्रों में आज भी लोग उस घटना को याद कर भावुक हो जाते हैं। बाघुडिया का वह मैदान, जहां कभी खेल और उत्सव का माहौल था, इतिहास के काले अध्याय का साक्षी बन चुका है। 19 वर्ष बीतने के बाद भी यह मामला पूरी तरह शांत नहीं हुआ है। हर वर्ष शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि के साथ-साथ न्याय की मांग दोहराई जाती है। 4 मार्च को इस बार भी जब एक बार फिर होली के रंग बिखरेंगे, तब सुनील महतो की शहादत की याद और भी गहरी होगी। उनके समर्थकों की आवाज एक बार फिर गूंजेगी कि मामले का पूरा सच सामने लाया जाए।

रेडक्रॉस ने 51 मोतियाबिंद मरीजों को विदा किया घर

विदाई के दौरान मरीज व अन्य ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील समूह की कंपनी जेमिपोल के सहयोग से बागबेड़ा थाना चौक स्थित राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में 51 मोतियाबिंद मरीजों का ऑपरेशन हुआ। जाने-माने नेत्र चिकित्सक डॉ. बीपी सिंह व उनकी टीम ने ऑपरेशन कराए नेत्र रोगियों की आंखों की पट्टी खोलकर अंतिम जांच की, जिसके पश्चात नेत्र रोगियों को रेडक्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह, नेत्र चिकित्सक डॉ. बीपी सिंह, कार्यकर्ता इशिता सिंह, शिवानी सिंह, आशीष कुमार, अशोक कुमार सिंह, हीरालाल आदि ने काला चश्मा पहनाया तथा डेढ़ महीने की दवा देकर घर विदा किया। शिविर में उपस्थित रेडक्रॉस कार्यकर्ता श्याम कुमार प्रसाद ने नेत्र रोगियों को ऑपरेशन के बाद आंखों की देखभाल की जानकारी प्रदान की। नेत्र रोगियों के परिजनों ने जेमिपोल तथा रेडक्रॉस का आभार जताया।

गोपालगंज में निर्माणाधीन आरसीसी पुल का स्पैन ढलाई के दौरान गिरा

तीन अभियंता निलंबित, 2 करोड़ 89 लाख 21 हजार की लागत से बन रहा था 29 मीटर लंबा पुल

AGENCY PATNA : नाबार्ड राज्य योजना के तहत गोपालगंज जिले के सिधवलिया प्रखंड स्थित बखरौल कुर्मी टोला पथ पर घोघरी नदी के ऊपर निमार्णाधीन आरसीसी पुल की ढलाई के दौरान एक स्पैन क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना को ग्रामीण कार्य विभाग ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई की है। विभाग ने गोपालगंज कार्य प्रमंडल-2 के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता और कनीय अभियंता को कार्य में लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही पुल निर्माण कार्य में लगे संवेदक बापूधाम कंस्ट्रक्शन, मोतिहारी के खिलाफ भी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, घोघरी नदी पर बन रहे इस आरसीसी पुल का एल-041 से एल-039 के बीच का एक हिस्सा ढलाई के दौरान ही अचानक गिर गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार की जानमाल की क्षति नहीं हुई। ग्रामीण कार्य विभाग ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, नोडल पदाधिकारी और वरीय पुल सलाहकार को घटनास्थल पर भेजकर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। विभागीय सूत्रों के अनुसार सभी कार्यपालक अभियंताओं को पुल निर्माण से पूर्व डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) की जांच वरीय पुल सलाहकार से कराने का स्पष्ट निर्देश दिया गया था, लेकिन संबंधित अभियंता और संवेदक ने इस निर्देश का पालन नहीं किया। उल्लेखनीय है कि सिधवलिया प्रखंड के बखरौल कुर्मी टोला में इस पुल का निर्माण कार्य पिछले वर्ष 7 मार्च को शुरू किया गया था। विभाग ने इसे 6 मार्च, 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। विभाग ने 28 फरवरी को आयोजित समीक्षा बैठक में भी सभी कार्य प्रमंडलों को अपने-अपने पुल परियोजनाओं के डीपीआर की अनिवार्य रूप से पुल सलाहकार से समीक्षा कराने का निर्देश दोहराया था। 29 मीटर लंबा यह पुल 2 करोड़ 89 लाख 21 हजार की लागत से बन रहा था। विभाग का मानना है कि वरीय पुल सलाहकारों द्वारा तकनीकी जांच और मूल्यांकन से कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है।

निर्माण के दौरान ढहा पुल

समाचार सार

होली, रामनवमी व ईद को लेकर विशेष तैयारी

SIWAN : आगामी त्योहारों को देखते हुए सीवान पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। पुलिस केंद्र, सीवान में सोमवार को विशेष प्रशिक्षण एवं दंगा-निरोधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम एसपी पुरन कुमार झा के निर्देश पर संपन्न हुआ, जिसमें पुलिस बल को संभावित असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए तैयार किया गया। होली, चैत नवरात्र, रामनवमी, ईद और चैत छठ जैसे बड़े पर्वों के मद्देनजर यह तैयारी की गई है। मॉक ड्रिल के दौरान जवानों को दंगा नियंत्रण की रणनीति, भीड़ प्रबंधन और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई का अभ्यास कराया गया। आंसू गैस, बॉडी प्रोटेक्टर, दंगा-रोधी वाहन सहित अन्य उपकरणों के प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन भी किया गया। मैदान में उतरी भारी संख्या में पुलिस बल ने स्पष्ट संकेत दिया कि प्रशासन किसी भी प्रकार की अराजकता को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। एसपी ने बताया कि संवेदनशील इलाकों की विशेष निगरानी की भी योजना बनाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल देना है। हालांकि सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या हर साल त्योहारों से पहले इस तरह की तैयारी जरूरी हो जाती है? फिलहाल सीवान पुलिस का दावा है कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी ताकत के साथ तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अब देखना होगा कि त्योहारों के दौरान यह तैयारी कितनी कारगर साबित होती है।

पीएमसीएच के स्त्री रोग विभाग में बढ़ेंगे 90 बेड

PATNA : राज्य में बेहतर शिक्षा व बेहतर स्वास्थ्य के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार लगातार विस्तार कार्य कर रही है। इसके लिए बिहार सरकार की तरफ से पुनर्विकास योजना के तहत हर राज्य के लगभग सभी अस्पताल में बेड की संख्या बढ़ाई जा रही है। इसी कड़ी में राजधानी के सबसे बड़े अस्पताल पीएमसीएच में महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए बेड की संख्या में लगातार इजाफा किया जा रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल में महिला वार्ड में 90 बेड की संख्या बढ़ाई जा रही है। इससे अस्पताल में इलाज करवाने आने वाली महिलाओं को हाईटेक इलाज की सुविधा दी जायेगी। बता दें कि हाल ही में पीएमसीएच में सुविधा विस्तार के तहत 1117 बेड वाले 2 अस्पताल टावर का निर्माण किया गया है। इससे प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य उपचार के लिए 24 घंटे सुविधा उपलब्ध है। विभाग ने 2029 तक पीएमसीएच में चल रहें सभी विकास व विस्तार कार्य को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही पीएमसीएच में इलाज के लिए रेफर किये गये गंभीर मरीजों के लिए बेहतर उपचार के लिए एयर एम्बुलेंस के उतरने की व्यवस्था भी विकसित की जा रही है। उम्मीद है कि आने वाले एक-दो महीने में इसको चालू कर दिया जायेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का संकल्प अब बिहारवासियों को किसी प्रकार के इलाज के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। साथ ही बिहार बेहतर शिक्षा, उद्योग व स्वास्थ्य सुविधा में दिन-प्रतिदिन उन्नति कर रहा है।

मवेशियों की तस्करी का प्रयास विफल, तीन धराए

SUPAUL : जिले के सशस्त्र सीमा बल की 45वीं वाहिनी, बीरपुर अंतर्गत सीमा चौकी नरपतपट्टी ने पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान मवेशियों की तस्करी के प्रयास को विफल कर बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान 9 मवेशी (08 गाय एवं 01 बछड़ा) और एक पिकअप वाहन को जब्त किया गया, जबकि तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए 45वीं वाहिनी के कमांडेंट गौरव सिंह ने बताया कि सीमा चौकी नरपतपट्टी के जिम्मेदारी क्षेत्र में मवेशियों की तस्करी की संभावना को लेकर विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर एक विशेष पेट्रोलिंग दल का गठन किया गया। पेट्रोलिंग के दौरान दल स्पर संख्या 1775 के समीप पहुंचा, जहां एक संदिग्ध पिकअप वाहन को आते देखा गया। वाहन को रोककर तलाशी लेने पर उसमें 08 गाय एवं 01 बछड़ा पाए गए। पूछताछ में वाहन सवार व्यक्तियों ने अपना नाम मोहम्मद फयाज (ग्राम शाहपुर, जिला सुपौल), मोहम्मद राजमूल (ग्राम सतनपट्टी, जिला सुपौल) एवं मोहम्मद शमीबिल्ला (ग्राम नरपतपट्टी, जिला सुपौल) बताया। बरामद मवेशियों से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। कमांडेंट ने बताया कि 9 मवेशियों, एक टाटा पिकअप वाहन तथा तीनों आरोपितों को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के उपरांत फाटक कमलदाह, कुसार्कांटा, जिला अररिया (बिहार) को सुपुर्द कर दिया गया।

स्मैक के साथ बाइक सवार दो युवक पकड़ाए

ARARIA : जिले की जोगबनी थाना पुलिस ने शनि मंदिर टिकुलिया बस्ती के पास वाहन चेकिंग के क्रम में बाइक पर सवार दो युवक को 198.96 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया।गिरफ्तार युवक जोगबनी के पासवान टोला वार्ड संख्या 16 के 19 वर्षीय राजकुमार उर्फ राजा पासवान और खजूरबाड़ी कॉलोनी वार्ड संख्या 15 के रहने वाले 20 वर्षीय छोटू कुमार राम पिता स्व रामप्रसाद राम है।जानकारी सोमवार को फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने जोगबनी थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

घूसखोर सहायक अभियंता गिरफ्तार, निगरानी ने पांच लाख रुपये लेते दबोचा

BETIA : बेतिया में निगरानी विभाग ने सोमवार को जिला शिक्षा कार्यालय में छापेमारी कर शिक्षा विभाग के सहायक अभियंता को गिरफ्तार किया है। आरोपी रोशन कुमार को 57 लाख के रिपेयरिंग टेंडर में 10 पर्सेंट कमीशन लेते समय दबोच लिया। विशेष निगरानी इकाई के पुलिस उपाधीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि रोशन कुमार को पांच लाख रुपये लेते समय हमारी टीम ने पकड़ा है। हमें शिकायत मिली थी कि वह कमीशन के नाम पर पैसे मांग रहा है। जब हमने अपने स्तर से जांच कराई तो आरोप को सही पाया। इसके बाद विशेष टीम बनाकर सहायक अभियंता को गिरफ्तार किया गया। निगरानी विभाग की टीम अब पश्चिम चंपारण के जिला शिक्षा कार्यालय में मौजूद अन्य अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी छानबीन कर रही है, क्योंकि यह साबित हो गया है कि इस कार्यालय में खुलेआम लाखों का लेन-देन होता रहता है।

गांधी मैदान में रंगों का सियासी संगम, एनडीए के भव्य होली मिलन में एक साथ दिखे कई चेहरे

AGENCY SIWAN : सीवान के ऐतिहासिक गांधी मैदान में सोमवार को एनडीए की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह रंग, उमंग और राजनीतिक एकजुटता का अनूठा संगम बन गया। सुबह से ही मैदान में कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की भीड़ उमड़ने लगी थी। जैसे-जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ा, पूरा मैदान गुलाल की उड़ती खुशबू और होली गीतों की गूंज से सराबोर हो उठा। समारोह में बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सह सीवान सदर विधायक मंगल पांडे मुख्य आकर्षण रहे। वे मंच से उतरकर सीधे कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे और जमकर गुलाल खेला। इस दौरान उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश देने वाला पर्व है। उन्होंने सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम को खास रंग दिया भोजपुरी जगत के लोकप्रिय गायक रितेश पांडे और विजेंद्र सिंह ने। जैसे ही मंच से फाग और पारंपरिक होली गीत गूंजे, दर्शक खुद को थिरकने से रोक नहीं पाए। वहीं साहित्यिक कलाकार आनंद मोहन ने अपनी रचनाओं से सांस्कृतिक वातावरण को और समृद्ध किया। समारोह में महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, सीवान सांसद विजयलक्ष्मी देवी, विधायक कर्णजीत सिंह, हेमनारायण साह, देवेशकांत सिंह, इन्द्रदेव सिंह पटेल, विष्णुदेव पासवान, भीम कुशवाहा, बीजेपी जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय पांडे सहित बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर समाज को जोड़ने का काम करते हैं। आयोजन स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। गांधी मैदान का यह होली मिलन समारोह केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि रंग, संगीत और भाईचारे के संगम का जीवंत उत्सव बनकर उभरा,जहां सियासत भी रंगों में रंगी नजर आई और सीवान ने एकता का संदेश दुनिया तक पहुंचाया।

होली का आनंद उठाते एनडीए के नेता

चोरी की बाइक व शराब सहित एक कारोबारी हुआ गिरफ्तार

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

EAST CHAMPARAN : जिले के आदापुर थाना क्षेत्र में चोरी की बाइक व नेपाली शराब की खेप के साथ एक शराब कारोबारी पकड़ा गया। आदापुर थानाध्यक्ष पप्पु पासवान ने बताया कि को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से भारी मात्रा में नेपाली कस्तुरी शराब की खेप लाया जाने वाला है। सूचना के आलोक में त्वतरित कारवाई करते हुए जवानों व चौकीदारों के मदद से घेराबंदी कर उक्त शराब कारोबारी को बखरी झिटकैया गांव में पकड़ा गया। जिसके पास से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई, पकड़े गए शराब कारोबारी की पहचान तिनकोनी गांव निवासी माधो सिंह के पुत्र शैलेश कुमार के रूप में हुई है। कारोबारी ने पूछताछ में बताया कि उसकी योजना नेपाल से शराब लाकर होली में खपाने की थी। पकड़ा गया चोरी की बाइक को लेकर दरपा थाना में काण्ड संख्या 33/2026 दर्ज कराई गई है। पुलिस अग्रतर कारवाई में जुटी है।

ब्राउन शुगर की तस्करी में महिला सहित 5 गिरफ्तार

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

BHAGALPUR : भागलपुर पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर के अंतरजिला नेटवर्क का पदार्फाश किया है। सिटी एसपी शैलेंद्र सिंह ने पत्रकार वार्ता कर सोमवार को पूरे मामले की जानकारी दी। सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस की स्पेशल टीम ने कोतवाली बायपास और लालमटिया थाना क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान कुल 200 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान एक महिला समेत कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सिटी एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर टीम का गठन किया गया था। सूचना थी कि कोतवाली बायपास इलाके में ब्राउन शुगर की डिलीवरी होने वाली है। टीम ने घेराबंदी कर कार्रवाई की और मौके से आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह शहर में लंबे समय से सक्रिय था और युवाओं को निशाना बनाकर नशे की सप्लाई कर रहा था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके।

गड्ढे में गिरी तेज रफ्तार कार, चालक घायल

MADHEPURA : मधेपुरा जिला के मुरलीगंज-बिहारीगंज एसएच-91 पर रतनपट्टी मोड़ के समीप एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर करीब दस फीट गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में स्कॉर्पियो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल मधेपुरा थाना क्षेत्र के शकरपुरा वार्ड संख्या 2 निवासी कुमोद कुमार के है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो बिहारीगंज से मुरलीगंज की ओर आ रही थी। इसी दौरान रतनपट्टी मोड़ के पास एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में वाहन चालक संतुलन खो बैठा और गाड़ी सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। घटना में चालक को काफी चोटें आई हैं। इसी बीच सड़क से गुजर रहे प्रतापनगर वार्ड संख्या 2 निवासी अंशु कुमार ने मानवता का परिचय देते हुए घायल चालक को वाहन से बाहर निकाला और तुरंत मुरलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। ड्यूटी पर तैनात डॉ. जितेंद्र कुमार जितेश ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मधेपुरा रेफर कर दिया।

नामजद अपराधी की गिरफ्तारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

AGENCY MADHEPURA : जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर पहले से उठ रहे सवालों के बीच एक ताजा मामला चर्चा का केंद्र बन गया है। शंकरपुर थाना कांड संख्या 240/25 के नामजद अभियुक्त अंकज कुमार उर्फ लल्लू यादव (मधेली वार्ड संख्या 13 निवासी) की गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है।

बताया जा रहा है कि शनिवार को शंकरपुर पुलिस ने अंकज कुमार उर्फ लल्लू यादव को मधेली गांव से गिरफ्तार किया। थाना लाकर कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसी दिन जेल भेज दिया गया लेकिन गिरफ्तारी से लेकर न्यायालय तक की यात्रा के दौरान के कई रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। आरजेडी अमित आर्य के नाम से बनी एक आईडी से अपलोड रील में देखा जा रहा है कि- अभियुक्त को बिना हथकड़ी के पुलिस ने वाहन की जगह निजी वाहन में बैठाया। रास्ते में होटल में पुलिस की मौजूदगी में भोजन किया गया। हाथ में हथकड़ी लेकर स्वयं वीडियो बनवाते नजर आ रहे हैं। 'आज जेल हुई, कल बेल हुई' जैसे गानों पर रील अपलोड कर कथित तौर पर दबंग छवि प्रस्तुत की जा रही है। इन वायरल वीडियो में थाना अध्यक्ष राजीव कुमार समेत कई पुलिसकर्मी साथ दिखाई दे रहे हैं।

यह दृश्य आम लोगों में चर्चा और असंतोष का कारण बना हुआ है। अंकज कुमार उर्फ लल्लू यादव पर मधेपुरा जिले के शंकरपुर थाना सहित सुपौल जिले के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2020 में मधेली निवासी चर्चित शिक्षक राम बाबू हत्याकांड में भी वे नामजद अभियुक्त रह चुके हैं। हत्या, लूट सहित अन्य गंभीर मामलों में उनका नाम सामने आता रहा है।

वायरल वीडियो का दृश्य

पर्व-त्योहार

लोकगायक आदित्य राजन, कार्तिकेय द्विवेदी, अर्पिता उपाध्याय, शगुन, पूजा निषाद व पवन ने बांधा समां

यायावरी होली मिलन में खूब उड़े रंग-गुलाल, थिरके लोग

PHOTON NEWS GORAKHPUR : होली के पावन अवसर पर रविवार को यायावरी वाया भोजपुरी परिवार की ओर से होली मिलन समारोह हुआ। इस दौरान हास्य कवियों की प्रस्तुति पर जहां जमकर ठहाके लगे, वहीं स्थानीय गायकों की प्रस्तुतियों ने लोगों को खूब झुमाया। समारोह दो सत्रों से सजा रहा, जिसमें पहला सत्र कविता का और दूसरा सत्र होली के पारंपरिक गीतों से सजा रहा। कविता के सत्र में युवा कवि नितेश माही, अजय कुमार यादव, प्रेम नाथ मिश्र, डॉ. सत्यमवदा, शर्मा, चंदेश्वर परवाना और डॉ. फूलचंद प्रसाद गुप्त मंचासीन रहे। इस दौरान सरिता सिंह ने भी अपनी कविताएं पढ़ीं। संचालन डॉ. फूलचंद ने और अध्यक्षता चंदेश्वर परवाना ने की। गीत-गवनई के सत्र में चर्चित लोकगायक आदित्य राजन, कार्तिकेय द्विवेदी, अर्पिता उपाध्याय, शगुन, पूजा निषाद और पवन की जोड़ी ने एक से बढ़कर एक गीत गाए। इन गीतों पर झूमते हुए लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली खेली और एक दूसरे को शुभकामना और बधाई देने के साथ मंगलकामना की। इस दौरान विजय श्रीवास्तव, कल्पना श्रीवास्तव, शैवाल, अमित सिंह (जीएसटी कमिश्नर), शिवेंद्र, चंदप्रकाश, रितिका, राज मौर्या, ब्रजेश्वर मणि त्रिपाठी, श्वेता सुप्रिया, सुधीर आदि मौजूद रहे।

मंच पर गीत प्रस्तुत करते कलाकार

होलिका दहन पर निकली भव्य शोभायात्रा

SIWAN : होलिका दहन के पावन अवसर पर सोमवार की संध्या शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा दीनदयाल नगर तुरहा टोली से होलिका की प्रतिमा के साथ प्रारंभ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शहर के शिवव्रत साह घाट परिसर सहित लगभग 20 स्थानों पर होलिका दहन का आयोजन किया जाता है। शिवव्रत साह घाट पर समाज सेवा समिति द्वारा आयोजित मुख्य कार्यक्रम से पूर्व प्रतिमा के साथ निकली शोभायात्रा ने पूरे नगर का भ्रमण किया। यात्रा श्रद्धानंद बाजार, दरबार रोड, थाना रोड, बड़ी मस्जिद रोड, शांति वट वृक्ष, सोनार टोली, मौलेश्वरी चौक, कागजी मोहल्ला होते हुए जेपी चौक पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान शहर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और उत्सवी रंग में रंगा नजर आया। आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर गले मिलते हुए होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रशासन की ओर से 14 मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य जवानों की तैनाती की गई थी, ताकि आयोजन शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। संध्या 7:00 बजे के बाद विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत होलिका दहन किया जाएगा।

बेगूसराय में फर्जी महिला सब-इंस्पेक्टर हुई गिरफ्तार, लोगों से ऐंठती थी पैसे

BEGUSARAI : बेगूसराय में फर्जी सब-इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया गया है। इस पर आरोप है कि यह महिला न सिर्फ फर्जी तरीके से लोगों को ठगती थी, बल्कि वर्दी का धौंस जमाकर दबंगई भी दिखाती थी। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद मुफस्सिल थाना की पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई की है। गिरफ्तार महिला की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के संत नगर-1 निवासी कजोमा कुमारी के रूप में की गई है। यह महिला लंबे समय से खुद को सब-इंस्पेक्टर के रूप में परिचय देती थी। इसने निशु कुमारी के नाम से वर्दी पर नेमप्लेट लगा रखा था और पुलिस के तमाम साजो-सामान रखती थी। इस संबंध में सदर डीएसपी आनंद पांडेय ने बताया कि स्थानीय लोगों ने सूचना दी थी कि यह महिला पुलिस का रौब दिखाती है और इसने डरा-धमका कर कई लोगों से पैसे ऐंठे हैं। जब लोगों को सच्चाई मालूम हुई, तो उससे पैसे लौटाने को कहा। इस पर उसने दोबारा जेल भेजने की धमकी देते हुए डपट दिया। इन शिकायतों की जब जांच कराई गई, तो आरोप सही मिले। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि एक महिला फर्जी पुलिस सब-इंस्पेक्टर बनकर लोगों को खुलेआम लूट रही थी और पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लग रही थी। कई लोगों को लगा कि या तो यह असली पुलिस है या पुलिस से इसकी मिलीभगत है। अंत में तंग आकर लोगों ने मुफस्सिल थाने में इस महिला के खिलाफ लिखित शिकायत दी। बेगूसराय सदर के डीएसपी आनंद पांडेय ने बताया कि महिला के खिलाफ हमें शिकायत मिली थी कि इसने वर्दी का फायदा उठाकर लोगों से ठगी की है। गिरफ्तारी के बाद महिला ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। पुलिस ने उसे कस्टडी में ले लिया है। उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

बदलते दौर में होली: परंपरा से आधुनिकता तक का सफर

सुनील कुमार महला

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम, क्षमा और बंधुत्व का प्रतीक है। यह शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व भी है। फाल्गुन मास में जब पलाश के फूल खिलते हैं और आम्र-मंजरियां महकती हैं, तब प्रकृति स्वयं रंगों में रच-बस जाती है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों के साथ-साथ मन को भी रंगना आवश्यक है।

हर वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है और उसके अगले दिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को रंगों की होली खेली जाती है। किंतु इस वर्ष पूर्णिमा तिथि पर वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ने के कारण होलिका दहन और रंगोत्सव की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

ज्योतिषियों के अनुसार इस वर्ष 3 मार्च 2026 को वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ रहा है और यह भारत में भी दृश्यमान होगा। द्रिक पंचांग के अनुसार ग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ होकर सायं 6 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। चूंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल 9 घंटे पूर्व, अर्थात सुबह 6 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल में शुभ कार्य, उत्सव, पूजन, भोजन बनाना और ग्रहण करना वर्जित माना जाता है। इस दौरान मंदिरों के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं। ऐसे में रंगों की होली खेलना अशुभ और नकारात्मक प्रभाव देने वाला माना गया है।

शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन के अगले दिन ही रंगों की होली खेली जाती है, किंतु इस बार ग्रहण के कारण विशेष सावधानी अपेक्षित है। होलिका दहन 2 मार्च 2026, सोमवार की रात्रि में भद्रा के पुच्छ काल में किया जा सकता है। भद्रा का पुच्छ 2 मार्च को रात्रि 11 बजकर 53 मिनट से 3 मार्च की रात्रि 1 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। इसके अतिरिक्त 3 मार्च को प्रातः 5:30 बजे से 6:45 बजे के बीच भी होलिका दहन करना लाभकारी माना गया है, क्योंकि इसके बाद सूतक काल प्रारंभ हो जाएगा। चूंकि 3 मार्च को सूतक और ग्रहण का प्रभाव रहेगा, इसलिए उस दिन रंगों की होली खेलना उचित नहीं है। इस दृष्टि से 4 मार्च 2026 को रंगों की होली मनाना अधिक शुभ और लाभकारी रहेगा। ग्रहण समाप्ति के बाद स्नानादि कर शुद्ध होकर ही किसी भी प्रकार का उत्सव करना चाहिए।

होली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व:-

होली भारत का एक प्राचीन और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा उत्सव है। इसकी जड़ें भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन और अगले दिन रंगोत्सव मनाने की परंपरा सदियों पुरानी है। प्राचीन काल में होली केवल एक दिन का त्योहार नहीं होती थी, बल्कि पूरे फाल्गुन मास में फाग और उल्लास का वातावरण बना रहता था। गांवों में चंग और ढोल की थाप पर फाग गीत गूंजते थे, स्वांग और लोकनाट्य प्रस्तुतियां होती थीं तथा समाज के सभी वर्ग मिलकर उत्सव मनाते थे। पूर्वकाल में होली अत्यंत सामुदायिक और सौहार्दपूर्ण होती थी। लोग घर-घर जाकर फाग गाते थे। महिलाएं गाय के गोबर से उपले बनाती थीं, जिन्हें होलिका दहन की अग्नि में अर्पित किया जाता था। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति और कृषि संस्कृति से जुड़ी आस्था का प्रतीक था। होलिका पूजन विधि-विधान से किया जाता था, जिसमें परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तम फसल की कामना की जाती थी। अग्नि में हरे चने और गेहूं की बालियां सेंकी जाती थीं। इन भुने चनों को 'होला' कहा जाता है, जिन्हें प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता था। यह परंपरा रबी की फसल के पकने और कृषि समृद्धि से जुड़ी थी।

रंगों का आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ:-

होलिका दहन के अगले दिन प्राकृतिक रंगों, गुलाल और अबीर से होली खेली जाती थी। लोग गले मिलकर पुराने मतभेद भुला देते थे। होली का मूल संदेश है-मन के विकारों को जलाकर प्रेम, क्षमा और भाईचारे के रंग में रंग जाना। रंगों में तीन प्रमुख रंग माने गए हैं-लाल, हरा और नीला। शेष रंग इन्हीं से निर्मित होते हैं। लाल रंग उत्साह, साहस, सौभाग्य, उमंग और नवजीवन का प्रतीक है। यह मानवीय चेतना में तीव्र ऊर्जा और कंपन उत्पन्न करता है। होली का जोश और उल्लास लाल रंग में ही परिलक्षित होता है।हरा रंग विश्वास, उर्वरता, समृद्धि और प्रगति का प्रतीक है। यह विचारों की हरियाली और जीवन की खुशहाली का संदेश देता है। नीला रंग शांति, स्थिरता और व्यापकता का प्रतीक है। आकाश और समुद्र की विशालता की भांति यह समावेशी भावना का द्योतक है। वास्तु शास्त्र में इसे मानसिक शांति से जोड़ा गया है तथा योग दर्शन में इसे विशुद्ध चक्र (कंठ चक्र) के संतुलन से संबंधित माना जाता है।

साहित्य में होली:-

महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने भी होली के उल्लास और प्रकृति के रंगों का सुंदर चित्रण किया है। उनकी कविता में लाल गुलाल और प्रकृति के राग-पराग का जो वर्णन मिलता है, वह होली के सांस्कृतिक सौंदर्य को सजीव कर देता है।

पारंपरिक होली बनाम आधुनिक होली:-

पूर्वकाल में होली प्राकृतिक रंगों से खेली जाती थी-हल्दी से पीला, चुकंदर से लाल, फूलों से गुलाबी और नीम की पत्तियों से हरा रंग बनाया जाता था। ये रंग त्वचा के लिए सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक होते थे। पलाश के फूलों से बना रंग विशेष लोकप्रिय था। आज रासायनिक रंगों का प्रचलन बढ़ गया है, जिनमें कई बार सल्फर और भारी धातुओं का उपयोग होता है। इनके कारण त्वचा में जलन, एलर्जी, आंखों में संक्रमण तथा पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। पहले होली गीतों में अश्लीलता नहीं होती थी; फाग, ढोल-नगाड़े, चंग-डफ और बांसुरी के साथ सामूहिक उत्सव मनाया जाता था। नशे का प्रचलन सीमित था। समय के साथ डीजे संस्कृति, तेज ध्वनि और डिजिटल माध्यमों ने स्थान ले लिया है। आत्मीयता, बड़ों का आशीर्वाद लेने की परंपरा तथा सामुदायिकता में कमी देखी जा रही है।

होली का वास्तविक संदेश:-

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम, क्षमा और बंधुत्व का प्रतीक है। यह शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व भी है। फाल्गुन मास में जब पलाश के फूल खिलते हैं और आम्र-मंजरियां महकती हैं, तब प्रकृति स्वयं रंगों में रच-बस जाती है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों के साथ-साथ मन को भी रंगना आवश्यक है। यह पर्व नकारात्मकता, द्वेष और कटुता को त्यागकर नवजीवन का संदेश देता है। यदि हम मयार्दा, प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक मूल्यों के साथ होली मनाएं, तो यह पर्व आज भी उतनी ही आत्मीयता और उल्लास से मनाया जा सकता है, जितना पूर्वकाल में मनाया जाता था। अंततः होली का सार यही है-रंगों में घुली मिठास हो,हर चेहरे पर उल्लास हो, दिल से दिल की पहचान हो, और जीवन प्रेम व सद्भाव से परिपूर्ण हो। आप सभी को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

संपादकीय

बढ़ेंगी हमारी मुश्किलें

'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' उक्ति की तर्ज पर ईरान पर हुए अमेरिकी-इस्राइली हमले को पश्चिमी देशों द्वारा तार्किक बताया जा रहा है। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई तथा उनके परिजनों समेत कई लोगों की मौत को किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह समय वैश्विक कानून-व्यवस्था के भंग होने और अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों के सिरे चढ़ने का है। जब से ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने वैश्विक संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया की तमाम नियामक संस्थाओं को बेबस बना दिया है। वेनेजुएला में हमला करके राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने के बाद अब खामेनेई की परिवार समेत हत्या ने दर्शा दिया है कि दुनिया फिर जंगल-राज की तरफ बढ़ रही है। शक्ति बंदूक की नोक से निकलती दिख रही है। छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता संकट में है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, वेनेजुएला व ईरान पर अमेरिकी हमला बता रहा है कि आने वाले दिनों में ताइवान जैसे अन्य संकटग्रस्त देशों के सामने अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती होगी। पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला में आये व्यवधान तथा ट्रंप के टैरिफ आतंकवाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा रही है। रोजगार के अवसर कम हुए हैं और लोगों को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमले की प्रतिक्रिया मध्यपूर्व के अलावा पश्चिमी देशों में आने वाले समय में दिखाई देगी। जिसकी असली कीमत मानवता को ही चुकानी होगी।

निस्संदेह, आने वाले दिनों में भारत को ईरान-अमेरिकी संघर्ष की कीमत चुकानी होगी। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। भारत के लिये मुश्किल यह भी है कि ईरान पर हमला प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा के तुरंत बाद हुआ है। जिससे भारत के लिये मध्यपूर्व को लेकर विदेश नीति में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इससे हार्मुज स्ट्रेट रूट से भारत को होने वाली कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर मध्यपूर्व में कार्यरत नब्बे लाख से अधिक भारतीयों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ेगा और उनके द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी प्रभावित होगी। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की पचास फीसदी आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट रूट से होती है। रूसी तेल खरीदने पर अमेरिकी दबाव के चलते भी इस रूट से भारतीय आपूर्ति बढ़ी है। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने का सीधा असर भारत में कच्चे तेलों के दामों पर पड़ेगा। भविष्य में भारतीयों को तेल कीमतों में वृद्धि का सामना करना पड़ेगा। वहीं लाल सागर से होने वाली तेल आपूर्ति भी ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों की धमकी से प्रभावित होगी। कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को असहज स्थिति का सामना करना पड़ेगा। भारत इस समय ग्लोबल साउथ के नेतृत्व का दावा करता है और फिलहाल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, ईरान भी पिछले साल ब्रिक्स का सदस्य बन चुका है। ऐसे में क्या भारत इस हमले का विरोध करने की स्थिति में है? भारत ईरान से पुराने संबंधों के चलते क्या अमेरिका से दूरी बना सकता है?

चिंतन-मनन

न देने वाला मन

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षाटन के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। थैली देख कर दूसरों को लगता है कि इसे पहले से किसी ने दे रखा है। पूर्णिमा का दिन था, भिखारी सोच रहा था कि आज ईश्वर की कृपा होगी तो मेरी यह झोली शाम से पहले ही भर जाएगी।

अचानक सामने से राजपथ पर उसी देश के राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी खुश हो गया। उसने सोचा, राजा के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से सारे दरिद्र दूर हो जाएंगे, जीवन संवर जाएगा। जैसे-जैसे राजा की सवारी निकट आती गई, भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। जैसे ही राजा का रथ भिखारी के निकट आया, राजा ने अपना रथ रुकवाया, उतर कर उसके निकट पहुंचे। भिखारी की तो मानो सांसें ही रुकने लगीं। लेकिन राजा ने उसे कुछ देने के बदले उलटे अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और भीख की याचना करने लगे।

भिखारी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि राजा ने पुन? याचना की। भिखारी ने अपनी झोली में हाथ डाला, मगर हमेशा दूसरों से लेने वाला मन देने को राजी नहीं हो रहा था। जैसे-तैसे कर उसने दो दाने जौ के निकाले और उन्हें राजा की चादर पर डाल दिया। उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली, मगर वे दो दाने देने का मलाल उसे सारे दिन रहा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। जो जौ वह ले गया था, उसके दो दाने सोने के हो गए थे। उसे समझ में आया कि यह दान की ही महिमा के कारण हुआ है। वह पछताया कि काश! उस समय राजा को और अधिक जौ दी होती, लेकिन नहीं दे सका, क्योंकि देने की आदत जो नहीं थी।

विनाश का अट्टहास: तीन नेताओं की हठ और तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़ी मानवता

दिलीप कुमार पाठक

दुनिया की नजरें इस वक्त मध्य पूर्व के उस सुलगते बारूद पर टिकी हैं, जहाँ एक चिंगारी ने पूरे वैश्विक अमन-चैन को स्वाहा करने की ठान ली है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की एक भीषण सैन्य हमले में हुई मृत्यु ने इस पूरे क्षेत्र को श्मशान में बदलने की कगार पर खड़ा कर दिया है। इस घटना के बाद ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने जिस तरह से प्रतिशोध का बिगुल फूंका है, उससे साफ है कि अब यह केवल दो देशों की आपसी रंजिश नहीं रही। पेजेश्कियान का यह रुख कि वे अपने नेतृत्व की हत्या का बदला लेने के लिए अंतिम विकल्प तक जा सकते हैं, पूरी मानव सभ्यता के लिए एक प्रलयंकारी संकेत है। अगर हम निष्पक्ष होकर इस महासंकट का विश्लेषण करें, तो समझ आता है कि चंद शक्तिशाली नेताओं के अहंकारी फैसलों और व्यक्तिगत राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने आज अरबों लोगों की सांसों को गिरवी रख दिया है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को यह गंभीरता से सोचना होगा कि क्या केवल मिसाइलों और लक्षित हत्याओं से इजरायल कभी सुरक्षित हो पाएगा? इतिहास गवाह है कि रक्तपात हमेशा नई और अधिक भयानक नफरत को जन्म देता है। नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह आरोप लगता है कि वे अपने घरेलू राजनीतिक संकट और सत्ता की कुर्सी बचाने के लिए इस युद्ध की आग को जानबूझकर बुझने नहीं दे रहे हैं। उन्हें यह समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियाँ उड़ाकर और संप्रभु देशों के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाकर हासिल की गई जीत असल में एक नैतिक हार है। इजरायल की असली ताकत पड़ोसियों के साथ विश्वास की दीवार खड़ी करने में है, न कि डर का साम्राज्य फैलाने में। बेगुनाह बच्चों और आम नागरिकों की चीखें किसी भी आधुनिक राष्ट्र के लिए विजय का गान नहीं हो सकतीं।

दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी आक्रामक विदेश नीति इस पूरे विवाद की जड़ में बारूद बिछाने का काम कर रही है। ट्रम्प के शासनकाल में लिए गए कठोर फैसलों और अब उनके युद्ध-समर्थक बयानों ने सुलह की रही-सही गुंजाइश को भी मटियामेट कर दिया है। एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में अमेरिका का उत्तरदायित्व शांति स्थापना का होना चाहिए था, लेकिन ट्रम्प की धौंस और दबाव वाली नीति अक्सर समाधान के बजाय संकट को अधिक गहरा कर देती है। अमेरिका को यह समझना होगा कि दुनिया अब उनके एकतरफा आदेशों का दास नहीं है। हथियारों का बाजार गर्म करने और सैन्य गठबंधनों को उकसाने की होड़ ने कूटनीति की मेज को धराशायी कर दिया है। अगर अमेरिका ने एक पक्षपाती खिलाड़ी की भूमिका नहीं छोड़ी, तो वह इतिहास में एक शांति रक्षक नहीं बल्कि एक वैश्विक गृहयुद्ध के सूत्रधार के रूप में दर्ज होगा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के लिए भी यह गहरे आत्ममंथन का समय है। एक राष्ट्र के रूप में अपने सर्वोच्च मार्गदर्शक को खोना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन प्रतिशोध के आवेश में आकर पूरी दुनिया को परमाणु विभीषिका की धमकी देना किसी भी तर्क से उचित नहीं है। पेजेश्कियान को चाहिए कि वे कट्टरपंथियों के दबाव में आकर अपनी जनता को मौत की भट्टी में न झोंकें। ईरान को यह समझना होगा कि प्रॉक्सि वार और अस्थिरता फैलाने वाली नीतियां अंततः उसे ही दुनिया में अलग-अलग कर देंगी। युद्ध की हुंकार भरना आसान है, लेकिन जर्जर अर्थव्यवस्था और उजड़े हुए परिवारों को फिर से खड़ा करना असंभव होता है। उन्हें आक्रोश के बजाय संयम और कूटनीति के कठिन मार्ग को चुनना चाहिए ताकि ईरान का अस्तित्व बचा रह सके।

इस संघर्ष का वैश्विक असर अब केवल तेल की कीमतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर इंसान की थाली तक पहुँच चुका है। होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे व्यापारिक मार्गों के बंद होने के डर ने दुनिया भर की सप्लाई चेन को पंगु बना दिया है। यदि यह तनाव पूर्ण युद्ध में बदलता है और रूस-चीन जैसे देश इसमें कूदते हैं, तो यह आधिकारिक रूप से तृतीय विश्व युद्ध का आगाज होगा। परमाणु युग में लड़ा जाने वाला यह युद्ध किसी को विजेता नहीं बनाएगा, बल्कि धरती पर केवल राख के ढेर और सन्नाटा छोड़ जाएगा। भारत का पक्ष इस पूरे विवाद में दुनिया के लिए एक मिसाल है। भारत की नीति हमेशा से संतुलित और मानवीय रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार चेतावनी दी है कि यह युग युद्ध का नहीं है। भारत के लिए यह स्थिति किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा और खाड़ी देशों में रहने वाले लगभग 90 लाख भारतीयों की जान सीधे इस खतरे की जद में है। भारत आज दुनिया का वह विरल देश है जो इजरायल और ईरान, दोनों से संवाद करने का हौसला रखता है। निष्कर्ष यही है कि आज दुनिया को हथियारों की नुमाइश की नहीं, बल्कि संवेदनशील और दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है। यदि इन तीनों देशों ने अपना अहंकार नहीं त्यागा, तो आने वाली पीढ़ियाँ इन्हें मानवता के हत्यारों के रूप में याद रखेंगी।

स्वास्थ्य, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का आधार है वन्यजीव संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

वन्यजीवों की पुकार, अब नहीं तो कभी नहीं... वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'औषधीय और सुगंधित पौधे: स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय मानव स्वास्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय आजीविका को बनाए रखने में इन पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है, साथ ही पर्यावास के विनाश, अत्यधिक कटाई और अन्य कारणों से इन पर बढ़ते दबावों को दशार्ता है।

जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को

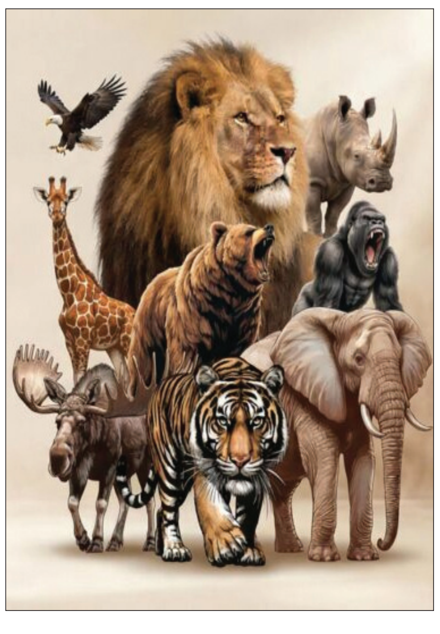

नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुमार्ना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्राय: पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Touchstones: Lows of higher education

The huge brouhaha that has exploded over the recent AI event held in Delhi really shook up the capital. First, there was utter chaos on the roads leading up to Bharat Mandapam — the worst traffic mess I have ever seen in Delhi. The rush of delegates, visitors and the forever-roving crowd of those who go to such places only to make reels for posterity and their family, were just left to fend for themselves on the first few days. Then came the shameful episode of Galgotias University and the Chinese robotic dog that a 'Communications' person from the university was unable to explain, and last but not least, the demonstration by the Youth Congress volunteers that brought the house down (to say nothing of their clothes).

Enough masala to provide hours of tu-tu, main-main TV debates, so let me not repeat all that. My concern is with what we have made of the concept of a university, or education in general. The first modern Indian university was set up in 1858 in Calcutta. Years later, Lord Curzon initiated education reforms though he is now remembered for all the wrong reasons — the partition of Bengal, the loot from India and the precious jewels and artefacts he took with him to England. However, we often forget that he established the Archaeological Survey of India (that predates the Royal Architectural Society of England, by the way) and ordered restoration of several historical sites (including Akbar's tomb at Sikandra vandalised by a Jat ruler).

Calcutta was followed by universities in Madras and Bombay and later, by Allahabad, Lucknow, Delhi, to name a few. A special kind of architecture (broadly Indo-Saracenic) with towers, turrets, huge campuses with buildings marked for science and humanities, impressive libraries, senate halls with stained glass windows and balconies, gardens, hostels for girls and boys — all these follow a similar architecture.

From my memories of my alma mater in Allahabad, I can recall wide verandahs where students roamed to lofty tutorial and staff rooms. Humanities were then the most popular courses and entire generations of the civil service were filled with alumni from Allahabad, also then known as the Oxford of the East.

Similarly, Bombay became the hub of legal studies, and its advocates, jurists and constitutional experts (many Muslim and Parsi names) were legends known for their distinguished careers. Jinnah, Nanavati, Palkhiwala, Seervai, Tyabji are some names that come readily to mind. I am not so familiar with Madras but even Lucknow university had a renowned centre for botany in the years gone by. Medical education was provided by some outstanding colleges that have largely kept their reputations intact. Panjab University, partitioned into two campuses in 1947, held its own for decades.

The short point that I wish to make is that there was a grand tradition of higher education funded and run by the State. In addition, there were individual institutions (such as the BHU, the AMU) where generous donors and philanthropists created impressive centres of higher learning. However, it is with the establishment of the IITs that this landscape changed radically. Gone were the sprawling spaces with dreamy towers and turrets and in their place came gleaming concrete and glass buildings with state-of-the-art labs, as the focus moved from the humanities to science and engineering. Students who graduated from there went abroad, earned huge salaries and never came back.Our brightest and best started the brain drain that is responsible for a dumbing down now visible at every level of education. English-medium education acquired an aspirational pull and with the mushrooming of so-called convent schools and English medium schools even in villages, the local government-run schools became passe.Something else also followed these changes: a dialogue between science education and the humanities was slowly lost. So, we had brilliant scientists who never regarded history or literature with respect, and on the other hand, our historians.

The afterlife of the colonial image

Ultimately, the strength of typecasting lay in its refusal to offer definitive conclusions. Curator Sudeshna Guha deftly wove rare material, rigorous scholarship and a sharply articulated vision, transforming a colonial archive into a space for critical reflection

One of my favourite mediums of visual expression is photography. Photographs often reveal more than what meets the eye; they contain layers of meaning that unfold through careful reading. As colonisers, the British were meticulous documenters. Photography emerged as a "vital mode of data capture and transmission" in the 19th century, particularly as ethnographic surveys were developed by the Western world from the 1830s onward to study the races, cultures and perceived characteristics of the colonised and the "other."In February 2026, DAG presented a much-needed re-examination of this vast colonial archive at Bikaner House, New Delhi. Titled Typecasting: Photographing the Peoples of India, 1855-1920, and curated by historian Sudeshna Guha, the exhibition brought together nearly 200 photographs produced over 65 years. It assembled albumen and silver-gelatin prints, cartes-de-visite, cabinet cards, postcards, folios, albums, and rare publications. At its centre were folios from The People of India, the eight-volume series compiled by John Forbes Watson and John William Kaye between 1868 and 1875. The series was among the most ambitious colonial attempts to catalogue the subcontinent's population.

The material revealed the geographic and social reach of ethnographic photography. Lepcha and Bhutia communities from the northeast, Afridis from the northwest, and Todas from the Nilgiris appeared alongside occupational and social categories such as Parsis, merchants, barbers, coolies, snake charmers, and dancing girls. The curatorial framework centred on a critical interrogation of typology. Categories such as caste, tribe, occupation, and community were shown to be historically constructed rather than inherently fixed. As photography became a key instrument of modern anthropology, it lent these categories the authority of visual evidence. At the same time, photographs were presented as mutable objects whose meanings shift across contexts, viewers, and historical moments. The display emphasised ambiguity, interpretation and the instability of photographic truth.The exhibition also foregrounded the agency of the photographed subjects. Through posture, dress, and self-presentation, individuals participated in shaping their own visibility. This reframed ethnographic photography as a space of negotiation rather than a purely extractive colonial gaze. Photographs by Benjamin Simpson and Charles Shepherd showed how communities were fixed within administrative and military frameworks, including the labelling of certain groups as "criminal" or as "martial races." In contrast, Samuel Bourne's documentation of a Toda settlement in the Nilgiris revealed how ethnographic photography functioned within networks of colonial administration, missionary activity and early anthropological research.

The images also demonstrated how textual framing shaped interpretation. Portraits by Willoughby Wallace Hooper revealed how notions of tribal authenticity were constructed through controlled settings and symbolic attributes. William Johnson's widely circulated photographs, accompanied by descriptive letterpress, transformed individuals into representatives of social categories. His portraits of urban elites, when contrasted with labouring figures photographed by Edward Taurines, reflected the visual hierarchies through which colonial photography organised Indian society into ordered categories of class, occupation, and respectability.Samuel Bourne's A Group of Kashmir Females, Srinuggur arranged and aestheticised female subjects within narratives of beauty and spectacle. Photographs by GR Lambert & Co. depicting Indian migrant families in Southeast Asia expanded the geographic frame, revealing the imperial networks through which Indian identities were documented and circulated. The exhibition also examined the afterlives of ethnographic imagery. Subjects such as nautch performers, widely reproduced as "girls," moved from administrative and anthropological contexts into commercial and voyeuristic circuits.

Presented as an India Art Fair parallel exhibition and part of DAG's long-term effort to build one of the country's largest collections of early photography, typecasting functioned as a project of archival recovery. By framing the material through a critical lens, the exhibition invited contemporary audiences to revisit colonial visual archives and reflect on the enduring legacies of classification that continue to shape social perception.Ultimately, the strength of typecasting lay in its refusal to offer definitive conclusions. Curator Sudeshna Guha deftly wove rare material, rigorous scholarship and a sharply articulated vision, transforming a colonial archive into a space for critical reflection. An elegant, richly illustrated catalogue edited by Guha crowns the exhibition, with contributions from Christopher Pinney, Ashish Anand, Ranu Roychoudhari, Suryanandani Narain, and Omar Khan, extending its intellectual resonance well beyond the gallery

Law over loot: SC enforces mining ban in Aravallis

The SC's blunt message underscores a deeper truth: environmental compliance cannot be negotiated district by district

THE Supreme Court has delivered a line that should echo across every scarred ridge of the Aravalli Hills: "We say 'stop mining' and you stop." It is a constitutional reminder that environmental rule of law is not optional. For decades, the Aravallis — among the world's oldest mountain ranges — have been gouged by illegal and quasi-legal mining. Despite repeated bans and regulatory frameworks, extraction has continued through loopholes, weak enforcement and political complicity. The result is visible from space: denuded hills, depleted aquifers and rising dust pollution choking parts of Rajasthan and Haryana, with spillover impacts on the NCR.

Compounding this damage is the entrenched mining mafia that has thrived in regulatory grey zones, brazenly flouting court orders and environmental norms. Operating with impunity and often shielded by local patronage networks, these cartels have turned ecological plunder into a parallel economy, mocking both governance and judicial authority. By maintaining its ban and seeking expert inputs on whether mining can ever be sustainably permitted in the region, the SC has struck a necessary balance between caution and consultation. But the burden of proof must lie firmly on those who seek to mine, not on fragile ecosystems struggling to survive.

The Aravallis function as a natural barrier against desertification from the Thar, recharge groundwater, moderate climate extremes and support biodiversity. To reduce them to revenue blocks is ecological myopia. Successive administrations have failed to implement clear court directives. If expert panels are constituted, they must be independent, transparent and science-driven, not a fig leaf for reopening extraction. The SC's blunt message underscores a deeper truth: environmental compliance cannot be negotiated district by district. The executive must now decide whether it will listen or once again look the other way while the hills disappear.

Creating an enabling AI ecosystem is the big challenge for India

It's the right time to empower the youth with skill sets which will help them navigate the AI boom

The Delhi AI Impact Summit has established India as a significant and aspiring AI power. New Delhi has been able to articulate a normative vision of how AI should be harnessed for the larger global good — and this is a lofty vision. Our Edit and Op-Ed pages dissected the gains and the learnings from the summit.The summit's most consequential silence concerned labour, writes former financial adviser IMF & World Bank Udaibir S Das in his Op-Ed article India's AI ambition faces structural limits. Although its theme was 'Welfare for all, Happiness of all', India's technology services workforce — roughly 5.8 million people — had no structured presence in the summit's power forums.

The AI summit was part policy forum, part technology and trade exposition but, ambitions must be tempered by inescapable realities such as energy poverty and water stress, writes former Foreign Secretary Shyam Saran in his Edit article India's AI road dotted with challenges. AI depends upon immense data-crunching capacity which comes from high-end Graphics Processing Units (GPUs), he says. Compare the numbers: The US is estimated to have 1.5 million GPUs in operation, China has half a million GPUs, India has only 38,000.While India seeks to play a significant role in the global AI pursuit, it has a very modest capability and does not rank among the top five AI-capable nations, writes C Uday Bhaskar Director, Society for Policy Studies, in his Op-Ed article India's AI vision lofty, capability limited. Yes, India is a major adopter of AI and the crowd surge at the Delhi summit reflects the enthusiasm of the younger Indian demography. Creating an ecosystem that is enabling and empathetic to nurturing AI in the long term will be the abiding Indian challenge.

In her Op-Ed Equipping kids to face AI's brave new world, senior financial journalist Sushma Ramachandran writes

that this is the right time to empower the youth and schoolchildren with skill sets which will help them navigate the AI boom. The nature of jobs will change as the need for different types of skills emerges with new technology. Investment in basic education must be enhanced along with a significant upgrade of infrastructure. Only then will it be possible for the next generation to deal effectively with the problems and perils of a future with AI, she writes.The spectacle mounted by Indian Youth Congress activists at the AI Impact Summit at Delhi's Bharat Mandapam signified a new low in the history of protests. The shirtless protest proved to be beneficial for the BJP government at the Centre. As the Congress made the protest a solo affair, Rahul Gandhi could not escape accountability, says senior journalist Radhika Ramaseshan in her Edit article Congress scores another own goal. Rahul either oversteps the unstated limits of a convincing counter-campaign against the BJP or falters on facts due to a lack of thorough homework or gets the theme, timing and mode of protests wrong. In the IYC fiasco, the last factor proved to be his undoing, she writes.

On the other end of the spectrum is another viewpoint where former Planning Commission member Arun Maira writes in his Edit piece A blueprint for all-round growth that modern economies cannibalise human society to feed economic growth. The Viksit Bharat goal should be reset to make India a more inclusive society by 2047, for which he has given lasting solutions so that India's economy can become an engine of its own growth — form more local, cooperative enterprises; denser local economic webs composed of small enterprises, local systems; solutions cooperatively developed by communities; use capital frugally, among a few steps. Formal, large-scale enterprises are not creating enough good jobs even in developed countries, he argues.

The bust of Edwin Lutyens, the principal designer of imperial New Delhi, was replaced with that of C Rajagopalachari, the last Governor General of India, inside Rashtrapati Bhavan. Can replacing the bust of Lutyens with Rajaji transform the institutional ethos of the space or merely alter the gallery of memory? asks RJD MP Manoj Kumar Jha in his Op-Ed Cosmetic changes won't heal the nation. Decolonisation, if it is to mean anything, cannot remain a ceremonial exercise performed at roundabouts and renamed avenues. It must travel inward into the grammar of governance and the conscience of society, he feels. When citizens today encounter an unresponsive bureaucracy or a coercive policing system, they are often encountering the afterlife of colonial rule, he writes.

The US has begun 'major combat operations' in Iran and Israel has launched missile attacks against Iran. Does US have any right to overthrow the Iranian regime and dictate policy to it? asks ORF Distinguished Fellow Manoj Joshi in his Op-Ed article India's Iran dilemma deepens amid war talk. The developments highlight the continuing Indian dilemma in relation to Iran. For India, Iran is the closest and cheapest source of hydrocarbons. It is also the landmass through which India had hoped to develop multi-modal trade corridors to Afghanistan, Central Asia and Europe and invested in developing a port in Chabahar.

Rupee slips past 91 as Iran conflict drives oil higher, equities lower

MUMBAI.(Agency)

The rupee weakened to its lowest level in a month on Monday, breaching the 91 mark again, amid escalating tensions in Iran that spurred a sell-off in risk assets and pushed oil prices up by over 6%. Domestic equities fell more than 1%, compounding concerns for India, which imports roughly half of its energy from the Middle East. The currency closed at 91.235, its weakest since early February.

Over the weekend, the US and Israel launched strikes on Iran, targeting the country's top leadership, including Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei and senior military officials. In retaliation, Tehran fired missiles at Gulf nations hosting US assets, raising fears of a prolonged regional conflict that could disrupt shipping and aviation.

Government bonds also came under pressure, with the yield on the 10-year benchmark rising 3 basis points to 6.6901%.Traders noted that the Reserve Bank of India intervened as the rupee breached the 91 level, offering support in the non-deliverable forwards market, while foreign banks continued to sell spot dollars.Brent crude futures jumped nearly 6% during the day, hitting an intraday high of $82 per barrel. Precious metals, however, saw more muted gains: gold on the CME rose 2.5%, while silver gained 1.5%. On the domestic front, April gold futures traded 3.14% higher at Rs 1,67,198 per 10 grams, silver March futures rose 3.27% to Rs 2,84,000 per kg, and March crude on MCX surged 7.7% to Rs 6,564 per barrel.Higher oil prices present a compounded risk on top of weak capital flows, which have already been weighing on the rupee," said Dhiraj Nim, economist and forex strategist at ANZ.

EPF interest rate cut coming? CBT meet may decide 8.20% rate for Fy26

New Delhi.(Agency)

A key decision on the EPF interest rate for 2025–26 is expected soon, with speculation that the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) may slightly trim the rate from the current 8.25 percent.eports suggest the interest rate could be brought down to the 8.20 percent–8.25 percent range when the EPFO's Central Board of Trustees meets in early March to review returns and financial sustainability.The possible revision comes amid global market volatility, weaker equity performance, and falling bond yields — factors that influence EPFO's investment income. Since the organisation invests heavily in government securities and equities, subdued returns may impact its ability to maintain last year's rate.Currently, EPF deposits earn 8.25 percent interest — the same rate approved for recent years — and any change would mark only a marginal

adjustment aimed at protecting the long-term stability of the fund's corpus rather than a sharp reduction in benefits.While some trade unions are pushing to keep the rate unchanged, the final call will depend on EPFO's income-expenditure balance and overall investment performance for the year.

For now, the decision remains under review, and the official rate for FY26 will be announced after the CBT meeting and subsequent approval from the Finance Ministry.

Israel-Iran war: Airline stocks in red as flight disruption continues for 3rd day

New Delhi.(Agency)

Global and Indian airlines cancelled and diverted hundreds of flights for a third straight day on Monday after the escalating US-Israel and Iran war prompted widespread airspace closures across West Asia and the Gulf.

Airlines in the Asia Pacific (APAC) region posted losses in early trading sessions. Interglobe Aviation Ltd, that operates IndiGo, dipped 4.24 per cent.Singapore Airlines tanked over 6 per cent in early trading on Monday, while Japan's ANA and JAL each dropped over 4 per cent, while Australia's Qantas slipped over 4 per cent.Major transit centres, including Dubai, Doha and Abu Dhabi, were shut for extended periods, forcing carriers to suspend, reroute or cancel routes to Tel Aviv, Dubai, Beirut, Tehran, Riyadh and other regional destinations.

Indian carriers were also hit as IndiGo recorded the highest number of cancellations among non-West Asian carriers. At New Delhi airport, 410 flights operated by Indian carriers were cancelled on February 28, about 350 flights on March 1, and at least 300 flights were expected to be impacted on March 2, according to reports.

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) earlier informed it was coordinating with airlines and related agencies and had activated a Passenger Assistance Control Room to assist stranded travellers.Air India extended the suspension of all flights to and from the UAE, Saudi Arabia, Israel and Qatar until 11.59 pm on March 2. With Iranian and Iraqi airspace closed, Air India said it was using routes via Oman, southern Saudi Arabia and Egypt, adding about 30-40 minutes of journey to Europe-bound flights, raising operating costs.

Gold jumps Rs 6,000, silver soars Rs 10,000: How Iran–US tensions affect your money

New Delhi,.(Agency)

Gold and silver prices shot up sharply on Monday as rising tensions between Iran and the US unsettled global markets. Investors rushed towards safe-haven assets, pushing bullion prices significantly higher on the Multi Commodity Exchange (MCX).At 11:45am, MCX Gold was trading at Rs 1,67,601, up by Rs 5,497 or 3.39%, Silver saw an even sharper move, climbing Rs 9,806 to trade at Rs 2,92,450, up 3.47%.The sudden spike reflects growing nervousness across financial markets as geopolitical risks intensify in the Middle East.

WHY ARE GOLD AND SILVER RISING?

Whenever there is fear or uncertainty in global markets, investors tend to move money into assets considered safer. Gold has traditionally been seen as a store of value during crises. Silver, though more volatile, often follows gold's direction.Apart from geopolitical concerns, inflation worries, steady central bank buying and expectations of easier US monetary policy have also supported bullion prices.Jateen Trivedi, VP Research Analyst – Commodity and Currency at LKP Securities, said volatility is likely to remain high."Gold and silver prices are set to remain highly volatile with gap up on the opening session tomorrow as the Middle East conflict involving renewed US and Israeli military action against Iran continues to dominate global risk sentiment. A sharp escalation in hostilities, with coordinated strikes and retaliatory moves fueling uncertainty and diminishing hopes of a quick diplomatic resolution. This elevated geopolitical risk can drive investors toward traditional safe-haven assets like gold and silver, and widely expecting a gap-up opening for bullion markets."He added that as global equities come under pressure, money naturally shifts into precious metals,

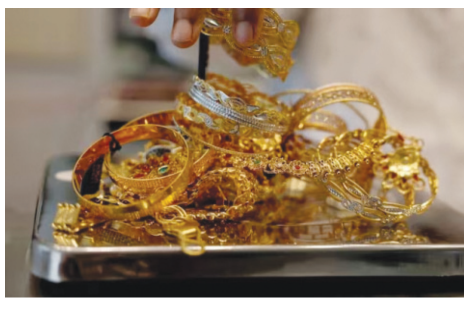

which act as a hedge against uncertainty. Rising crude oil prices, especially due to fears of disruption through the Strait of Hormuz, are also adding to risk-off sentiment.However, he cautioned, "If over the weekend there are diplomatic developments or indications of de-escalation, precious metals could see profit-taking after an initial spike of 3–6%."

KEY LEVELS TO WATCH

Market experts say gold is currently trading within a defined range after correcting from earlier record highs.Ponmudi R, CEO of Enrich Money, explained the current technical picture, "MCX Gold futures are trading in the 1,65,000–1,70,000 range after consolidating post the sharp correction from all-time highs near 1,80,000–1,81,000. While price currently in short-term consolidation with a positive tilt, holding firm above critical support zones."He pointed out that strong buying interest has been seen in the Rs 1,58,000–Rs 1,62,000 zone. "A sustained hold above this base, followed by a breakout above 1,65,000, may revive momentum toward 1,70,000–1,75,000, preserving a bullish medium-term perspective."On silver, he said, "MCX Silver futures are trading around 2,75,000–3,00,000 following gap up. The long-term bullish framework remains firmly intact, supported by favourable global cues amid heightened geopolitical tensions."

Middle East conflict: Sensex crashes 3% at open, trims losses but still down by 1,000 points

At the open, the Sensex tumbled as much as 3.4% or 2,743.46 points to hit a low of 78,543.73, while the NSE Nifty dropped 519.4 points, or 2.06% to 24,659.25

New Delhi.(Agency)

Indian equity market faced the brunt of the ongoing conflict in West Asia with the benchmark BSE Sensex crashing more than 2, 700 points at opening while NSE Nifty50 fell nearly 520 points. The gap-down opening was expected due to a full-blown crisis in the Middle East after US and Israeli forces targeted key Iranian sites over the weekend.At the open, the Sensex tumbled as much as 3.4% or 2,743.46 points to hit a low of 78,543.73, while the NSE Nifty dropped 519.4 points, or 2.06% to 24,659.25. The Indian market also trimmed losses and at 10.30 am, Sensex was down about 1,000 points and Nifty was down 300 points.The conflict also had a severe impact on the rupee which opened at 91.26 against the US dollar on Monday. It settled at 90.98 a dollar on Friday. It settled at 90.98 a dollar on Friday.The fall in the Indian market mirrored the global trend as Japan's Nikkei 225 and South Korea's Kospi fell as much as 2-

3% in early trade before trimming some losses. Hong Kong and the Chinese market also opened in the red.The attacks from both sides have intensified geopolitical risks in West Asia and triggered immediate repercussions for global energy markets. The attacks have heightened fears of a Strait of Hormuz closure, a vital chokepoint through which nearly 20% o global crude oil flows daily.In early traded, Brent crude futures jumped 13% to trade above $82 a barrel, its highest level since January 2025. The prices pared some gains as session progressed. For India, this spells trouble: soaring crude prices heighten inflation risks, driving up bond yields. Higher yields compress equity multiples, prompting investors to flee stocks. India imports 85-90% of its energy needs, with about 60% sourced from the Gulf region.

"If Iran chooses to mine the strait or use its stockpile of short-range missiles against tanker traffic, oil prices could spike above $100 per barrel. A prolonged closure of the strait, analysts warn, could tip the global turmoil further," said Tanvi Kanchan, Associate Director, Anand Rathi Share and Stock Brokers Limited.Kanchan added, "Strong macroeconomic fundamentals provide long-term confidence and reinforce the case for India as a structural investment destination. However, the Iran conflict will cause short-term volatility. The market had already priced in much of the expectation of strong Q3 GDP data, and with a geopolitical shock of this magnitude hitting simultaneously, sentiment is likely to be driven by fear and oil prices.

Oil prices rise sharply in market trading after attacks in Middle East disrupt global energy supply

New Delhi.(Agency)

Oil prices rose sharply when market trading began Sunday, as U.S. and Israeli attacks on Iran and retaliatory strikes against Israel and U.S. military installations around the Gulf sent disruptions through the global energy supply chain.Traders were betting the supply of oil from Iran and elsewhere in the Middle East would slow or grind to a halt. Attacks throughout the region, including on two vessels traveling through the Strait of Hormuz, the narrow mouth of the Persian Gulf, have restricted countries' ability to export oil to the rest of the world. Prolonged attacks would likely result in higher prices for crude oil and gasoline, according to energy experts.West Texas Intermediate, the light, sweet crude oil produced in the United States, was selling for about $72 a barrel Sunday night, up around 8% from its trading price of about $67 on Friday, according to data from CME group.

A barrel of Brent crude, the international standard, was trading at around $79 per barrel Sunday night, according to FactSet, up about 8% from its trading price of $72.87 on Friday, which had been a seven-month high at the time.

Higher global energy prices could lead to consumers paying more for gasoline at the pump and shelling out more for groceries and other goods, at a time when many are already feeling the impacts of elevated inflation.

Roughly 15 million barrels of crude oil per day — about 20% of the world's oil — are shipped through the Strait of Hormuz, making it the world's most critical oil chokepoint, according to Rystad Energy. Tankers traveling through the strait, which is bordered in the north by Iran, carry oil and gas from Saudi Arabia, Kuwait, Iraq, Qatar, Bahrain, the UAE and Iran.Iran had temporarily shut down parts of the strait in mid-February for what it said was a military drill, which led oil prices to jump about 6% higher in the days that followed.Against that backdrop, eight countries that are part of the OPEC+ oil cartel announced they would boost production of crude Sunday. The Organization of Petroleum Exporting Countries, in a meeting planned before the war began, said it would increase production by 206,000 barrels per day in April, which was more than analysts had been expecting. The countries boosting output include Saudi Arabia, Russia, Iraq, the United Arab Emirates, Kuwait, Kazakhstan, Algeria and Oman.

Sunil Bharti Mittal conferred Lifetime Achievement Award by GSMA

New Delhi.(Agency)

Sunil Bharti Mittal, founder and chairman of Bharti Enterprises, has been given the Lifetime Achievement Award by global telecom industry body GSMA at the ongoing Mobile World Congress in Barcelona on Monday, Bharti Airtel said in a statement. The award, presented in the presence of Felipe VI, the Prime Minister of Spain, Pedro Sánchez, the President of Catalonia, Salvador Illa, and global industry leaders, recognises his role in reshaping the global telecommunications landscape and expanding connectivity across operators, governments, businesses and billions of consumers worldwide. The award has been given to a handful of industry leaders in GSMA's history. The honour recognises contributions that have left an enduring and defining mark on the global communications ecosystem. On receiving the award, Mittal said, "I am deeply honoured to receive this recognition and sincerely thank the GSMA for this award. I accept it not only as a personal milestone, but as a tribute to India's telecom journey, the collective spirit of Bharti, and the rise of Indian telecom companies on the global stage. Equally, the award reflects the progress of an industry that has connected billions and belongs to the customers we serve, the teams who built our institutions, and the partners who believe in the transformative power of connectivity." "Telecommunication is a force that expands opportunity, places essential services in the palm of every individual and unlocks human potential. Helping shape its evolution into a powerful accelerator of modern progress has been a privileged responsibility. As innovation accelerates, we will continue to work with our partners & stakeholders to ensure that growth advances equity and creates lasting opportunity for generations to come," he added. Mittal has built Bharti Airtel into one of the world's leading mobile operators, with operations across India and Africa, ranking among the top-three globally and serving over half a billion customers. He pioneered the expansion of mobile services across emerging markets and served as Chairman of the GSMA from 2017 to 2018, where he championed policies that encouraged investment and innovation while strengthening the industry's commitment to connecting the unconnected and advancing digital inclusion.

Sensex crashes 1,300 points amid Iran-US conflict: 6 things you need to know

The S&P BSE Sensex fell sharply in early trade, and the NSE Nifty50 also slipped more than 1%, as investors reacted to the fast-changing situation between the US, Israel and Iran.

New Delhi.(Agency)

Dalal Street opened in the red on Monday, starting the week on a bearish note as rising conflict between Iran and the US shook global markets. The S&P BSE Sensex fell sharply in early trade, and the NSE Nifty50 also slipped more than 1%, as investors reacted to the fast-changing situation between the US, Israel and Iran.

The S&P BSE Sensex tanked 884.35 points to 80,402.84, while the NSE Nifty50 dropped 267.45 points to 24,911.20 as of 9:29 am. This marks the steepest intraday fall for the Nifty since February 1 and for the Sensex since April 7, 2025.Dr VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Investments Limited, said uncertainty will remain high in the near term."The uncertainty related to the war in West Asia will loom large over the market in the near-term. The major risk from the market perspective is the energy risk arising from the surge in crude," he added.

GLOBAL TENSIONS TRIGGER RISK-OFF MOOD

Markets turned weak after coordinated US–Israel strikes on Iran over the weekend. Reports said Iran retaliated with missile and drone attacks on US bases in the Middle East. The situation has now moved from limited hostilities to active military exchange.Brent crude surged more than 7% on Monday to the highest level in months. Brent futures climbed to about $82.40 a barrel in early trade. Earlier, Brent had already risen to a 7-month high of around $72.8 per barrel.Tehran also said it has closed navigation through the Strait of Hormuz, reported news agency Reuters. The Strait of Hormuz handles nearly 20% of global oil flows and more than 40% of India's crude imports pass through this route. Any disruption here raises fears of supply shortages and higher oil prices.

Rising crude prices hit market sentiment as India imports most of its oil needs. Higher oil prices increase the country's import bill and can put pressure on the rupee and inflation.

RUPEE WEAKENS, BOND YIELDS RISE

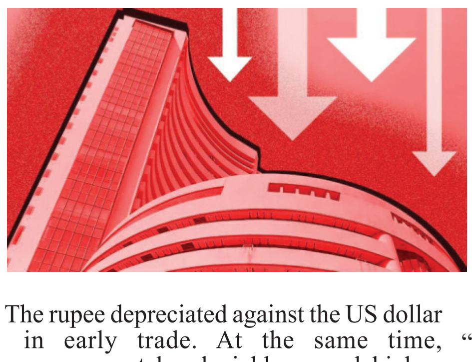

The rupee depreciated against the US dollar in early trade. At the same time, government bond yields moved higher. Rising oil prices increase inflation risk, and higher inflation can push bond yields up. Higher yields often reduce the appeal of equities.JM Financial Institutional Securities said the situation marks a sharp escalation in Middle East tensions."The coordinated US–Israel strikes on Iran mark a sharp escalation in Middle East tensions, shifting the situation from limited hostilities to active military exchange after Iran retaliated with missile and drone attacks on US bases," JM Financial said.It added that the reported elimination of Iran's Supreme Leader and senior security officials increases the risk of further escalation and raises the likelihood of disruption to the Strait of Hormuz."While media reports indicate disruption to shipping activity in the Strait, confirmation of a complete and sustained closure remains unclear, making the probability and duration of supply interruption the key variable for markets," the brokerage noted.

OIL EMERGES AS KEY RISK FOR INDIA

JM Financial said crude oil is now the key macro factor for Indian equities.

"Every USD 1 increase in crude raises India's annual import bill by approximately USD 2bn. Prolonged tensions may increase logistics and marine insurance costs, disrupt Gulf shipping routes and pressure the trade balance," it said.It further added that if disruption in the Strait of Hormuz becomes serious.

Airlines extend flight cancellations due to Iran-US conflict, travellers stranded

New Delhi.(Agency)

Air India has extended the suspension of all its flights to and from the United Arab Emirates, Saudi Arabia, Israel and Qatar until midnight, 11.59 pm on Monday, as escalating tensions arising from the Israel–Iran conflict continue to disrupt aviation operations across West Asia.The airline also announced that select Europe-bound flights scheduled for March 2 have been cancelled due to operational constraints linked to restricted airspace over parts of the Middle East.

The latest extension has left several passengers stranded at Delhi's Indira Gandhi International Airport, where multiple international departures were either cancelled or delayed amid rapidly changing flight schedules.

AKASA AIR SUSPENDS WEST ASIA OPERATIONS

Budget carrier Akasa Air also announced suspension of flights to and from Abu Dhabi, Doha, Jeddah, Kuwait and Riyadh until March 2, 2026.

The airline said passengers holding bookings affected by the disruption until March 7 may opt for a full refund or reschedule their travel without any additional charges.Air India Express has meanwhile cancelled more than 110 flights due to airspace restrictions over Iran and neighbouring regions.

International carriers have also been impacted. Dubai-based Emirates temporarily suspended operations to and from Dubai until 1500 hrs UAE time on March 2, while flight operations at Doha's Hamad International Airport remained suspended following closure of Qatari airspace.

AIRSPACE CLOSURES DISRUPT WESTBOUND ROUTES

A day earlier, airport authorities had warned of widespread disruption to westbound international travel after several Middle Eastern countries shut their airspace following the sharp escalation in the Iran–Israel conflict.

In a travel advisory issued on March 1, IGI Airport urged passengers to check flight status with airlines before leaving for the airport, cautioning that international services could face delays, diversions or last-minute schedule changes.According to sources, around 100 flights – including 60 departures and 40 arrivals – were cancelled at IGI Airport amid the evolving situation.

Similar disruption was reported at Mumbai's Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport, where 125 flights – 67 departures and 58 arrivals – were cancelled.

At Tiruchirappalli International Airport, airport authorities reported cancellation of 17 arrivals and 16 departures on March 1, along with additional cancellations scheduled for March 2.

MOCA ACTIVATES PASSENGER ASSISTANCE MECHANISM

Amid mounting passenger disruption, the Ministry of Civil Aviation said its Passenger Assistance Control Room (PACR) has been actively addressing grievances and travel-related queries.The ministry said complaints received through social media platforms, the AirSewa portal and dedicated helplines are being closely monitored and prioritised. In coordination with airlines and airport operators, the PACR has resolved 411 passenger grievances during the ongoing crisis.

Helpline numbers issued by Indian embassies in affected countries have also been shared with travellers to facilitate coordination and assistance.

AIRLINES SUSPEND OPERATIONS ACROSS REGION

Airspace restrictions over Iran and neighbouring regions have severely affected international aviation corridors linking India with Europe and West Asia. Air India Express alone cancelled more than 110 flights due to operational limitations.

Coordinate, integrate, optimise to move smoothly

New Delhi.(Agency)

The entry point to a city is the gateway to creating a perception about the city's makeup. Delhi is unfortunate in this matter. While the medieval and colonial rulers built appropriate gates to the fort cities, the same has not happened in 21st century Delhi.While the walled city from the Mughal era is replete with structures like the Delhi Gate, Kashmere Gate, Mori Gate, Lahori Gate and Turkman Gate, the British also built the War Memorial (India Gate) hexagon at the outskirts of their regal city.

The capital city of medieval era could only be accessed by road. During the British rule, the railways and airway were introduced. The British also built imposing structures like Delhi Junction (Old Delhi) and the New Delhi stations.

The unplanned expansion of the city in the 21st century has, however, stolen from it the grandeur of the entry point. With the city now expanding into three states (the National Capital Region), there are multiple entry points. The railway stations too have now become part of densely populated localities.The airport, although still in the outskirts of the city, has all of its roads choc-o-bloc full. Thus there is no smooth entry to the capital city.

This situation was best illustrated in the observations at the meeting of the Commission for Air Quality Maintenance (CAQM). The commission flagged congestion at MCD toll plazas as a significant concern, stressing the need for urgent rollout of barrier-free tolling systems to curb vehicular emissions in Delhi-NCR.

The commission went on to highlight the need for expeditious implementation of barrier-free-multi-lane free flow systems integrated with RFID and Automatic Number Plate Recognition technologies to ease traffic snarls and reduce pollution. While the measures are appreciated, the roads reaching the airport from the city, and the traffic jams outside the railway stations need to be addressed.

Row after Sikh woman's turban removed at exam centre in Madhya Pradesh

New Delhi.(Agency)

A controversy erupted in Madhya Pradesh's Ratlam district after an Amritdhari Sikh woman appearing for an examination conducted by the Madhya Pradesh Public Service Commission (MPPSC) was allegedly asked to remove her turban during security checks at an exam centre.

The incident took place at a school that was a designated centre for the examination on Sunday. According to available information, Gurleen Kaur, who is an Amritdhari Sikh (an initiated Sikh), was asked to remove her dumala (turban) before the examination during frisking.

The matter came to light after members of the local Sikh community were informed. Soon, several members of the community gathered outside the examination centre, expressing strong displeasure over the incident.

On receiving information about the gathering, police and administrative officials reached the spot. Members of the Sikh community demanded an apology from the woman staff member who had allegedly asked Kaur to remove her turban.

Following prolonged discussions between community representatives and officials, Sub-Divisional Magistrate Prateek Sonkar and Centre Superintendent Subhash Kumawat publicly expressed regret over the incident in front of the Sikh community and apologised. After the apology, the matter was considered to be resolved by both sides.

Kaur, who is a resident of Chittorgarh in Rajasthan, had arrived in Ratlam a day earlier to stay with relatives and had reached the centre in the afternoon to appear for the examination.

Centre Warns States Of Violence, Protests Amid Iran-Israel Tensions: Sources

The Ministry of Home Affairs, according to sources, has directed states to closely monitor the activities of pro-Iran and anti-Iran groups.

New Delhi.(Agency)

As tensions between Iran and Israel continue following the killing of Supreme Leader Ali Khamenei, the Ministry of Home Affairs has issued an alert to various states regarding possible violence and sporadic protests in the country. The alert comes in the wake of nationwide protests by the Shia community following the killing of Iranian leader Ayatollah Ali Khamenei on February 28.The Ministry, according to sources, has said that international developments could impact India's internal security, and security agencies should remain on high alert.

The directive sent to states urges them to closely monitor the activities of pro-Iran and anti-Iran groups. In particular, instructions have been given to strengthen security around the Iranian, US, and Israeli embassies and consulates, sources said.

The Ministry of Home Affairs has also pointed to potential threats posed by Shia militias as well as terrorist organisations like the Islamic State and Al-Qaeda. Intelligence inputs indicate that terrorist groups may exploit the tense atmosphere to foment unrest.

In addition to embassies, the security alert lists major tourist destinations, Jewish institutions, and establishments affiliated with Western countries as potential targets, sources added. The Centre has advised states to increase the deployment of security forces at important and sensitive locations. Additionally, local police have been instructed to conduct thorough checks in crowded areas and sensitive locations and detect explosives such as Improvised Explosive Devices (IEDs).

The Ministry has also placed special emphasis on monitoring social media to prevent the spread of inflammatory messages and rumours. Cyber cells have been instructed to monitor digital content that could disturb communal harmony. Directors General of Police of all states have been asked to ensure that rapid response teams are ready to prevent any untoward incident.

Iran Israel Tensions

Israel, with the help of the US, launched a preemptive attack on Tehran on Saturday, pushing the Middle East into a renewed military confrontation and further dimming hopes for a diplomatic solution. The Pentagon dubbed the strikes on Tehran as "Operation Epic Fury" - in a flashback to 2025's "Midnight Hammer".

Crash That Killed Ajit Pawar Was One Of Many: Checks 10-Year Data

New Delhi.(Agency)

Ten years before the recent Jharkhand air ambulance crash, a similar flight from Patna to Delhi had a very different, miraculous outcome. In 2016, an air ambulance operating from Patna to Delhi went down in Najafgarh. Unlike the Red Airways crash that killed all seven on board, everyone in this accident survived. The pilots were hailed as heroes for averting a disaster.

But the subsequent probe by the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) exposed deeper concerns. The aircraft, a 27-year-old VT-EQO owned by Alchemist Air Pvt. Ltd., with a non-scheduled operator permit, had been grounded for five months before the accident.

In its final report, the AAIB noted that no procedure existed within the organisation to assess actual fuel consumption of its aircrafts.

"Absence of a procedure for assessing realistic fuel consumption rate of an aged aircraft is also a cause of concern," the AAIB had said, while listing improper fuel planning leading up to engine starvation as a probable cause of the accident.

Now, a decade later, the Directorate General of Civil Aviation or DGCA has cracked down on non-scheduled operators following a spike in accidents - including the January Baramati crash involving VSR Ventures that left all on board -- including NCP leader Ajit Pawar -- dead.

After analysing ten years of data, the regulator flagged SOP violations, flawed flight planning and training gaps.In a significant shift, it fixed accountability on senior executives and Accountable Managers, not just pilots. Additionally, the watchdog also grounded four VSR-owned aircraft over serious safety lapses.

Adani Group To Make India's Longest Wind Turbine Blade

New Delhi.(Agency)

India will make its longest onshore wind turbine blades at 91.2 metres as Adani New Industries Ltd (ANIL) scales up production at its Mundra facility in Gujarat, reflecting a maturing wind manufacturing ecosystem backed by policy support and a push for clean energy self-reliance.

The blades will be deployed on next-generation turbines designed to improve energy output, particularly at low- and medium-wind sites. The Mundra plant currently manufactures blades of 78.6 metres and 80.5 metres.

The new 91.2 metres marks a significant leap in design complexity, materials engineering and manufacturing capability. According to industry sources, an initial set of 91.2 metre blades have already been erected on a new turbine model, with serial production expected to begin within the current calendar year.

Why Blade Size Matters

Blade length combined with higher rated capacity is a critical determinant of wind energy output. A 91.2-metre blade enables a rotor diameter of approximately 185 metres, sweeping an area of nearly 26,600 square metres. A larger swept area, with higher rated capacity wind turbines potentially allows it to capture more kinetic energy from wind, improving capacity utilisation and increased power output.

This is particularly relevant for India, where a large share of potential wind sites fall in low-to medium-wind regimes. Larger rotors and higher hub heights make these locations commercially viable, expanding wind deployment beyond traditional high-wind corridors. The shift towards turbines rated above 5 megawatts (MW) is therefore as much about geography as it is about technology.

To put the scale in perspective, a blade of this length is comparable to the size of a football field and taller than a 30-storey building. Each rotation sweeps an area larger than three football fields combined.

Manufacturing Scale And Investment

ANIL's blade manufacturing facility at Mundra has a current capacity of 2.25 gigawatts (GW) per annum, equivalent to about 450 blade sets annually. The company plans to scale this to 5 GW in phases, with a longer-term ambition of reaching 10 GW.

Mundra is evolving into a multi-technology renewable manufacturing hub, housing wind turbines, solar modules and supporting component facilities within a single ecosystem. Investments in wind manufacturing so far are estimated up to Rs 3,000 crore, with future capital expenditure focused on automation, advanced tooling and materials research, including recyclable blade materials and larger rotor designs.

Loss of a century, Veiled women mourn Iran's Khamenei in Delhi's Karbala

With posters of Iran's Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei, women protesters were seen emotionally charged, and said they felt they had lost someone from their own family. Dressed in black and with tears in their eyes, they chanted anti-Israel, anti-US slogans. Read here

New Delhi.(Agency)

Women in black abayas and niqabs stood shoulder to shoulder, some whispering prayers, others openly weeping. Many had never attended a public protest before. Yet on Sunday evening, they stepped out of their homes, bringing children, sisters and elderly mothers along at Delhi's Shah-e-Mardan Karbala in Jor Bagh, to mourn the killing of Iran's Supreme leader, Ayatollah Ali Khamenei.For them, this was not distant geopolitics. It felt personal.

Zaibun Nisa Zaidi from Laxmi Nagar arrived with six members of her family. She clutched her candle tightly as she spoke, her voice steady but her eyes moist. "He stood for humanity. He raised his voice for the oppressed," she said. "What was the fault of an 86-year-old man? If standing with humanity is a crime, then we are all guilty."

Around her, women nodded in agreement.Dilkash, a first-year BSc student from Ghaziabad, said she woke up to the news early in the morning. The shock, she said, stayed with her through the day."He was a rehbar, a guide," she explained softly. "He united Shias and Sunnis across the world and always sided with the oppressed. His demise is not just a community's loss. It is a loss for the world."

A few steps away stood Seerat, balancing her one-year-old daughter on her lap. The child, unaware of the gravity of the gathering, played with the edge of her mother's niqab.

Seerat, however, could barely contain her tears."It is the loss of a century," she said, breaking down mid-sentence. "He was

like a father to us. This feels like we have lost someone from our own home."

Her sister, Shahana, described how the family reacted when news first emerged of the attack on Iran. "We stopped cooking. We did not eat properly. We kept praying for his safety," she said. "When his death was confirmed on Sunday morning, we wept as if we had lost a family member."

For 53-year-old Nishat Fatima, the journey to the vigil was physically demanding. Unwell but determined, she came from New Ashok Nagar.

Holding her daughter's hand, she said, "I had to come," she said. "It was important to be present. It was an inhuman act against an elderly man."

As candles flickered in the evening breeze, the gathering remained peaceful. There were prayers, tears and quiet conversations about faith, justice and loss.

In those lanes of Karbala in South Delhi, thousands of kilometres from Tehran, grief dissolved borders.

For the women who gathered there, the passing of an 86-year-old leader was not merely a headline. It was a moment of mourning that felt intimate, immediate and deeply personal.

NEWS BOX

Why Is China Silent On Iran An Expert Decodes Beijing's Hidden Play

world. (Agency)

China's deep energy ties with Iran are suddenly under the harshest spotlight in years as US and Israeli strikes push Tehran into open confrontation and threaten the oil arteries that power the Chinese economy.Beijing has condemned the attacks and called for a ceasefire. But it has stopped short of any economic retaliation that could endanger the very energy flows it depends on.Before dawn on Februry 28, the United States and Israel launched coordinated strikes on Iranian nuclear facilities, missile installations and leadership compounds across Tehran, Isfahan and Qom. President Donald Trump labeled the assault "Operation Epic Fury," framing it as a decisive blow after months of stalled nuclear negotiations and mounting regional tension.Israel's parallel campaign, "Roaring Lion," focused on degrading Iran's ballistic missile capabilities and senior command structure.For China, the crisis is not abstract.

Beijing buys more than 80 percent of Iran's oil exports. In 2025, that translated to roughly 1.38 million barrels per day, accounting for about 13 to 14 percent of China's total seaborne crude imports. The exposure is substantial but not singular. China's two biggest suppliers remain Russia and Saudi Arabia, and since the escalation Chinese refiners have quietly trimmed Iranian purchases and leaned more on discounted Russian barrels to keep overall supply stable.

Balakrishnan, co founder of Avellon Intelligence, called Tehran's retaliation "a historic strategic blunder." In his view, Iran is not merely confronting a superior military coalition. It is "jeopardising its pivotal role as a linchpin in China's energy and geopolitical architecture in West Asia."Iran anchors a 25-year cooperation framework with Beijing covering energy, infrastructure and transport corridors tied to the Belt and Road Initiative. Discounted crude shipments, often routed through complex trading channels, have given China a steady supply cushion amid Western sanctions.

US Officials Skeptical Of Regime Change In Iran After Khamenei Killing

Washington. (Agency)

Following the killing of Iran's Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei on Saturday, many senior US officials remain skeptical that the US and Israeli military operation against the Islamic Republic will lead to a regime change in the near term.

Before and after the start of the attack, U.S. officials, including U.S. President Donald Trump, had suggested that toppling the nation's repressive governing system was one of several U.S. goals, in addition to crippling Iran's ballistic missile and nuclear programs."I call upon all Iranian patriots who yearn for freedom to seize this moment ... and take back your country," Trump said on Sunday in a video posted on Truth Social.But three U.S. officials familiar with U.S. intelligence said there is serious skepticism that Iran's battered opposition can topple the theocratic, authoritarian governing system that has been in place since 1979.No officials consulted by Reuters completely ruled out the possibility of the fall of Iran's government, which currently is buffeted by key personnel losses from ongoing U.S. and Israeli air strikes and is deeply unpopular following a January round of extraordinarily violent repression.But it is far from likely or even probable in the near term, they said.

Reuters reported earlier that Central Intelligence Agency assessments presented to the White House in the weeks before the Iran attack concluded that if Khamenei was killed, he could be replaced by hard-line figures from the Islamic Revolutionary Guard Corps or equally hard-line clerics, two sources said.

"Reconsider Travel": US Raises Bahrain, Qatar Advisories Amid Iran Conflict

world. (Agency)

The United States raised its travel advisories for Bahrain and Qatar to Level 3 in the aftermath of the launch of US combat operations in Iran, citing security risks and potential disruptions across the Middle East.The State Department said it updated its Travel Advisory for Bahrain on February 28 "to reflect that the Department authorized the departure of non-emergency US government personnel and family members of US government personnel to leave Bahrain due to security concerns." The advisory increased "from Level 2 to Level 3."

The updated advisory states: "Reconsider Travel to Bahrain due to terrorism and armed conflict."

It added that "Following the onset of hostilities between the United States and Iran on February 28, there has been an ongoing threat of drone and missile attacks from Iran and significant disruptions to commercial flights."The department also warned that "Terrorist groups continue plotting possible attacks in Bahrain. Terrorists may attack with little or no warning."Separately, the State Department raised Qatar's Travel Advisory to Level 3 on March 1, up from Level 1, again authorising the departure of non-emergency personnel and family members due to security concerns.The updated notice states: "Reconsider Travel to Qatar due to the threat of armed conflict."It cited the same regional developments, noting that "Following the onset of hostilities between the United States and Iran on February 28, there has been an ongoing threat of drone and missile attacks from Iran and significant disruptions to commercial flights."The advisory further said, "The Federal Aviation Administration (FAA) has issued a Notice to Airmen (NOTAM) and/or a Special Federal Aviation Regulation (SFAR) for the region, including Qatar. This is due to risks to civil aviation from political and military tensions in the region."

Trump says US, Israel prepared to sustain Iran strikes for 'four to five weeks'

Trump tells The New York Times that US, Israel can sustain strikes for weeks; offers Venezuela-like model for Iran leadership transition while warning of possible casualties

world. (Agency) . (Agency)

In a telephone interview with The New York Times on Sunday, US President Donald Trump said the United States intends to maintain its military assault on Iran for "four to five weeks" if necessary, asserting that sustaining the intensity of the operation alongside Israel "won't be difficult," even as he acknowledged the likelihood of further American casualties.

Trump suggested multiple, at times contradictory, scenarios for a transition of power in Tehran following the killing of Iran's supreme leader, Ayatollah Ali Khamenei, in a US-Israeli airstrike over the weekend. Among the options, he cited a model similar to the operation in Venezuela, in which only the top leader was removed while the rest of the government remained, newly willing to cooperate with the United States."The country has been very substantially weakened, to put it mildly," Trump told The New York Times, adding that the Pentagon retained sufficient forces, missiles, and ammunition globally to continue the assault "if we have to.Trump also claimed that US and Israeli strikes had "knocked out a big portion" of Iran's navy, including nine ships and the navy headquarters. He indicated that the conflict could result in casualties, but expressed confidence that the military operations would ultimately pressure Iran into compliance. "Three is three too many as far as I'm concerned," he said, referring to projected American casualties.

On the question of Iran's future leadership, Trump was vague. He said he had "three

very good choices" for who could lead the country, but did not name them. He also suggested that Iran's elite military forces, including the Islamic Revolutionary Guard Corps, might voluntarily surrender their arms to the Iranian populace, a scenario experts have considered unlikely.Trump repeatedly referred to his experience in Venezuela as a model for Iran, though analysts note significant differences in population, military capability, and political structure make a direct comparison challenging. "Everybody's kept their job except for two people," he said of the Venezuelan operation, emphasizing the U.S. goal of removing only the top leadership while keeping the rest of the government functional.He left open the possibility of the Iranian people overthrowing their government, saying, "That's going to be up to them about whether or not they do. They've been talking about it for years so now they'll obviously have an opportunity."Trump also indicated that he did not consider Gulf Arab states necessary for US strikes on Iran, despite Tehran targeting several regional countries with missile and drone attacks.The interview, conducted from Mar-a-Lago approximately 36 hours after Khamenei's killing, came shortly after Trump received news of American casualties. He said he was about to meet with military generals and insisted that the U.S.-Israeli campaign remained "ahead of schedule."

Israel hits Lebanon after Hezbollah fire, expanding Iran war

BEIRUT. (Agency)

Israeli forces launched strikes on Lebanon including the capital Beirut on Monday, the military said, after Tehran-backed militant group Hezbollah fired rockets at Israel in retaliation for the killing of Iran's supreme leader.An AFP journalist heard several loud explosions in Beirut early on Monday, as the Israeli military said it had "begun striking targets of the Hezbollah terrorist organisation across Lebanon".The Israeli strikes followed rocket and drone launches from Lebanon, the first attack on Israel claimed by Hezbollah since a November 2024 ceasefire agreement that followed more than a year of war between them.Hezbollah has been weakened from conflict with Israel, which it entered to support Hamas following the Palestinian militant group's deadly attack on Israel in October 2023 and the subsequent war in the Gaza strip.Israel has carried out regular strikes on Lebanon since the ceasefire came into effect, usually saying it targets the militant group and accusing it of truce violations.On Monday, a military statement said Israeli forces "precisely struck" senior Hezbollah members in the Beirut area, and another in the south.Lebanon's state-run National News Agency

(NNA) reported Israeli strikes across the country, including in Beirut's southern suburbs where Hezbollah holds sway.Israel then issued a warning to residents of about 50 towns and villages in Lebanon's south and east -- both Hezbollah strongholds. "Hezbollah's actions force the IDF (army) to act against it... For your safety, evacuate your homes immediately and move at least 1,000 metres (0.6 miles) away from your village to open areas," army spokeswoman Ella Waweya said in a statement on X.Hezbollah earlier claimed responsibility for the rocket and drone attack on Israel, which it said was retaliation for the killing of Iranian supreme leader Ayatollah Ali Khamenei in a wave of US-Israeli strikes on Tehran at the weekend.It was also "in defence of Lebanon and its people, and in response to the repeated Israeli attacks", Hezbollah said.

An official from the group had told AFP last week that Hezbollah would not intervene militarily in the event of "limited" US strikes on its backer Iran, but would consider any attack against Khamenei a "red line".

Blasts in Kabul as Afghan govt says responding to Pakistan attacks

KABUL. (Agency)

Explosions were heard in the Afghan capital Kabul on Sunday, AFP journalists said, with the Taliban government saying they were responding to aerial attacks by Pakistan.A spokesman for Afghanistan's defence ministry said that "air defence strikes were carried out against Pakistani aircraft in Kabul".

Months of cross-border clashes have flared again since Thursday, when Afghanistan launched an offensive along the frontier, with Pakistani forces hitting back on the border and from the skies.The renewed violence came after Afghan residents and officials said troops from both countries had been battling along the border, with the fighting coming alongside multiple strikes including the former US air base at Bagram.Earlier, residents in multiple areas bordering Pakistan told AFP of fighting, while the Afghan government said three people were killed overnight in drone strikes and shelling.North of the capital Kabul, air strikes "hit Bagram air base", according to a resident who AFP is not naming for security reasons.

A second resident said "it was very strong, which shook the area. There was smoke and fire coming out north of the airport", describing the dawn raid as "very terrifying".The provincial spokesman, Fazl ul Rahim Maskin Yar, said Pakistani jets "attempted to bomb" the base, but there were no casualties or damage.

Pakistan acknowledged bombing key cities Friday including Kabul and Kandahar, which is home to Afghanistan's supreme leader, but has not commented on Sunday's strikes.

The presence of security forces was boosted in central Kabul on Sunday evening, with increased checks on cars, an AFP journalist said.Late Sunday evening, Afghan officials claimed to have retaliated with strikes on multiple bases in Pakistan that caused "significant damage", including in the major city of Rawalpindi, though there were no immediate Pakistani reports of such attacks."Any further violations of our airspace or acts of aggression by hostile Pakistani elements will be met with a swift, decisive, and proportionate response," the Afghan Ministry of Defence posted on X, with a video of a drone flying into the distance.

\Border clashes

Before dawn, AFP journalists in the capital heard an explosion followed by successive gunfire, with Taliban government spokesman Zabihullah Mujahid saying anti-aircraft fire was being shot at Pakistani planes.Drones were also heard by an AFP journalist in the border province of Khost, while in Jalalabad city -- between Kabul and the border -- an AFP photographer saw a jet.The Afghan government's deputy spokesman, Hamdullah Fitrat, said Pakistani fire had killed 36 civilians across multiple provinces since Thursday, which Islamabad has not commented on.

Last Total Lunar Eclipse Until 2029 Is Coming Today

Melbourne. (Agency)

On Tuesday March 3, the Moon will pass directly through Earth's shadow, creating a total lunar eclipse. Best of all, Australia and Aotearoa New Zealand are in a prime position to watch the show.This time, the eclipse even occurs at a reasonable hour - no need to set an alarm and crawl out of bed at a ridiculous time.On Tuesday evening, a dark shadow will begin to sweep across the bright and round full Moon. Once the Moon becomes fully immersed in shadow, it will take on a reddish glow.Astronomers call this "totality". But with the ominous appearance of a red Moon hanging large in the sky, it's no wonder that throughout history and across cultures it was seen as a portent of evil. In today's world, the name "blood moon" has readily captured public imagination.Watching a lunar eclipse is a reminder that we are part of a fascinating universe. No special equipment is needed and it's usually not hard to find the Moon in the sky. Tomorrow's eclipse will be our last chance to see a blood moon until 2029, when it will ring in the New Year in the early hours of January 1.In this case, it'll take 75 minutes for the Moon to enter Earth's shadow - what's known as the partial eclipse phase. This will be followed by an hour of totality when the Moon turns red, and then another 75 minutes as the Moon emerges out of the shadow and returns to full brightness.Since Earth's shadow is so large compared to the Moon, everyone on our planet's night side experiences a lunar eclipse at exactly the same time. To know when to see the totality, we only need to make adjustments for different time zones.

Total lunar eclipse on the night of 3–4 March 2026

Click on your state or country to learn when the eclipse will begin and when totality will be visible.For Western Australia, anumber of locations are given because the eclipse begins with the Moon below the horizon. The time of the eclipse depends only on time zone, but the time of moonrise is location specific.Across most of Western Australia the eclipse begins with the Moon below the horizon. As the Moon rises it will be partly in shadow, making it hard to spot, especially against the bright twilight sky (noting that the Moon is rising as the Sun is setting).However, just give it some time and the eclipsed Moon will become easier to see as it climbs higher in the east and twilight gives way to night.The eclipse will start later in the evening across the rest of Australia, with the Moon in the eastern sky.

Oil prices rise sharply after attacks in West Asia disrupt global energy supply

Crude surges over 7% amid attacks on vessels in Strait of Hormuz; OPEC+ plans modest output boost fail to ease market fears

NEW YORK.(Agency)

Oil prices rose sharply Monday as U.S. and Israeli attacks on Iran and retaliatory strikes against Israel and U.S. military installations around the Gulf sent disruptions through the global energy supply chain.Traders were betting the supply of oil from Iran and elsewhere in the Middle East would slow or grind to a halt. Attacks throughout the region, including on two vessels travelling through the Strait of Hormuz, the narrow mouth of the Persian Gulf, have restricted countries' ability to export oil to the rest of the world. Prolonged attacks would likely result in higher prices for crude oil and gasoline, according to energy experts.West Texas Intermediate, the light, sweet crude oil produced in the United States, was selling for about $72 a barrel early Monday, up around 7.3% from its trading price of about $67 on Friday, according to data from CME group.A barrel of Brent crude, the international standard, was trading at $78.55 per barrel early Monday, according to FactSet, up 7.8% from its trading price of $72.87 on Friday, which had been a seven-month high at the time.Higher global energy prices could lead to consumers paying more for gasoline at the pump and shelling out more for groceries and other goods, at a time when many are already feeling the impacts of elevated inflation.Roughly 15 million barrels of crude oil per day, about 20% of the world's oil, are shipped through the Strait of Hormuz, making it the world's most critical oil chokepoint, according to Rystad Energy. Tankers traveling through the strait, which is bordered in the north by Iran, carry oil and gas from Saudi Arabia, Kuwait, Iraq, Qatar, Bahrain, the UAE and Iran.

Iran had temporarily shut down parts of the strait in mid-February for what it said was a military drill, which led oil prices to jump about 6% higher in the days that followed. Against that backdrop, eight countries that

are part of the OPEC+ oil cartel announced they would boost production of crude Sunday. The Organization of Petroleum Exporting Countries, in a meeting planned before the war began, said it would increase production by 206,000 barrels per day in April, which was more than analysts had been expecting. The countries boosting output include Saudi Arabia, Russia, Iraq, the United Arab Emirates, Kuwait, Kazakhstan, Algeria and Oman.

"Roughly one-fifth of global oil supply passes through the Strait of Hormuz, a vital artery for world trade, meaning markets are more concerned with whether barrels can move than with spare capacity on paper," said Jorge León, Rystad's senior vice president and head of geopolitical analysis, in an email. "If flows through the Gulf are constrained, additional production will provide limited immediate relief, making access to export routes far more important than headline output targets."

Iran exports roughly 1.6 million barrels of oil a day, mostly to China, which may need to look elsewhere for supply if Iran's exports are disrupted, another factor that could increase energy prices.

NEW

Rulayega kya pagle? Sanju Samson's hilarious reaction to Surya's praises

New Delhi. (Agency)

Suryakumar Yadav's praise for Sanju Samson went to a point where the wicketkeeper hilariously asked his captain to stop or else he would start crying. Samson played an innings of a lifetime to help India get over the finish line and make their way into the semi-finals of the T20 World Cup 2026.The wicketkeeper-batter broke the record of Virat Kohli for the highest score in a successful run-chase for India in T20 World Cups, scoring 97 off 50 balls. He hit the winning runs and on his way back to the dugout, was greeted by Suryakumar, who took his cap off and bowed down to him. In a video released by the BCCI, Suryakumar was seen talking non-stop about Samson and the hilarious reply from the wicketkeeper can be seen towards the end of the clip.WHAT DID SURYA SAY ABOUT SAMSON?

Suryakumar reiterated his statement on

Samson from after the game to start the video and revealed how the wicketkeeper told the players to put the team ahead of everything else during the camp.

"I always say good things happen to good people and at the right time. No better time, no better stage for someone like him to step up and give the team what the team required. The moment he came into the side, I think the first thing that he said amongst the group when we sat together was, let's do something which the team wants, not what you want," said Suryakumar.

The Indian skipper refused to talk about the tough period Samson had as he was in and out of the side and was made to bat in the middle-order. However, he said that Samson played a courageous knock and deserves all the plaudits."In life, we've seen so many things, so many ups and downs. I don't want to take you back to what happened in the whole year, losing his position, batting out of position, and then coming back batting at the same position."

"It's not easy to win the World Cup. The World Cups, the ICC tournaments, the games which you play in ICC tournaments are won by courageous people, and this was a courageous knock.

Not built in a day: The making of Jammu & Kashmir's Ranji Trophy triumph

For decades, Jammu & Kashmir flirted with promise without sustaining it. Their maiden Ranji Trophy title was no miracle, but the product of structural reform, cultural reset, and relentless discipline. It is proof that ambition, when engineered properly, can finally endure.

New Delhi. (Agency)

The snow-clad peaks of the Pir Panjal range have long looked down upon a cricketing culture defined by what-ifs. On most winter mornings in Jammu, the outfield wears a thin veil of frost. Fast bowlers love it. Batters endure it. For decades, this was the rhythm of cricket in Jammu & Kashmir: seam-friendly pitches, fleeting promise, and seasons that dissolved before spring. For over sixty years, J&K were the romantic underdogs of the Ranji Trophy.That changed on a sweltering afternoon in Hubballi, Karnataka. When J&K secured their maiden Ranji Trophy title after overcoming the eight-time champions Karnataka in the final, a watershed moment unfolded. A 291-run first-innings lead and a second-innings batting masterclass had turned the impossible into a foregone conclusion.

The trophy was lifted in 2026, but the first bricks had been laid years earlier, in a radical restructuring that moved J&K from a collection of isolated talents to a professional powerhouse.

For decades, J&K cricket oscillated between promise and frustration. Talent emerged - Parvez Rasool, Umran Malik, Vivrant Sharma - but the structure around it remained inconsistent. Infrastructure lagged. Preparation was regional. Ambition was cautious.The shift began with a sub-committee formed to rethink everything.

"The main reason I would say is the vision of Mithun Manhas," said Brigadier Anil Gupta, who was part of that restructuring body along with Manhas and then BCCI secretary Jay Shah."He played cricket in J&K and he

wanted to make some drastic changes."

Those changes were both structural and cultural."Among those drastic changes was that we selected a coach who was not from here. We selected a captain who was not from J&K. We selected a support staff team that was given continuity."

THE RED MITTI TRANSFORMATION

And then came the most literal transformation.

"The most significant change was that we created red-mitti wickets in Jammu. When our team used to go and play outside, they used to struggle because there was no practice on red-clay wickets. Once we made that change, the difference was what we saw last year - in Mumbai, we saw the result."

For years, J&K players had grown up on green surfaces that rewarded seam bowling. But championships in India are often decided on the grind of playing across different types of pitches. Exposure was no longer accidental; it was engineered."We backed the talent," Gupta said. "We wanted the talents to apply themselves."

PROCESS OVER HYPE

When Ajay Sharma joined as head coach, the framework was in place. What remained was mindset."I believe that behind everything there is a proper process," Sharma said.

From the beginning, expectations were explicit."Mithun Manhas also had a vision when he brought me in as coach—he said, brother, we have to win the Ranji Trophy."

The ambition had evolved.

Daniil Medvedev stranded in Dubai with his family due to Middle East conflict

Former world No. 1 Daniil Medvedev, along with his family and team, was stranded in Dubai on Sunday, a day after winning the Dubai Duty Free Tennis Championships for his 23rd career ATP title.

Bayamon. (Agency)

Former world No. 1 Daniil Medvedev's title-winning week in Dubai has taken an unexpected turn, with the Russian star, his family and his team stranded in the United Arab Emirates after regional airspace was shut down following escalating tensions in the Middle East.The disruption came a day after Medvedev clinched the Dubai Duty Free Tennis Championships title, his 23rd career ATP crown. The airspace closure followed the United States' airstrikes on Iran on Saturday, leaving several players unable to leave the country.Medvedev told Bolshe Tennis in Russian that there is no clarity on when flights will resume."The situation is unusual, but basically, the only thing is that the airspace is closed, naturally," Medvedev said. "So, no one knows when we'll be able to fly out. It's not clear whether this will last long or not."We're just waiting to see what happens in the coming hours or days. They keep

gradually pushing back the airport reopening time."

The 2021 US Open champion said he has remained calm despite the uncertainty.

"As strange as that sounds, on the court, I'm very emotional, but in real life, it might actually help me to be more emotional at times - so, for me, everything is normal," Medvedev said. "Naturally, I've received a lot of messages from friends and family, and everyone is worried, but I can say for my part that everything is fine."Several other players are also stranded in Dubai, including fellow Russians Andrey Rublev and Mirra Andreeva, as well as Dutchman Tallon Griekspoor. Griekspoor withdrew from the Dubai final due to a left hamstring injury sustained during his semifinal win over Rublev.The players are scheduled to compete at the BNP Paribas Open in Indian Wells, California, where main-draw action begins on Wednesday. Medvedev and Rublev are also slated to take part in The Eisenhower Cup mixed doubles exhibition on Tuesday. Medvedev's partner is Andreeva, while Rublev is set to team up with American Amanda Anisimova.Canadian Felix Auger-Aliassime, who lost to Medvedev in the semifinals, managed to depart on one of the final flights out of Dubai on Saturday. According to reports, he has reached Indian Wells and was scheduled to practise on Sunday.Doubles players Harri Heliovaara, Mate Pavic, Henry Patten and Marcelo Arevalo are also reportedly stranded. Heliovaara and Patten had defeated Pavic and Arevalo in the Dubai doubles final.

With the Indian Wells tournament around the corner, players, coaches and officials now face a wait for further updates, hoping the airspace reopens in time to avoid disruption to the ATP calendar.

The batter who came in from the cold: Sanju Samson's night, Eden Gardens' legend

New Delhi. (Agency)

History loves Kolkata's Eden Gardens. It likes to be written on its haloed greens. It yearns to be witnessed from its noisy stands. And no cricket match here is just a game-it is almost always a legend.

India vs West Indies: Scorecard | Highlights

Sunday (March 1) was destined to be an ode to Sanju Samson. The ground was ready. India needed to beat West Indies in what was effectively a quarter-final of the T20 World Cup. The target, 196, was a mountain. India had never climbed more than 173 in a T20 World Cup.Cometh the hour, cometh the man. But that man was never expected to be Samson.

SUCH A LONG JOURNEY

Samson made his T20I debut in 2015, a 20-year-old from Kerala with soft hands, a still head, and a gift for the outrageous stroke. Eleven years later, he had played only 59 T20Is. Fifty-nine. The number sits uncomfortably beside his talent, like a biography with half its chapters torn out.He was repeatedly set aside.

Sometimes to accommodate others. Sometimes because of his own failures. He was cast as a reserve in a squad that always had someone else ahead of him, a name on the fringes of selection meetings. He was a player perpetually described as gifted, as if the gift was a curse, a prophecy standing between him and his destiny.He entered this World Cup squad as the first-choice opener. Then two things happened: failure and Ishan Kishan. Soon he was the back-up opener, thrust into the XI only because oppositions had begun targeting India's left-hander heavy batting line-up with offspinners. Even his opportunity arrived through the back door. And yet, when the door opened, Samson walked through it as though he had always known it would.

THE LEGEND OF EDEN

There is something about the Eden Gardens that defies logic. On this ground, failure often begins with a celebration—almost like a cruel joke.

Abhishek Sharma's lack of form: His head is muddled, says Anil Kumble

MEXICO CITY. (Agency)

Team India secured their passage into the semi-finals of the T20 World Cup 2026, but concerns remain over opener Abhishek Sharma's form, as the young batsman was dismissed for 10 off 11 balls, continuing a difficult run in the tournament.

India vs West Indies: Scorecard | Highlights

Abhishek's struggles have become a focus of discussion as India prepares to face England in the second semifinal following their five-wicket win over the West Indies in Kolkata. The opener scored a fifty against Zimbabwe but once again failed to make the most of his chance in Kolkata. Abhishek has scored 80 runs in six matches with an average of 13.33 and a strike-rate of 131.14. Speaking on ESPNCricinfo, Kumble said that the opener's head seems to be a bit muddled at

the moment and there is a clear lack of confidence."The head is a bit muddled. There is lack of confidence. You want others to take the pressure off and India have done well. Now that India have won, he'll say, I need to start contributing. England will pose a different challenge. They also have Jacks. I don't see Harry Brook holding back Jacks. He has bowled in the powerplay, so he bowls well," said Kumble.

'NO FINGER POINTING FOR NOW'

Former South Africa captain Faf du Plessis commented on the situation and said that India's win will shield Abhishek for now. Du Plessis said that the conversation now will be if the opener can turn things around in the semi-final.The nice thing is that they won. When you are winning, the guy that is out of form gets carried by the team. If you lose, there is finger-pointing. A guy needs to take the brunt of the loss. So, if India would have lost tonight, there would have been a lot of finger-pointing at him. So now there is a hopeful outlook - can he do it in the semifinals or can he turn it around?" du Plessis said.

T20 World Cup: Sunil Gavaskar, Ravi Shastri slam mid-match laser show in Kolkata

Kolkata. (Agency)

Former India captains Sunil Gavaskar and Ravi Shastri on Sunday questioned the need for a laser show during the drinks break of the T20 World Cup Super Eights clash between India and West Indies at the Eden Gardens in Kolkata.

India vs West Indies: Scorecard | Highlights

India were 53 for two in pursuit of 196 when the powerplay ended and the scheduled break was taken. Truth be told, the hosts were in a spot of bother, having lost Abhishek Sharma and Ishan Kishan without much contribution. It was a high-intensity contest where any lapse in concentration could have proved costly.Yet, during the three-minute interval, the stadium lights were dimmed and a laser show was conducted, briefly plunging the ground into darkness. The spectacle lasted close to three

minutes, leaving Sanju Samson and Suryakumar Yadav to readjust to the floodlights once play resumed.

Both Gavaskar and Shastri raised concerns that the sudden change in lighting conditions could disrupt the batters' focus and vision."The laser show during the two-and-a-half or three minutes of the drinks break it's not easy on the batters, or anybody for that matter," Gavaskar said on commentary."To get your eyes used to the light, to get the bright lights again, you have darkness around you."Gavaskar questioned whether such entertainment was necessary during a global tournament.

"You have a laser thing going on. This is the World Cup. And for two and a half minutes, do you need this kind of entertainment?In the IPL, it's fine in the middle of the IPL. Not in the knockouts, but in the middle of the IPL, that is fine. But at the moment here, in the World Cup, do we need these laser shows in the middle of the drinks break, at the drinks interval?"

Shastri echoed the sentiment, emphasising the impact on players' concentration.

"And from the players' point of view, to switch back on, is never easy. It's serious stuff."

Iran conflict: Women wrestlers safe, accommodated in hotel near Tirana airport: Head coach

Around Rs 4 lakh has been transferred to my bank account for hotel, food and other expenses during our stay here, says Dahiya

New Delhi. (Agency)

"Women's wrestling team head coach Virender Dahiya said all his wards are safe and have been shifted to a hotel near Tirana airport in Albania. As many as 16 wrestlers along with the support staff including Dahiya reached the country to compete in the second Ranking Series that began on February 25.

They were scheduled to fly back to India on Sunday morning via Dubai but their flight got cancelled due to US-Israel attacks on Iran. The men's freestyle team returned to the country as their competition got over a couple of days ago. The bouts for men's Greco-Roman wrestlers are underway and even they might have to change their itinerary given the global crisis.

"We are safe here and have been shifted to a good hotel near the airport," Dahiya told The New Indian Express from Tirana. The coach said the Wrestling Federation of India (WFI) president Sanjay Kumar Singh, former chief Brij Bhushan Sharan Singh and other office-bearers spoke to him and the wrestlers and assured them of every possible help.

"Brij Bhushan sir even transferred Rs 4 lakh to my account so that we can pay for accommodation, food and other necessary stuff here in Albania. All of them personally spoke to us and assured us all the help we needed. The federation is trying to arrange an alternative flight for us through a different route," the coach added.India women won three silver medals and two bronze in the competition. Priyanshi Prajapat (50kg), Meenakshi (53kg) and Neha (57kg) finished second in their respective weight categories

while Muskan (50kg) and Savita (62kg) returned with a bronze each. Earlier, Sujeet Kalkal clinched the gold medal in the 65kg weight category.The wrestlers were provided accommodation by the organisers but had to vacate their rooms by 11AM local time on Sunday. The coach communicated the same to the WFI following which the federation arranged accommodation for them.The wrestlers are alone to get stranded due to the global crisis as two-time Olympic medallist PV Sindhu also got stuck at the Dubai International Airport since Saturday. She was supposed to board a flight for Birmingham to take part in the All England Championships scheduled from March 3 to 8 but has been stuck at the airport along with her team members — coach, training, physio et all, just waiting to get out of this tense situation.The closure of airspace over gulf has forced the Badminton Association of India (BAI) to change travel plans for other shuttlers as well. They were supposed to leave for England later than Sindhu. The BAI, along with the help of Sports Authority of India, has informed that some of the shuttlers are now leaving via airports in Africa and Singapore.

Rashmika Mandanna

And Vijay Deverakonda Fly Economy After Wedding, Leave Fans Surprised

Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda got married on February 26, in a beautiful traditional ceremony in Udaipur. Fans went gaga over the dreamy photos from their wedding ceremony. A day after tying the knot, the couple headed back to Hyderabad, and much to their fans' surprise, they were seen flying economy class. A video of the newly married couple boarding the commercial flight from Udaipur is going viral on social media. They were seen beaming with joy as they headed to their seats.

Rashmika Mandanna Shares 'Yay' Moment On Flight After Wedding With Vijay Deverakonda

The video shared by a makeup artist on Instagram shows Rashmika and Vijay on their flight back to Hyderabad from Udaipur. The 'Liger' actor was all smiles as he interacted with the crew and waited for them to be seated. Meanwhile, Rashmika was also seen grinning widely and excitedly waving at the passengers who cheered for them. She made a small 'yay' gesture, expressing her joy. Check out the video below!

Fans React

The video was posted with the caption, "And finally here is Mr & Mrs Deverakonda." Netizens gushed over the newly married couple, while some were surprised to see them travelling in economy. "I don't know why I'm so happy for them," wrote one fan, while another one commented, "Her happiness is gorgeous." A third netizen wrote, "They fly economy?" while another comment read, "Flying economy after their wedding, thought they'd fly private."

"He gave her the window seat!!! Green forest," pointed out one netizen. Meanwhile, a few social media users claimed that Rashmika and Vijay booked the whole flight for the wedding guests. "This makes sense, they booked the whole flight," read a comment.

Vijay Deverakonda's Note After Marriage With Rashmika Mandanna Goes Viral

After their wedding, Vijay and Rashmika shared dreamy photos from their wedding along with heartfelt notes for each other. Vijay's caption for his ladylove won hearts, and netizens couldn't stop gushing over the couple. "One day, I missed her. Missed her in a way that made me feel like my day would've been better if she were around. Like my meals would've felt more wholesome if she were sitting across from me.

Bhumi Pednekar

Bhumi Pednekar Says 'Hope Came True' As She Celebrates One Month Of Daldal, Shares BTS Moments

Bhumi Pednekar has been enjoying the love she is getting for the series Daldal. It has been one month since its release. Marking the special milestone, the actress took to social media to share an action-packed behind-the-scenes (BTS) video from the sets, giving fans a glimpse of the intense effort that went into creating the gripping drama.

Taking to her Instagram handle, Bhumi Pednekar shared the raw video featuring all the major action scenes and also penned a thank-you note for her fans. She writes, "It's been one month since Daldal released… and I have spent these weeks feeling nothing but gratitude. Looking back at these BTS moments reminds me of the chaos, the nerves, the long days, and the quiet in-betweens that shaped this journey. But more than anything, it reminds me of the love that came after. In the last month, I have read your messages, seen your edits, received your calls, watched your videos, and gone through every DM… sometimes twice. Thank you for opening your hearts to the show. Thank you for holding the characters with so much warmth. Thank you for seeing the effort, the intention, the honesty we tried to bring to every frame. As artists, we hope silently that our work reaches people in the way we imagined it. With Daldal, that hope came true because of you." One of the fans wrote, "Thank you for this wonderful piece of work everyone all the actors and the entire team."

Bhumi Pednekar's Daldal To Return With Season 2?

Well, now there is growing buzz around the return of psychological crime thriller as creator Suresh Triveni recently opened up about plans for a possible second season. He revealed that the team is keen to continue the gripping narrative, raising hopes among fans. Mid-day quoted creator Suresh Triveni talking about the second season of the series. He said, "We are ready to go for it. The writers have given three to four years working on the show, and they're raring to go." Triveni mentioned he has ideas to explore them further. He shared, "We have a couple of ideas. Also, I'm taking all the feedback from season one. We will take the right decision if everything falls in place."

Bhumi Pednekar On Playing A 'Flawed, Broken' Cop

In Daldal

DCP Rita Ferreira of the Mumbai Crime Branch, played by Bhumi Pednekar, is at the core of the storm. Now, the actress has opened up about her character. "Rita is a cop, but she's extremely flawed, broken, complex, complicated. She has more shades of black than white, which isn't how we usually see cops portrayed on screen," Bhumi told Elle India. "I got to play a hero while doing a lot of anti-hero things," she added.

Akshay Kumar, Wamiqa Gabbi Kick Off Bhoot Bangla Promotions In Nashik

Akshay Kumar and Wamiqa Gabbi have officially kickstarted promotions for their upcoming horror comedy Bhoot Bangla, setting the tone for what promises to be one of the most anticipated genre releases of the year. The actors were spotted heading to Nashik for the first leg of promotions, dressed in coordinated white shirts and blue denim, drawing attention for their easy camaraderie.

Sharing glimpses from the journey on social media, Wamiqa wrote, "Heading towards Nashik… starting first day of promotions of Bhoot Bangla… need your wishes and prayers," signalling the beginning of the film's promotional campaign.

The film marks Wamiqa's first on-screen collaboration with Akshay Kumar and also reunites Akshay with director Priyadarshan after a gap of 14 years.

About Bhoot Bangla: A Return To Classic Horror Comedy

Directed by Priyadarshan, Bhoot Bangla blends old-school slapstick humour with atmospheric horror elements, a combination that has previously delivered cult hits in Hindi cinema.

Set against the backdrop of a mysterious, crumbling mansion steeped in folklore, the film revolves around characters who find themselves entangled in supernatural chaos. The "bangla" in the title refers to an ancestral estate believed to be haunted, with secrets buried within its walls. What begins as a routine visit gradually spirals into a series of eerie yet comedic encounters involving restless spirits, hidden passageways and unexpected twists.

Known for his mastery in balancing humour with tension, Priyadarshan has crafted the film with practical effects, situational comedy and character-driven chaos rather than relying solely on jump scares. The narrative draws inspiration from classic haunted-house tales while adding a contemporary layer of satire, misunderstandings and supernatural mischief.The tone carries shades of Priyadarshan's earlier comic sensibilities while leaning into a darker, more atmospheric setting, making it nostalgic yet fresh.

Bengali Actress Subhashree Ganguly Stranded In Dubai With Son After Flight Cancellations

Flight suspensions linked to escalating tensions in West Asia have left several Indian nationals unable to return home, including actor Subhashree Ganguly and her young son.Subhashree had travelled to Dubai with her son Yuvaan during his school holidays. However, amid the ongoing conflict in the region and subsequent airspace restrictions, she has been unable to fly back to India. According to her husband, filmmaker Raj Chakraborty, both mother and son are safe and following official advisories.

Authorities in the UAE have reportedly advised residents and visitors to remain indoors as a precaution. Subhashree and her son are complying with the instructions while monitoring developments closely.

The disruption in travel services follows heightened tensions in the Middle East after military strikes involving the United States and Israel targeting sites in Iran. As a precaution, parts of Gulf airspace have faced temporary closures, leading to widespread flight cancellations and uncertainty for travellers.

Actor Sonal Chauhan has also been affected by the cancellations. She publicly appealed for assistance after finding herself stranded in Dubai without a confirmed return plan.

Addressing Prime Minister Narendra Modi through social media, Chauhan wrote, "Hon'ble PM @narendramodi ji, I am currently stranded in Dubai due to the ongoing crisis."In a subsequent message, she added, "With flights canceled and no clear way to return to India, I respectfully seek the Government's guidance for a safe journey home. Grateful for any support extended."

Her appeal drew significant attention online, with some users urging authorities to intervene swiftly. One social media user commented, "Requesting concerned authorities to please look into this urgently. Citizens' safety should be the top priority." Others advised her to reach out directly to Indian diplomatic officials in the UAE.

Chauhan is known for her work in Hindi and Telugu cinema and gained recognition after starring opposite Emraan Hashmi in Jannat. Before her film career, she won the Miss World Tourism 2005 title and worked as a model.